केंद्रीय विद्यालय संगठन

चंडीगढ़ संभाग

प्रथम सत्र अध्ययन सामग्री (बहुविकल्पी प्रश्न)

कक्षा दसवीं

विषय हिंदी

सत्र – 2021-22

प्रथम सत्र

विषयानुक्रम

क्रम संख्या	पाठ का नाम
1	अपठित गद्यांश
2	अपठित काव्यांश
3	रचना के आधार पर वाक्य भेद
4	वाच्य भेद
5	पद परिचय
6	रस एवं भेद
7	सूरदास के पद
8	राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद
9	नेताजी का चश्मा
10	बालगोबिन भगत

अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

गद्यांश-1

"समझ लो, हड़ताल टूट गई । लाला जी हमें आप से दुश्मनी तो नहीं है । प्रेस हमें भी उतना ही प्यारा है, जितना कि आपको है, बल्कि आप से भी ज्यादा है । हाँ, आपसे भी ज्यादा, क्योंकि आपका तो केवल पैसा लगा है, हमारा खून-पसीना लगा है। लालाजी ! प्रेस तो हमारा अन्नदाता है । वह हमारा पालक है । कोई भी समझदार आदमी अपने पालक से गद्दारी नहीं करेगा । आपकी कंजूसी का असर हमारे शरीर पर तो पड़ ही रहा था, काम पर भी पड़ रहा था । इसलिए मजबूर होकर हमें हड़ताल का सहारा लेना पड़ा । पर, 'देर आए दुरुस्त आए', हम काम पर जरूर आएंगे ।" प्रतिनिधि ने विनय पूर्वक कहा ।

लालाजी ने संतोष की साँस ली । हड़ताल से उन्हें काफ़ी नुकसान हो रहा था । पर, नुकसान उठाकर भी हड़ताल से उन्हें फायदा हुआ । पराई पीड़ा को समझ लेना उनकी नज़र में ऐसा फ़ायदा था, जिसकी तुलना में कुबेर का कोष भी तुच्छ था ।

1. कारीगरों ने हड़ताल क्यों की होगी ?

(क) लाला जी द्वारा सुविधाएँ न दिए जाने के कारण (ख) कम वेतन के कारण

(ग) लाला जी से झगड़ा होने पर (घ) प्रेस को आमदनी कम होने पर

2. हड़ताल क्यों टूट गई ?

(क) लाला जी से दुश्मनी समाप्त हो जाने पर (ख) लाला जी द्वारा सुविधाएँ दे दिए जाने पर

(ग) अपने मालिक से गद्दारी न करने की भावना के कारण (घ) लाला जी के धमकाने पर

3. हड़ताल से लाला जी का क्या फ़ायदा हुआ ?

(क) मान - सम्मान बढ़ गया (ख) कारीगरों से दुश्मनी समाप्त हो गई

(ग) पराई पीड़ा को समझना सीखा (घ) कुबेर का कोष मिला

4. 'देर आए दुरुस्त आए' का प्रयोग कब किया जाता है ?

(क) जब कोई देर से पर ठीक - ठाक आ जाए (ख) न देर से आए, न दुरुस्त हो

(ग) देर से ही सही, पर उचित समझे और करे (घ) दुरुस्त होकर देर से आए

5. कुबेर कौन हैं ?

(क) लाला जी के मित्र हैं (ख) देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं

(ग) बैंक का नाम है (घ) कोई व्यक्ति है

उत्तरमाला

1. (क) लाला जी द्वारा सुविधाएँ न दिए जाने के कारण

2. (ग) अपने मालिक से गद्दारी न करने की भावना के कारण

3.(ग) पराई पीड़ा को समझना सीखा

4.(ग) देर से ही सही, पर उचित समझे और करे

5.(ख) देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं

गद्यांश-2

महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था कि, "मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूँढने लगूँ तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य, नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना।" इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वालों से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है।

आपके असहयोग का उद्देश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती है। लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहांध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है; और न ही मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूं जो झूठी पित्र- भक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेकयुक्त है बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर आंख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है ।

(क) गांधीजी किसे सुधारना चाहते हैं ?

(i) बुराई करने वालों को (ii) अच्छाई करने वालों को

(iii) काम करने वालों को (iv) आराम करने वालों को

(ख) बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है ?

(i) उसे बढ़ावा देकर (ii) उसे बढ़ावा न देकर

(iii) अच्छाई दिखाकर (iv) अच्छाई को खोकर

(ग) गांधीजी कैसे प्रेम में विश्वास रखते थे ?

(i) विवेकयुक्त और बुद्धियुक्त (ii) अच्छे

(iii) बुरे (iv) घृणायुक्त

(घ) 'असहयोग' में मूल शब्द है-

(i) अस (ii) सह

(iii) सहयोग (iv) असह

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है-

(i) असहयोग (ii) गांधीजी

(iii) प्रेम की परिभाषा (iv) प्रेम

उत्तरमाला

(क) (i) बुराई करने वालों को

(ख) (ii) उसे बढ़ावा न देकर

(ग) (i) विवेकयुक्त और बुद्धियुक्त

(घ) (iii) सहयोग

(ङ) (iii) प्रेम की परिभाषा

गद्यांश-3

समस्याएं वस्तुतः जीवन का पर्याय हैं। यदि समस्याएं न हों तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। ये समस्याएं वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। समस्या को सुलझाते समय,उनका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठ्तम तत्व उभरकर

आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान-मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएं यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखे व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचे। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएं आएंगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं-प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक व पारलौकिक सभी दृष्टियों से अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए उठिए, दृढ़ संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजयरथ पर चढ़ जाएं और अपने जीवन की विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

1. इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए-
   (क)जीवन एक समस्या
   (ख)महानता के उपाय
   (ग) संघर्ष : सफलता का आधार
   (घ) जीवन-एक संघर्ष

2. धर्म, ज्ञान दर्शन आदि किस प्रेरणा से पैदा हुए हैं ?
   (क)शांति की चाह से
   (ख)आनंद की प्रेरणा से
   (ग) संघर्ष की प्रेरणा से
   (घ) समस्या-समाधान की प्रेरणा से

3. 'समस्याएँ वास्तव में जीवन का पर्याय हैं' वाक्य से लेखक का क्या तात्पर्य है?
   (क)जीवन स्वयं में एक समस्या है।
   (ख)जीवन समस्या नहीं, एक संघर्ष है
   (ग) जीवन में समस्याएँ तो होती हैं उन्हें स्वीकार करना चाहिए
   (घ) जीवन और समस्याएं दोनों त्याज्य हैं।

4. इस अनुच्छेद का मूल स्वर है-
   (क)निराशाजनक
   (ख)प्रेरणापरक
   (ग) चिंतनपरक
   (घ) विश्लेषणात्मक

5. लेखक ने पाठकों को क्या प्रेरणा दी है ?

(क)समस्याओं से बचने की।
(ख)जीवन को जीने की।
(ग) संघर्ष पथ पर विजय पाने की।
(घ) दायित्वपूर्वक काम करने की।

उत्तरमाला

1. (ग) संघर्ष : सफलता का आधार
2. (घ) समस्यासमाधान की प्रेरणा से
3. (ग) जीवन में समस्याएँ तो होती हैं उन्हें स्वीकार करना चाहिए
4. (ख) प्रेरणापरक
5. (घ) दायित्वपूर्वक काम करने की |

गद्यांश-4

'देहदान' शब्द सुनते या पढ़ते ही सबसे पहला विचार जो दिमाग में आता है,वह है-'मृत्यु' अवश्यंभावी है। आज नहीं तो कल, कोई पहले तो कोई बाद में मृत्यु को प्राप्त करता है। मृत्यु के नाम से ही मन में भय का संचार होने लगता है। मानव शरीर धारी भगवान राम और कृष्ण को भी समय आने पर यह शरीर त्यागना पड़ा था। जो जन्म के साथ ही निर्धारित है, उससे भय कैसा! इससे बचने का कोई उपाय नहीं है, चाहे कोई कितना ही बलवान, धनवान या तपस्वी हो, इससे बच नहीं पाया। सारे संसार के पुराण-इतिहास इस बात के गवाह हैं। प्राचीन या वर्तमान विज्ञान कितना ही उन्न्त हो गया हो, लेकिन मृत्यु पर विजय हासिल करना एक सपना ही है। फ़िर इस क्षणभंगुर और अंत में राख के ढेर में बदलने वाले शरीर या उसके अंगों को किसी जरूरतमंद के लिए समर्पित कर देने में क्या हर्ज है! और फ़िर इसे पाने के लिए आपने स्वंय कोई प्रयास नहीं किया है या धन भी खर्च नहीं किया।

1) 'देहदान' शब्द सुनते ही सबसे पहला विचार दिमाग में क्या आता है?
(क)मृत्यु अवश्यंभावी है।
(ख)मृत्यु सत्य है।
(ग) मृत्य नहीं होगी।
(घ) जीवन सुरक्षित नहीं है
2) मृत्यु के नाम से भय क्यों लगता है ?
(क)भय स्वाभाविक है
(ख)भय नहीं होना चाहिए
(ग) यह जन्म के साथ जुड़ा है
(घ) मृत्यु से डरना अस्वाभाविक है
3) पुराण और इतिहास किस बात के गवाह हैं ?
(क)मृत्यु से कोई बच नहीं पाया।

(ख)मृत्यु पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

(ग) मृत्यु को कुछ समय तक टाला जा सकता है।

(घ) मृत्यु किसी के वश में नहीं।

4) '*क्षणभंगुर*' शब्द का अर्थ है-

(क)क्षण में भंग होने वाली

(ख)कभी समाप्त न होने वाली

(ग) सदा अमर रहने वाली

(घ) समाप्त होने वाली

5) '*देहदान*' से क्या अभिप्राय है ?

(क)जरूरतमंद को देहदान करना

(ख)देह को दान न करना

(ग) बिना जरूरत के देहदान करना

(घ) अंगदान कर देना

उत्तरमाला

1. (क) मृत्यु अवश्यंभावी है
2. (क) भय स्वाभाविक है
3. (क) मृत्यु से कोई बच नहीं पाया
4. (क) क्षण में भंग होने वाली
5. (घ) अंगदान कर देना

गद्यांश-5

हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता जनसंख्या वृद्धि को रोकना है | इस क्षेत्र में हमारे सभी प्रयत्न निष्फल रहे हैं | ऐसा क्यों है? यह इसलिए भी हो सकता है की समस्या को देखना का हर एक का एक अलग नज़रिया है | जनसंख्या शास्त्रियों के लिए यह आंकड़ों का अम्बार है | अफसरशाही के लिए यह टार्गेट तय करने की कवायद है | राजनीतिज्ञ इसे वोट बैंक की दृष्टि से देखता है | ये सब अपने अपने ढंग से समस्या को सुलझाने में लगे हैं | अतः अलग अलग किसी के हाथ सफलता हाथ नहीं लगी | पर यह स्पष्ट है कि परिवार के आकार पर आर्थिक विकास और शिक्षा का बहुत प्रभाव पड़ता है | यहाँ आर्थिक विकास का मतलब पाश्चात्य मतानुसार भौतिकवाद नहीं जहां बच्चों को बोझ माना जाता है | हमारे लिए तो यह सम्मानपूर्वक जीने के स्तर से संबंधित है | यह मौजूदा संपत्ति के समतामूलक विवरण पर ही निर्भर नहीं है वरन ऐसी शैली अपनाने से संबंधित है जिससे अस्सी करोड़ लोगों की ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल हो सके | इसी प्रकार स्त्री शिक्षा भी है | यह समाज में एक नए प्रकार का चिंतन पैदा करेगी | जिससे सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम खुलेंगे और साथ

ही बच्चों के विकास नया रास्ता भी खुलेगा | अतः जनसंख्या की समस्या सामाजिक है | यह अकेले सरकार नहीं सुलझा सकेगी | केन्द्रीकरण से हटाकर इसे ग्राम-ग्राम, व्यक्ति-व्यक्ति तक पहुंचाना होगा | जब तक यह जन-आन्दोलन नहीं बन जाता तब तक सफलता मिलना संदिग्ध है|

1. हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता क्या है?

(क) जनसंख्या में वृद्धि (ख) जनसंख्या वृद्धि को रोकना

(ग)जनसंख्या सम्बन्धी तथ्य जुटाना (घ) जनसंख्या पर बैठकें करना

2. जनसंख्या नियन्त्रण के प्रयासों की असफलता का कारण है-

(क) प्रयास हुए ही नहीं

(ख) प्रयास स्तरीय नहीं हैं

(ग) सब अपने-अपने ढंग से प्रयास कर रहे हैं

(घ) जनसंख्या नियन्त्रण कर पाना कठिन है

3. स्त्री-शिक्षा का लाभ कहाँ उठाया जा सकता है?

(क) सामाजिक सोच के परिवर्तन में (ख) स्त्रियों को आत्मनिर्भर करने में

(ग) योजनाओं को बनाने में (घ) आर्थिक दशा में सुधार करने में

4. जनसंख्या समस्या के प्रति हमारे दृष्टिकोण में किस बदलाव जरूरत है?

(क) यह जटिल समस्या है (ख) यह बेकाबू है

(ग) इसका समाधान असंभव है (घ) यह सरकारी समस्या है

5. निष्फल' का विलोम शब्द है-

(क) विफल (ख) सफल

(ग) फलदार (घ) पराजित

उत्तरमाला

१. (ख) जनसंख्या वृद्धि को रोकना

2. (ग) सब अपने-अपने ढंग से प्रयास कर रहे हैं

3. (घ) आर्थिक दशा में सुधार करने में

4. (घ) यह सरकारी समस्या है

5. (ग) फलदार

अपठित काव्यांश

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढकर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर चुनकर लिखिए-

काव्यांश-1

बाधाएँ आती हैं आएँ

घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,

पावों के नीचे अंगारे,

सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,

निज हाथों में हँसते-हँसते,

आग लगाकर जलना होगा।

क़दम मिलाकर चलना होगा।

हास्य-रूदन में, तूफ़ानों में,

अगर असंख्यक बलिदानों में,

उद्यानों में, वीरानों में,

अपमानों में, सम्मानों में,

उन्नत मस्तक, उभरा सीना,

पीड़ाओं में पलना होगा।

क़दम मिलाकर चलना होगा।

उजियारे में, अंधकार में,

कल कहार में, बीच धार में,

घोर घृणा में, पूत प्यार में,

क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में,

जीवन के शत-शत आकर्षक,

अरमानों को ढलना होगा।

क़दम मिलाकर चलना होगा।

प्रश्न 1. कवि विपदाओं में मनुष्य से क्या आग्रह करता है?

(i) अरमानों को ढलना होगा। (ii) ज्वाला में जलना होगा।

(iii) कदम मिलाकर चलना होगा। (iv) बीच धार में पड़ना होगा।

प्रश्न 2. सिर पर ज्वालाओं के जलने पर क्या करना होगा?

(i) घावों को भरना होगा। (ii) पीड़ाओं में पलना होगा।

(iii) आग जलाकर चलना होगा। (iv) तम को शोभित करना होगा।

प्रश्न 3. हास्य-रुदन का अर्थ क्या होगा?

(i) नाचना और गाना (ii) हँसना और रूठना

(iii) हँसना और रोना (iv) हँसी और खुशी

प्रश्न 4. कवि ने काव्यांश में किस प्रकार की पराजय और विजय का वर्णन किया है?

(i) वीरों की जीत और कायरों की हार का। (ii) छोटी जीत और बड़ी हार का।

(iii) घृणा से हार और प्रेम से जीत का। (iv) आत्मसम्मान की जीत का।

प्रश्न 5. उपर्युक्त कविता में निहित सन्देश है:-

(i) हमें हमेशा जोश में काम करना चाहिए। (ii) उजाले और रोशनी में खुश रहना चाहिए।

(iii) एक दूसरे से सहयोग करना चाहिए। (iv) बाग-बगीचों में सन्देश देने चाहिए।

उत्तरमाला

प्रश्न 1. (iii) कदम मिलाकर चलना होगा

प्रश्न 2. (iii) आग जलाकर जलना होगा

प्रश्न 3. (iii) हँसना और रोना

प्रश्न 4. (ii) छोटी जीत और बड़ी हार का

प्रश्न 5. (iii) एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए

काव्यांश-2

कुछ भी बन, बस कायर मत बन

ठोकर मार, पटक मत माथा

तेरी राह रोकते पाहन

कुछ भी बन, बस कायर मत बन

युद्ध देही कहे जब पामर,

दे न दुहाई पीठ फेर कर

या तो जीत प्रीति के बल पर

या तेरा पथ चूमे तस्कर

प्रति हिंसा भी दुर्बलता है

पर कायरता अधिक अपावन

कुछ भी बन, बस कायर मत बन

ले-देकर जीना, क्या जीना?

कब तक गम के आँसू पीना?

मानवता ने तुझको सींचा

बहा युगों तक खून-पसीना।

कुछ न करेगा? किया करेगा

रे मनुष्य! बस कातर क्रंदन?

कुछ भी बन, बस कायर मत बन

तेरी रक्षा का ना मोल है

पर तेरा मानव अमोल है

यह मिटता है वह बनता है

यही सत्य की सही मोल है।

अर्पण कर सर्वस्व मनुज को,

कर न दुष्ट को आत्म-समर्पण

कुछ भी बन, बस कायर मत बन।

प्रश्न 1. कवि क्या सन्देश देना चाहता है?

(i) आत्म समर्पण का (ii) कायर न बनने का

(iii) हिंसक बनने का (iv) पथ प्रदर्शक बनने का

प्रश्न 2. कवि अपना सबकुछ किसे अर्पण करने को कहता है?

(i) भगवान को (ii) धरती को

(iii) मानव को (iv) अम्बर को

प्रश्न 3. पाहन शब्द के पर्यायवाची क्या होंगे?

(i) बादल, मेघ (ii) पत्थर, पाषाण

(iii) मेहमान, अतिथि (iv) नीर, पुष्प

प्रश्न 4. कवि काव्यांश में युद्ध में दुष्ट जब चुनौती दे तब क्या नहीं करने का आह्वान करता है?

(i) पीठ ना दिखाने का (ii) मैदान छोड़ने का

(iii) स्वालम्बी बनने का (iv) महिमागान का

प्रश्न 5. 'कातर क्रंदन' का क्या अर्थ है?

(i) कर्ण-अर्जुन बनना (ii) प्रतापी बनना

(iii) ज़ोर-ज़ोर से रोना या विलाप करना। (iv) खूब ख़ुशी मनाना

उत्तरमाला

प्रश्न 1. (ii) कायर न बनने का

प्रश्न 2. (iii) मानव को

प्रश्न 3. (ii) पत्थर, पाषाण

प्रश्न 4. (i) पीठ ना दिखाने का

प्रश्न 5. (iii) जोर-जोर से रोना या विलाप करना

काव्यांश-3

गरमी की दोपहरी में

तपे हुए नभ के नीचे।

काली सड़कें तारकोल की

अंगारे-सी जली पड़ी थीं।

छाँह जली थी पेड़ों की भी

पत्ते झुलस गए थे।

नंगे-नंगे दीर्घकाय, कंकालों-से वृक्ष खड़े थे

हों अकाल के ज्यों अवतार।

एक अकेला ताँगा था दूरी पर

कोचवान की काली-सी चाबुक के बल पर

वो बढ़ता था।

घूम-घूम जो बलखाती थी सर्प सरीखी।

बेदर्दी से पड़ती थी दुबले घोड़े की गर्म

पीठ पर।

भाग रहा वह तारकोल की जली

अँगीठी के ऊपर से।

कभी एक ग्रामीण धरे कन्धे पर लाठी

सुख-दुख की मोटी-सी गठरी

लिये पीठ पर

भारी जूते फटे हुए

जिन में से थी झाँक रही गाँवों की आत्मा

ज़िन्दा रहने के कठिन जतन में

पाँव बढ़ाये आगे जाता।

प्रश्न 1. काव्यांश में वृक्षों का किस तरह चित्रण किया गया है?

(क) पेड़ छोटे-छोटे और जले हुए हैं (ख) पेड़ उम्रदराज और जले हुए हैं

(ग) लम्बे-लम्बे और मग्न से हैं (घ) पेड़ हरे-भरे और सुंदर हैं

प्रश्न 2. अपने कन्धे पर सुख-दुःख की गठरी कौन लिए जा रहा है?

(क) खेत का किसान (ख) सेना का जवान

(ग) गाँव का व्यक्ति (ङ) गाड़ी चालक

प्रश्न 3. काव्यांश में 'कोचवान' शब्द से क्या अभिप्राय है?

(क) खेल का कोच (ख) रेल का कोच

(ग) ग्रामीण व्यक्ति (घ) तांगा चालक

प्रश्न 4. 'जिन्दा रहने के कठिन जतन में' पंक्ति में 'जतन' का क्या आशय है?

(क) कठिन रास्ता (ख) कठिन प्रयास

(ग) कठिन प्रश्न (घ) कठिन योग

प्रश्न 5. बेदर्दी शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग 'बे' किस प्रकार का उपसर्ग है?

(क) तत्सम (ख) तद्भव

(ग) आगत (घ) देशज

उत्तरमाला

प्रश्न 1. (ख) पेड़ उम्रदराज और जले हुए हैं।

प्रश्न 2. (ग) गाँव का व्यक्ति

प्रश्न 3. (घ) तांगा चालक

प्रश्न 4. (ख) कठिन प्रयास

प्रश्न 5. (ग) आगत

काव्यांश-4

कुछ पता नहीं, हम कौन बीज बोते हैं,
है कौन स्वप्न, हम जिसे यहाँ ढोते हैं।

पर, हाँ, वसुधा दानी है, नहीं कृपण है,
देता मनुष्य जब भी उसको जल-कण है।
यह दान वृथा वह कभी नहीं लेती है,
बदले में कोई दूब हमें देती है।

पर, हमने तो सींचा है उसे लहू से,
चढ़ती उमंग की कलियों की खुशबू से।
क्या यह अपूर्व बलिदान पचा वह लेगी ?
उद्दाम राष्ट्र क्या हमें नहीं वह देगी ?

ना, यह अकाण्ड दुष्काण्ड नहीं होने का,
यह जगा देश अब और नहीं सोने का।
जब तक भीतर की गाँस नहीं कढ़ती है,
श्री नहीं पुन भारत-मुख पर चढ़ती है,

कैसे स्वदेश की रूह चैन पायेगी ?

किस नर-नारी को भला नींद आयेगी ?

कुछ सोच रहा है समय राह में थम कर,

है ठहर गया सहसा इतिहास सहम कर।

सदियों में शिव का अचल ध्यान डोला है,

तोपों के भीतर से भविष्य बोला है ।

प्रश्न 1. धरती हमें क्या देती है?

(i) धरती हमें पोषक तत्व प्रदान करती है (ii) धरती हमें मोती-सोना देती है

(iii) धरती हमें हवा देती है। (iv) धरती हमें बल देती है

प्रश्न 2. 'हम कौन बीज बोते हैं' पंक्ति का क्या आशय है?

(i) आराम करना (ii) फसल उगाना

(iii) पाप कमाना (iv) कर्म करना

प्रश्न 3. वसुधा शब्द के सही पर्यायवाची शब्द पहचानों-

(i) अम्बर, धरा (ii) धरती, क्षोभ

(iii) उर्वी, अचला (iv) भू, नभ

प्रश्न 4. हमने धरती को कैसे सींचा है?

(i) खून से (ii) निर्मल जल से

(iii) प्रेम से (iv) वर्षा से

प्रश्न 5. भारत की जय कब तक नहीं हो सकती?

(i) जब तक हम प्राण न्योछावर नहीं करते (ii) जब तक द्वेष भावना खत्म नहीं होती

(iii) जब तक हम स्वमहिमा का गान नहीं करते (iv) जब तक हम विद्रोही नहीं हो जाते

उत्तरमाला

प्रश्न 1. (i) धरती हमें पोषक तत्व प्रदान करती है।

प्रश्न 2. (iv) कर्म करना

प्रश्न 3. (iii) उर्वी, अचला

प्रश्न 4. (i) खून से

प्रश्न 5. (ii) जब तक द्वेष भावना खत्म नहीं होती।

काव्यांश-5

मैंने गढ़े

ताकत और उत्साह से

भरे-भरे

कुछ शब्द

जिन्हें छीन लिया मठाधीशों ने

दे दिया उन्हें धर्म का झंडा

उन्मादी हो गए

मेरे शब्द

तलवार लेकर

बोऊँगी उन्हें मिटाने लगे

अपना ही वजूद

फिर रचे मैंने

इंसानियत से लबरेज

ढेर सारे शब्द

नहीं छीन पाएगा उन्हें

छीनने की कोशिश में भी

गिर ही जाएँगे कुछ दाने

और समय आने पर

वे फिर उगेंगे

अबकी उन्हें अगवा कर लिया

सफ़ेदपोश लुटेरों ने

और दबा दिया उन्हें

कुर्सी के पाये तले

असहनीय दर्द से चीख रहे हैं

मेरे शब्द और वे

कर रहे हैं अट्टहास

अब मैं गर्दैगी

निराई गुड़ाई और

खाद-पानी से

लहलहा उठेगी फ़सल

तब कोई मठाधीश

कोई लुटेरा

एक बार

दो बार

बार-बार लगातार उगेंगे

मेरे शब्द।।

(क) 'मठाधीशों' ने उत्साह भरे शब्दों को क्यों छीना होगा?

(i) ताकि उन्हें धर्म का झंडा दे सकें। (ii) ताकि उन्हें पूजा के लिए प्रेरित कर सकें।

(iii) ताकि उन्हें उन्मादी बना सकें। (iv) ताकि उन्हें उत्साहित कर सकें।

(ख) 'कुर्सी के पाये तले दर्द से चीख रहे हैं' आशय है -

(i) सत्ता ने इंसानियत के शब्दों को कैद कर लिया, वे मुक्ति चाहते हैं।

(ii) सत्ता उन्हें अपने हितों के लिए इस्तेमाल करती है।

(iii) सत्ता ने उनका पैर कुचल दिया है।

(iv) सत्ता ने अपने नीचे उन्हें दबा दिया इसलिए कराह रहे हैं।

(ग) कवयित्री किसके शब्दों को बो रही है?

(i) इन्सानियत और उम्मीद के (ii) धर्म और धोखे के

(iii) आपसी सौहार्द्र के (iv) लोभ और लालच के

(घ) 'और वे कर रहे हैं अट्टहास' में 'वे' शब्द किनके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(i) सत्ता पर काबिज लोगों के लिए (ii) सफ़ेदपोश लुटेरों के लिए

(iii) मठाधीशों के लिए (iv) गरीब और पीड़ित लोगों के लिए

(ङ) 'सफेदपोश' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

(i)शिक्षक (ii) पुलिस (iii) नेता (iv) नर्स

उत्तर माला

क- I ताकि उन्हें धर्म का झंडा दे सकें

ख- Iv सत्ता ने अपने नीचे उन्हें दबा दिया इसलिए कराह रहे हैं

ग- I इन्सानियत और उम्मीद के

घ- II सफ़ेदपोश लुटेरों के लिए

ङ - iii मठाधीशों के लिए

रचना के आधार पर वाक्य भेद

सार्थक शब्दों का वह व्यवस्थित समूह जो पूर्ण अर्थ प्रकट करता है , वह वाक्य कहलाता है ।

जैसे :- मोहन स्कूल जाता है ।

राम पत्र लिखता है ।

वाक्य के अंग या घटक :-

वाक्य के दो अंग होते है – 1) उद्देश्य 2) विधेय

1) उद्देश्य – वाक्य में जिसके बारे में कहा जाए या बताया जाए उसे 'उद्देश्य' कहते है ।

जैसे:- कोयल मधुर गाती है।

सीता खाना पकाती है ।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कोयल' और 'सीता' के बारे में कुछ बताया जा रहा है अतः ये उद्देशय है।

2) विधेय- वाक्य में उद्देशय के बारे में जो कुछ कहा जाए उसे विधेय कहते है ।

जैसे :- बादल घिर आए हैं। तारे आसमान में चमक रहे है ।

उपर्युक्त वाक्यों में 'घिर आए हैं।' 'आसमान में चमक रहे है ।' ये विधेय है।

रचना के आधार पर वाक्य भेद – सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य, मिश्रित वाक्य

1) सरल वाक्य :- जिस वाक्य में एक एक मुख्य क्रिया हो उसे सरल वाक्य कहते है ।

जैसे – राम पुस्तक पढ़ रहा है ।

सुरेश दूध नहीं पीता है ।

2) संयुक्त वाक्य :- संयुक्त वाक्य उस वाक्य को कहते हैं जिसमें दो या दो से अधिक स्वतंत्र वाक्य किसी योजक से जुड़े होते है।

(योजक पद – किन्तु, लेकिन, पर, या, अथवा, इसलिए, अतः तथा और एवं, परंतु, आदि ।)

जैसे:- राम दिल्ली जाएगा अथवा श्याम वहाँ से आएगा ।

वे बीमार है अतः आने में असमर्थ है ।

3) मिश्र वाक्य – जिस वाक्य में एक से अधिक वाक्य मिलें हों, किन्तु एक प्रधान उपवाक्य तथा शेष आश्रित उपवाक्य हो, मिश्रित वाक्य कहलाता है । (ये आपस में कि, जो,

क्योंकि , जितना , उतना, जैसा, वैसा, जब , तब, जहां, वहाँ, जिधर, उधर, अगर/ यदि, तो, यद्यपि , तथापि, जो-सो, जो-वह, जैसा-वैसा, जिसकी- उसकी, यदि-तो वही – जिसे, जिसे- उसे, जब – तब आदि का प्रयोग होता है)

जैसे – मेरा विश्वास है कि भारत जीतेगा।

सफल वही होता है जो परिश्रम करता है ।

आश्रित उपवाक्य के भेद-

आश्रित उपवाक्य तीन प्रकार के होते है – 1) संज्ञा आश्रित उपवाक्य 2) विशेषण उपवाक्य 3) क्रिया विशेषण उपवाक्य

1) संज्ञा आश्रित उपवाक्य :- जब आश्रित वाक्य सकर्मक क्रिया या अकर्मक क्रिया का कर्त्ता, या पूरक बनकर आता है , यह प्राय: "कि" से जुड़ा होता है ।

जैसे:- 1) पुलिस को विश्वास था कि वह जरूर पकड़ा जाएगा ।

2) प्राचार्य ने कहा कि कल स्कूल बंद रहेगा ।

(कहीं **–** कहीं संज्ञा उपवाक्य से पहले "कि " अदृश्य होता है ।)

जैसे वह जरूर पकड़ा जाएगा ,पुलिस को विश्वास था ।

2) विशेषण उपवाक्य:- प्रधान उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले आश्रित उपवाक्य को विशेषण उपवाक्य कहते है

(विशेषण उपवाक्य के प्रारम्भ में प्राय: संबंधवाचक सर्वनाम 'जो' या 'जो 'से बने रूप जैसे – जिस , जिस से, जिसका, जिसमें, जिससे , जिस पर , जिसके लिए आदि का प्रयोग आवश्य होता है।)

जैसे :- वे छात्र सफल हो गए <u>जो दिन- रात एक कर रहे थे ।</u>

वह चोर पकड़ा गया <u>जिसने कार चुराई थी ।</u>

(यहाँ जिन आश्रित उपवाक्यों से पहले जो, जिसने, प्रयोग हुआ है वे विशेषण उपवाक्य है।

सर्वनाम के रूप में जो, जिसने – वाक्य के शुरू में भी प्रयोग हो सकते है।)

3) क्रिया विशेषण उपवाक्य- जो वाक्य प्रधान उपवाक्य की क्रिया के संबंध में सूचना देने या विशेषता बताने वाले आश्रित उपवाक्य क्रिया विशेषण उपवाक्य कहलाते है ।

(इन उपवाक्यों से क्रिया के घटित होने की रीति , समय, परिमाण, स्थान , परिणाम इत्यादि की सूचना मिलती है । यह वाक्य 'जब-जब ', ज्यों-ज्यों , त्यों-त्यों , तब –तब , जैसा –वैसा, जितना-उतना ,यदि-तो, इत्यादि से जुड़े होते है ।)

क्रिया विशेषण मुख्यत: चार प्रकार के होते है –

(क) कालवाचक क्रिया विशेषण उपवाक्य -

जैसे – जब वर्षा हो रही थी, तब बच्चे मैदान में थे।

जैसे ही स्टेशन पहुंचा , वैसे ही गाड़ी चलने लगी ।

(ख) स्थान वाचक क्रिया विशेषण उप वाक्य –

उदाहरण – जिस विद्यालय में तुम पढ़ते हो, उसी में मैं पढ़ता हूँ ।

जहां तुम जा रहे हो, वहीं मैं जा रहा हूँ।

(ग) रीति वाचक क्रिया विशेषण उपवाक्य

उदाहरण – जैसा मालिक चाहता है , वैसा ही काम करो।

जैसा करते हो, वैसा भरते हो।

(घ) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण उपवाक्य

उदाहरण – जितना उसने काम किया, उतना फल मिल गया ।

जितना तुम खा सकते हो, उतना खा लो।

वाक्य रूपान्तरण के कुछ उदाहरण

1 सूर्योदय हुआ। अंधेरा गायब हो गया ।

सरल वाक्य- सूर्योदय होने पर अँधेरा गायब हो गया ।

संयुक्त वाक्य- सूर्योदय हुआ और अँधेरा गायब हो गया।

मिश्र वाक्य- जैसे ही सूर्योदय हुआ अँधेरा गायब हो गया।

2.गीता ने एक फूल देखा।, फूल खिला हुआ था । गीता ने फूल तोड़ लिया ।

सरल वाक्य- गीता ने खिले हुए फूल को देखकर तोड़ लिया ।

संयुक्त वाक्य- गीता ने खिले हुए फूल को देखा और उसने वह तोड़ लिया ।

मिश्र वाक्य- जैसे ही गीता ने खिले हुए फूल को देखा वैसे ही उसने उसे तोड़ लिया ।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न . रचना के आधार पर वाक्य का सही प्रकार चुनकर लिखिए ।

प्रश्न .1. मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ , जो आपके पास आया था ।

(1) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्र वाक्य (घ) अन्य

प्रश्न 2. अनुज ने देखा कि मोर नाच रहा है ।

(क) संज्ञा उपवाक्य (ख) क्रियाविशेषण उपवाक्य (ग) विशेषण उपवाक्य (घ) अन्य

प्रश्न 3. वह जूते खरीदने के लिए दुकान पर गया ।

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्र वाक्य (घ) क्रियाविशेषण उपवाक्य

प्रश्न 4. निर्देशानुसार सही विकल्प छांटकर उत्तर के रूप में लिखें -

(1) मेहनती व्यक्ति अच्छे लगते है । (मिश्र वाक्य में)

(क) मेहनती व्यक्ति सबका मन मोह लेते हैं।

(ख) मेहनती व्यक्ति अच्छा काम कराते हैं।

(ग) व्यक्ति मेहनत करते है और सबका मन मोह लेते हैं।

(घ) जो व्यक्ति मेहनत करते है, वे सबका मन मोह लेते हैं।

प्रश्न 5. शेर दिखाई दिया , सब लोग डर गए । (संयुक्त वाक्य में)

(क) शेर दिखाई दिया और सब लोग डर गए ।

(ख) शेर देखते ही सब लोग डर गए ।

(ग) जैसे ही लोगों न शेर देखा, वे डर गए ।

(घ) कोई नहीं

प्रश्न 6. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते है ।

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार

प्रश्न 7. वाक्य के कितने अंग होते है ।

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार

प्रश्न 8. निम्नलिखित वाक्य को पढ़कर क्रिया विशेषण उपवाक्य का भेद बताइए।

जैसा वह लिखता है वैसा मैं भी लिखता हूँ ।

(क) कालवाची उपवाक्य

(ख) स्थानवाचक उपवाक्य

(ग) रीति वाचक उपवाक्य

(घ) परिमाण वाचक उपवाक्य

प्रश्न 9. निम्नलिखित वाक्य को पढ़कर मिश्रित वाक्य का उपभेद का नाम बताओ।

राम ऐसा व्यक्ति है जो ज्योतिषों के चक्कर में पड़ा रहता है ।

(क) संज्ञा उपवाक्य (ख) विशेषण उपवाक्य (ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य (घ) अन्य

प्रश्न 10. सुनीता विद्यालय जाती है । वाक्य में उद्देश्य क्या है?

(क) सुनीता (ख) विद्यालय (ग) जाती (घ) है

प्रश्न 11. चाँद छिप गया है। वाक्य में विधेय क्या है?

(क) चाँद (ख) छिप गया है। (ग) गया है (घ) है

प्रश्न 12. 'जब तुम आओगे , तभी मैं जाऊंगा में उपवाक्य है ।

(क) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(ख) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(ग) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य

(घ) अन्य

प्रश्न 13. सरल वाक्य का उदाहरण है ।

(क) मैंने एक बहुत लंबा व्यक्ति देखा ।

(ख) मैंने एक व्यक्ति देखा जो बहुत लंबा था ।

(ग) वह बहुत लंबा व्यक्ति है और मैंने उसे देखा है।

(घ) जो लंबा व्यक्ति था उसे मैंने देखा ।

उत्तरमाला

1. मिश्र वाक्य 2. संज्ञा उपवाक्य

3. सरल वाक्य 4. जो व्यक्ति मेहनत करते है,वे सबका मन मोह लेते हैं।

5. शेर दिखाई दिया और सब लोग डर गए । 6. तीन

7. दो 8. रीति वाचक उपवाक्य 9. विशेषण उपवाक्य

10. सुनीता 11. छिप गया है। 12. क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य

13. मैंने एक बहुत लंबा व्यक्ति देखा ।

अभ्यास के लिए अन्य प्रश्न

प्रश्न **1** - 'आप घर जाएँगें या पार्क जाएँगे।' वाक्य संबंधित है-
(क) संयुक्त वाक्य से
(ख) सरल वाक्य से
(ग) मिश्र वाक्य से
(घ) प्रश्न वाक्य से
प्रश्न **2** - 'राम आया; सब प्रसन्न हो गए।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-
(क) राम आया और सब प्रसन्न हो गए।
(ख) जैसे ही राम आया सभी प्रसन्न हो गए।
(ग) राम के आते ही सभी प्रसन्न हो गए।
(घ) उपर्युक्त कोई नहीं
प्रश्न **3** - 'उसने पिज्जा खाया और चक्कर खाकर गिर पड़ा' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-
(क) उसने जैसे ही पिज्जा खाया, वैसे ही चक्कर खाकर गिर पड़ा।
(ख) पिज्जा खाते ही वह चक्कर खाकर गिर पड़ा।
(ग) वह पिज्जा खाकर चकराकर गिर पड़ा।
(घ) पिज्जा वह जैसे ही खाया चक्कर खाकर गिर पड़ा।
प्रश्न **4** - 'राधा दौड़कर मेरे पास आई।' वाक्य का संयुक्त रूप है-
(क) राधा दौड़ी और मेरे पास आई।
(ख) राधा तेजी से दौड़कर मेरे पास आयेगी।
(ग) राधा जल्दी-जल्दी दौड़ी एवं मेरे पास आई।

(घ) राधा जैसे ही दौड़ी मेरे पास आ आई।

प्रश्न **5** - 'ममता आई और चली गई।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही ममता आई वह चली गई।

(ख) ममता आई और गई।

(ग) ममता आकर चली गई।

(घ) ममता आई और खड़े-खड़े चली गई।

प्रश्न **6** - 'कमाने वाला खाएगा।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) कमाने वाला ही खाता है।

(ख) कमाने वाला ही खाएगा।

(ग) जैसे ही वह कमाएगा तबसे खाएगा।

(घ) जो कमाएगा वह खाएगा।

प्रश्न **7** - 'जब मजदूरों ने अपना काम पूरा कर लिया तब वे चले गए।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) मजदूर अपना काम पूरा कर के चले गए।

(ख) मजदूरों ने अपना काम पूरा किया और वे चले गए।

(ग) जैसे ही मजदूरों ने अपना काम पूरा कर लिया वे चले गए।

(घ) मजदूरों ने अपना कार्य किया और चले गए।

प्रश्न **8** - 'सांझ हुई और पक्षी घोंसले में आ गए।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) जैसे ही सांझ हुई पक्षी घोंसले में आ गए।

(ख) शाम होते ही पक्षी घोंसले में आ गए।

(ग) सांझ को पक्षी घोसले में आ गए।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **9** - 'जैसे ही सिपाही ने इशारा किया गाड़ी चल दी।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) देशज वाक्य

प्रश्न **10** - 'आपके इसलिए अच्छे अंक गए क्योंकि अपने कड़ी मेहनत की थी।' वाक्य किस भेद से संबंधित है?

(क) मिश्र वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) आश्रित वाक्य

प्रश्न **11** - 'सत्य बोलो, परंतु कटु सत्य न बोलो।' वाक्य संबंधित है-

(क) मिश्र वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) कटु वाक्य

प्रश्न **12** - 'आप पानी पिएँगे अथवा जूस।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) प्रश्नवाचक वाक्य

प्रश्न **13** - पुष्प खिले, सभी प्रसन्न हो गए। वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है-

(क) पुष्प के खिलते ही सभी प्रसन्न हो गए।

(ख) जैसे ही पुष्प खिले सभी प्रसन्न हो गए।

(ग) पुष्प खिले और सभी प्रसन्न हो गए।

(घ) इन में से कोई नहीं

प्रश्न **14** - 'सुमेश ने फुटबॉल खेला और चला गया।' वाक्य का सरल रूप है-

(क) सुमेश फुटबॉल खेलते-खेलते चला गया।

(ख) सुमेश फुटबॉल का खेल खेलकर चला गया।

(ग) सुमेश फुटबॉल खेलकर कर चला गया।

(घ) सुमेश फुटबॉल खेलते ही चला गया।

प्रश्न **15** - 'लाभदायक कार्य करो।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) लाभ वाला कार्य करो।

(ख) वही कार्य करो जो लाभदायक हो।

(ग) लाभ वाला कार्य ही करो।

(घ) ऐसा कार्य करो जिसमें लाभ हो।

प्रश्न **16** - 'नीरजा प्रेम प्रकाश त्रिवेदी के पास गई क्योंकि उसे अपनी हिंदी भाषा में सुधार करना है।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) नीरजा अपनी हिंदी भाषा में सुधार करने प्रेम प्रकाश त्रिवेदी के पास गई।

(ख) प्रेम प्रकाश त्रिवेदी के पास नीरजा अपनी हिंदी भाषा में सुधार के लिए गई।

(ग) प्रेम प्रकाश त्रिवेदी के पास नीरजा इसलिए गई क्योंकि उसे अपनी हिंदी भाषा में सुधार करना था।

(घ) नीरजा को अपनी हिंदी भाषा में सुधार करना है इसलिए वह प्रेम प्रकाश त्रिवेदी के पास गई।

प्रश्न **17** - 'गिलास नीचे गिरा और टूट गया।' वाक्य संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) गिलास नीचे गिरा और टूट गया।।

(ख) गिलास नीचे गिरकर टूट गया।

(ग) गिलास नीचे गिरते ही टूट गया।

(घ) जैसे ही गिलास नीचे गिरा वह टूट गया।

प्रश्न **18** - 'अंकित की कलम छूटकर गिर गई।' वाक्य संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) अंकित की कलम छूटते ही गिर गई।

(ख) अंकित की कलम छूटकर गिर गई।

(ग) अंकित की कलम छूटी और गिर गई।

(घ) जैसे ही अंकित की कलम छूटी वह गिर गई।

प्रश्न **19** - ' बादल घिरे और मोर नाचने लगा।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से

(ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से

(घ) प्रश्न वाक्य से

प्रश्न **20** - 'राम प्रथम आते ही खेलने लगा।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

(क) राम प्रथम आया और खेलने लगा।

(ख) जैसे ही राम प्रथम आया वह खेलने लगा।

(ग) राम के प्रथम आते ही वह खेलने लगा।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **21** - 'तुम पढ़कर सो जाना।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) जब तुम पढ़ लोगे तब सो जाना।

(ख) तुम पढ़ना और सो जाना।

(ग) वह पढ़कर सो गया।

(घ) जैसे ही उसने पढ़ा वह सो गया।

प्रश्न **22** - 'सूरज के निकलते ही फूल खिल उठे।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) सूरज निकला और फूल खिल उठे।

(ख) सूरज के निकलते ही फूल खिल उठे।

(ग) सूरज के निकलने के कारण फूल खिल गए।

(घ) जैसे ही सूरज निकला फूल खिल गए।

प्रश्न **23** - 'दीपक आया और खेलने लगा।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही दीपक आया वह खेलने लगा।

(ख) दीपक आया और खेलने लगा।

(ग) दीपक आकर खेलने लगा।

(घ) दीपक आया और खेल कर चला लगा।

प्रश्न **24** - 'अंकित की कलम छूटकर गिर गई।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) अंकित की कलम छूटी और गिर गई।

(ख) अंकित की कलम जैसे ही छूटी वह गिर गई।

(ग) जो कलम छूटकर गिर गई वह अंकित की है।

(घ) जो कलम अंकित से छूटी, वह गिर गई।

प्रश्न **25** - 'सूरज पढ़-लिखकर अधिकारी बना।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) सूरज पढ़-लिखकर बड़ा अधिकारी बन गया।

(ख) सूरज पढ़ा-लिखा और अधिकारी बना।

(ग) सूरज पढ़-लिखकर अधिकारी बना।

(घ) पढ़-लिखकर जो अधिकारी बना वह सूरज था।

प्रश्न **26** - 'मधुरिमा कपडे खरीदने बाजार गई।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से

(ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से

(घ) प्रश्न वाक्य से

प्रश्न **27** - 'यद्यपि मैं अच्छा खेला, फिर भी हार गया।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

(क) मैं अच्छा खेला, किन्तु हार गया।

(ख) जैसे ही मैं अच्छा खेला, वैसे ही मैं हार गया।

(ग) मेरे अच्छा खेलने के बावजूद भी मैं हार गया।

(घ) मैं खेला, हार गया।

प्रश्न **28** - 'पाठ समाप्त हुआ और घंटी बज गई' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) पाठ समाप्त हुआ , घंटी बजी।

(ख) जैसे ही पाठ समाप्त हुआ वैसे ही घंटी बज गई।

(ग) पाठ के समाप्त होते ही घंटी बज गई।

(घ) पाठ को समाप्त किया गया फिर घंटी बज गई।

प्रश्न **29** - 'जैसे ही बिजली गई वैसे ही टी.वी. बंद हो गया।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) जैसे ही बिजली गई टी.वी. तुरंत बंद हो गया।

(ख) बिजली गई, टी.वी. बंद हो गया।

(ग) बिजली जाते ही टी.वी. बंद हो गया।

(घ) जैसे ही बिजली गई टी.वी. का बंद होना स्वाभाविक था।

प्रश्न **30** - 'जब लाइनमैन ने टूटी हुई तारों को जोड़ दिया तब वह चला गया।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) लाइनमैन टूटे तार जोड़ कर चला गया।

(ख) लाइनमैन ने टूटी हुई तारों को जोड़ा और चला गया।

(ग) टूटी हुई तारों को जोड़ कर लाइनमैन चला गया।

(घ) जैसे ही लाइनमैन ने टूटी हुई तारों को जोड़ दिया वैसे ही वह चला गया।

प्रश्न **31** - 'किसान फावड़ा उठा कर खेत को चला गया।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) किसान ने फावड़ा उठाया और तुरन्त खेत की ओर चला गया।

(ख) खेत को जाने से पहले किसान ने फावड़ा उठा लिया।

(ग) किसान ने फावड़ा उठाया और खेत को चला गया।

(घ) जब किसान ने फावड़ा उठा लिया तब वह खेत को चला गया।

प्रश्न **32** - 'वह ऐसा मेहनती है जो पराजय स्वीकार नहीं करता।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) वह ऐसा मेहनती है, अतः वह पराजय स्वीकार नहीं करता।

(ख) वह इतना मेहनती है कि कभी भी अपनी पराजय स्वीकार नहीं करता।

(ग) वह पराजय स्वीकार नहीं करता क्योंकि वह बहुत मेहनती है ।

(घ) वह मेहनती है किन्तु पराजय स्वीकार नहीं करता।

प्रश्न **33** - 'सर्दी बढ़ते ही उसके जोड़ों का दर्द बढ़ गया।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) सर्दी का बढ़ना और उसके जोड़ों के दर्द बढ़ना साथ-साथ होता है।

(ख) सर्दी बढ़ी और उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।

(ग) जैसे ही सर्दी बढ़ी वैसे ही उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।

(घ) उपरोक्त कोई नहीं

प्रश्न **34** - 'पीले हुए पत्ते गिरने लगे हैं।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) देशज वाक्य

प्रश्न **35** - 'जो पत्ते पीले हो गए हैं वे जमीन पर गिरने लगे हैं।' वाक्य किस भेद से संबंधित है?

(क) मिश्र वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) आश्रित वाक्य

प्रश्न **36** - 'वह परिश्रमी था और सफल हुआ।' वाक्य संबंधित है-

(क) मिश्र वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) कटु वाक्य

प्रश्न **37** 'वह परिश्रमी था इसलिए सफल हुआ।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) प्रश्नवाचक वाक्य

प्रश्न **38** - 'राम ने ऐसी कहानी सुनाई कि करण रो पड़ा।' वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है-

(क) राम ने कहानी सुनाई क्योंकि करन रो रहा था।

(ख) राम ने ऐसी कहानी सुनाई जिसको सुन कर करन रो पड़ा।

(ग) राम ने कहानी सुनाई और करन रो पड़ा।

(घ) इन में से कोई नहीं

प्रश्न **39** - 'मैं ऐसे व्यक्ति से मिला जो सिद्ध पुरुष था।' वाक्य का सरल रूप है-

(क) मैं एक सिद्ध पुरुष से मिला था।
(ख) मैं एक व्यक्ति से मिला जो सिद्ध पुरुष था।
(ग) मुझे एक व्यक्ति मिला जो कि सिद्ध पुरुष था।
(घ) एक व्यक्ति सिद्ध पुरुष था जिससे में मिला।

प्रश्न **40** - 'आपका फोन आने के समय मैं खाना खा रहा था।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) आपका फोन आ रहा था और मैं खाना खा रहा था।
(ख) जैसे ही आपका फोन आया तब मैं खाना खा रहा था।
(ग) तब मैं खाना खा रहा था, जब आपका फोन आ रहा था।
(घ) जब आपका फोन आ रहा था, तब मैं खाना खा रहा था।

प्रश्न **41** - 'हम फ़िल्म देखने के लिए सिनेमा घर गए।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से
(ख) सरल वाक्य से
(ग) मिश्र वाक्य से
(घ) प्रश्न वाक्य से

प्रश्न **42** - 'उसे रिपोर्ट लिखवाने थाने जाना है।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

(क) उसे रिपोर्ट लिखवानी थी इसलिए वह थाने गया था।
(ख) वह थाने जाएगा रिपोर्ट लिखवाने।
(ग) उसे रिपोर्ट लिखवानी है इसलिए थाने जाएगा।
(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **43** - 'गाँव में रहते हुए मैं खेतों में काम करता था। ' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) जब मैं गाँव में रहता था तब मैं खेतों में काम करता था।
(ख) मैं खेतों में काम करता था जिस समय मैं गाँव में रहता था।
(ग) जो गाँव में रहता है वह खेतों में काम करता था।
(घ) जो खेतों में काम करता था वह गाँव में रहता था।

प्रश्न **44** - 'जब सूरज निकला तब चिड़िया चहचहाने लगी।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) जिस समय सूरज निकला उस समय चिड़िया चहचहाने लगी।
(ख) क्योंकि सूरज निकला इसलिए चिड़िया चहचहाने लगी।
(ग) जब सूरज निकला तब चिड़िया चहचहाने लगी।
(घ) सूरज निकला और चिड़िया चहचहाने लगी।

प्रश्न **45** - 'जो मेरे साथ रहेगा वह सद्गुण सीख जाएगा।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) क्योंकि वह मेरे साथ रहता है इसलिए वह सद्गुण सीख जाएगा।
(ख) क्योंकि वह मेरे साथ रहता है इसलिए वह सद्गुण सीख गया।
(ग) मेरे साथ रहने वाला सद्गुण सीख जाएगा।

(घ) जो मेरे साथ रहेगा वह सद्गुण सीख जाएगा।

प्रश्न **46** - 'मेरे चाहने के अनुसार सब कुछ हो रहा था।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) सब कुछ हो रहा था, वो भी मेरे चाहने के अनुसार ।

(ख) मेरे चाहने पर ही सब कुछ हो रहा था।

(ग) मेरे अनुसार ही सब कुछ हो रहा था।

(घ) मैं जैसा चाह रहा था, वैसा ही सब कुछ होता जा रहा था।

प्रश्न **47** - 'ज्यों ही पुलिस ने चोर को देखा, त्यों ही उसे पकड़ लिया।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) पुलिस ने चोर को देखा लिया फिर उसे पकड़ लिया।

(ख) पुलिस ने चोर को देखा और उसे पकड़ लिया।

(ग) पुलिस ने चोर को पकड़ लिया।

(घ) पुलिस ने देखा फिर चोर को पकड़ लिया।

प्रश्न **48** - 'परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम घूमने चले गए।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई, वैसे ही हम घूमने चले गए।

(ख) परीक्षाएँ समाप्त होते ही हम घूमने चले गए।

(ग) परीक्षाएँ समाप्त हुई नहीं कि हम घूमने चले गए।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **49** - 'जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई, वैसे ही हम घूमने चले गए।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) देशज वाक्य

प्रश्न **50** - 'ज्यों ही पुलिस ने चोर को देखा, त्यों ही उसे पकड़ लिया।' वाक्य किस भेद से संबंधित है?

(क) मिश्र वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) आश्रित वाक्य

प्रश्न **51** - '(ख) पुलिस ने चोर को देखा और उसे पकड़ लिया।' वाक्य संबंधित है-

(क) मिश्र वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) कटु वाक्य

प्रश्न **52** - 'मैं जैसा चाह रहा था, वैसा ही सब कुछ होता जा रहा था।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) प्रश्नवाचक वाक्य

प्रश्न 53 - 'जैसे ही घंटी बजी, वैसे ही सभी छात्र बाहर आ गए।' वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है-

(क) घंटी बजी सभी छात्र बाहर आ गए।

(ख) क्योंकि घंटी बजी थी इसलिए सभी छात्र बाहर आ गए।

(ग) घंटी बजी और सभी छात्र बाहर आ गए।

(घ) इन में से कोई नहीं

प्रश्न 54 - 'क्योंकि अधिकारियों की मिलीभगत थी, इसलिए हरे पेड़ काटे जा रहे थे।' वाक्य का सरल रूप है-

(क) अधिकारियों की मिलीभगत थी तभी हरे पेड़ काटे जा रहे थे।

(ख) हरे पेड़ काटे जा रहे थेक्योंकि अधिकारियों की मिलीभगत थी।

(ग) अधिकारियों मिले हुए होने के कारण हरे पेड़ काटे जा रहे थे।

(घ) अधिकारियों की मिलीभगत से हरे पेड़ काटे जा रहे थे।

प्रश्न 55 - 'इसी जगह पर कभी मंदिर हुआ करता था।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) जगह वही है जहाँ कभी मंदिर हुआ करता था।

(ख) यही वह जगह है, जहाँ पर कभी मंदिर हुआ करता था।

(ग) इसी जगह पर कभी मंदिर का निर्माण हुआ करता था।

(घ) इसी जगह पर कभी मंदिर में पूजा की जाती थी।

प्रश्न 56 - 'गाँव में एक ऐसा कुआँ था जिसके चारों ओर क्यारियाँ थी।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) गाँव में कुआँ था जिसके चारों ओर किसी ने सुन्दर क्यारियाँ बना दी थी।

(ख) एक ऐसा कुआँ था जिसके चारों ओर क्यारियाँ थी।

(ग) गाँव में एक ऐसा कुआँ भी था जिसके चारों ओर क्यारियाँ बनाई गई थी।

(घ) गाँव में एक कुआँ था और उसके चारों ओर क्यारियाँ थी।

प्रश्न 57 - 'टीबी के जिस मरीज ने दवा का पूरा कोर्स किया था। वह स्वस्थ हो गया।' वाक्य संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) टीबी के मरीज ने दवा का पूरा कोर्स किया और वह स्वस्थ हो गया।

(ख) टीबी के जिस मरीज ने दवा का पूरा कोर्स किया था उसे अस्पताल से छुट्टी हो गई।

(ग) टीबी के मरीज ने पूरी दवा ली थी व्ह जल्द ही स्वस्थ हो गया।

(घ) टीबी के जिस मरीज को दवा समय पर दी जा रही थी। वह स्वस्थ हो गया।

प्रश्न 58 - 'यदि आप घर आएँ तो आपसे बात हो।' वाक्य संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) क्योंकि आप घर आएँ इसलिए आपसे बात हो।

(ख) आप घर आएँ हो तो आपसे बात हो रही है।

(ग) आप घर आएँ और बात कीजिए।

(घ) आप घर आएँगे तो हम आपसे बात करेंगे।

प्रश्न 59 - ' टीबी के मरीज ने दवा का पूरा कोर्स किया और वह स्वस्थ हो गया।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से

(ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से

(घ) प्रश्न वाक्य से

प्रश्न 60 - 'विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई और हम घर लौट आए। ' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) क्योंकि विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई थी तभी हम घर लौट आए।

(ख) जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई तब हम घर लौट आए।

(ग) जैसे ही विद्यालय में पढ़ाई बंद होनी थी हमें घर लौट कर आना था।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न 61 - 'वे मेरे पिता जी हैं और कुर्सी पर बैठे हैं।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) मेरे पिता जी वे हैं जो कुर्सी पर बैठे हैं।

(ख) कुर्सी पर बैठे हुए मेरे पिता जी हैं ।

(ग) मेरे पिता जी को कुर्सी पर बैठना अच्छा लगता है।

(घ) कुर्सी पर बैठे रहना पिता जी का स्वभाव है।

प्रश्न 62 - 'जो तोता पिंजरे में बंद है, वह फल खा रहा है।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) जो तोता पिंजरे में बंद है, उसे फल खाना पसंद है।

(ख) तोता पिंजरे में बंद है और फल खा रहा है।

(ग) तोता पिंजरे में बंद है परन्तु फिर भी वह फल खा रहा है।

(घ) पिंजरे में बंद तोता फल खा रहा है।

प्रश्न 63 - 'जैसे ही वर्षा शुरू हुई मोर नाचने लगे।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही वर्षा शुरू हुई वैसे ही मोर नाचने लगे।

(ख) वर्षा के शुरू होते ही मोर नाचने लगे, यह उनको पसंद है।

(ग) वर्षा शुरू होते ही मोर नाचने लगे।

(घ) वर्षा शुरू हुई नही की मोर नाचने लगे।

प्रश्न 64 - 'नौकरी मिल जाने पर भी मैं पढ़ता रहता हूँ।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) नौकरी मिल गई तो क्या फिर भी मैं पढ़ता रहता हूँ।

(ख) मुझे नौकरी मिल गई फिर भी मैने पढ़ना नहीं छोड़ा।

(ग) नौकरी मिल जाने पर भी पढ़ाई करते रहना चाहिए।

(घ) यद्यपि मुझे नौकरी मिल गई है तथापि मैं पढ़ता रहता हूँ।

प्रश्न 65 - 'मैने जब उसे देखा तब वह हँसने लगा।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) मैने जब उसे देखा था तब वह हँसने लगा था।

(ख) मैने उसे देखा और वह हँस पड़ा।

(ग) मैने जब उसे देखा था तब वह हँस रहा था।

(घ) तब वह हँसने लगा था जब मैने उसे देखा था।

प्रश्न **66** - 'मैने जब उसे देखा तब वह हँसने लगा।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से

(ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से

(घ) प्रश्न वाक्य से

प्रश्न **67** - 'जब वर्षा शुरू हुई तब मोहन आ गया।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

(क) वर्षा शुरू हुई और मोहन आ गया।

(ख) जैसे ही वर्षा शुरू हुई वैसे ही मोहन आ गया।

(ग) वर्षा के शुरू होते ही तब मोहन आ गया।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **68** - 'मैं अकेला था और चार गुंडों ने मुझे पीटा।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) मैं अकेला था जिस कारण चार गुंडों ने मुझे पीटा।

(ख) जब मैं अकेला था तब मुझे चार गुंडों ने पीटा।

(ग) मैं अकेला था और चार गुंडों ने मुझे पीटा और लूट लिया।

(घ) क्योंकि मैं अकेला था इसलिए चार गुंडों ने मुझे पीटा और लूट लिया।

प्रश्न **69** - 'जैसे ही शेर दिखाई दिया वैसे ही लोग डर गए।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) शेर दिखाई दिया और लोग डर गए।

(ख) जैसे ही शेर को लोगों ने देखा वैसे ही लोग डर गए।

(ग) क्योंकि शेर दिखाई दिया था इसलिए लोग डर गए थे।

(घ) लोग डर गए क्योंकि उन्होंने शेर को देखा था।

प्रश्न **70** - 'कप्तान ने टॉस जीता इसलिए खुश हो गया।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) कप्तान ने टॉस जीता था इसलिए खुश हो रहा था।

(ख) कप्तान खुश हो गया क्योंकि उसने टॉस जीता था।

(ग) टॉस जीतते ही कप्तान खुश हो गया।

(घ) कप्तान ने टॉस जीता इसलिए कप्तान की ख़ुशी का कोई ठिकाना न था।

प्रश्न **71** - 'परीक्षाएँ समाप्त होते ही हम आगरा गए।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) क्योंकि परीक्षाएँ समाप्त हो गई थी इसलिए हम आगरा जाएंगे।

(ख) परीक्षाएँ समाप्त हुई नहीं कि हम आगरा गए।

(ग) परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम आगरा चले गए।

(घ) जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई वैसे ही हम आगरा गए।

प्रश्न **72** - 'परीक्षाएँ समाप्त होते ही हम आगरा गए।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) क्योंकि परीक्षाएँ समाप्त हो गई थी इसलिए हम आगरा जाएंगे।

(ख) परीक्षाएँ समाप्त हुई नहीं कि हम आगरा गए।

(ग) परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम आगरा चले गए।

(घ) जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई वैसे ही हम आगरा गए।

प्रश्न 73 - 'सूरज के उगते ही अन्धकार दूर हो गया।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) जैसे ही सूरज उगा वैसे ही अन्धकार दूर हो गया।

(ख) सूरज उगा और अन्धकार दूर हो गया।

(ग) क्योंकि सूरज उग गया था अन्धकार को तो दूर होना ही था।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न 74 - 'यद्यपि मुझे नौकरी मिल गई है तथापि मैं पढ़ता रहता हूँ।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) देशज वाक्य

प्रश्न 75 - 'जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई तब हम घर लौट आए।' वाक्य किस भेद से संबंधित है?

(क) मिश्र वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) आश्रित वाक्य

प्रश्न 76 - 'वर्षा शुरू हुई और मोहन आ गया।' वाक्य संबंधित है-

(क) मिश्र वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) कटु वाक्य

प्रश्न 77 - 'जब मैं अकेला था तब मुझे चार गुंडों ने पीटा।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) प्रश्नवाचक वाक्य

प्रश्न 78 - 'अध्यापक ने नक़ल करने वाले छात्र को पकड़ लिया।' वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है-

(क) छात्र नक़ल कर रहा था, अध्यापक ने पकड़ लिया।

(ख) अध्यापक ने नक़ल करने वाले छात्र को पकड़ कर सज़ा दी।

(ग) अध्यापक ने छात्र को पकड़ा क्योंकि वह नक़ल कर रहा था।

(घ) इन में से कोई नहीं

प्रश्न 79 - 'परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम आगरा चले गए।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) क्योंकि परीक्षाएँ समाप्त हो गई थी इसलिए हम आगरा जाएंगे।

(ख) परीक्षाएँ समाप्त हुई नहीं कि हम आगरा गए।

(ग) परीक्षाएँ समाप्त होते ही हम आगरा गए।

(घ) जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई वैसे ही हम आगरा गए।

प्रश्न **80** - 'वह कानपुर जा कर काम करने लगा है।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) क्योंकि वह कानपुर जा कर काम करने लगा है इसलिए सभी का चहिता हो गया है।

(ख) वह कानपुर इसीलिए गया था क्योंकि वह काम करना चाहता था।

(ग) वह कानपुर गया ताकि वह काम कर सके।

(घ) जब से वह कानपुर गया तब से काम करने लगा है।

प्रश्न **81** - 'आप खा कर आराम करें।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) क्योंकि आपने खाना खा लिया है तो आप आराम कर सकते हैं।

(ख) आप खाना खा कर आराम करने चले जाएँ।

(ग) खाना खा कर हमेशा आराम करें।

(घ) आप खाना खाएँ और आराम करें।

प्रश्न **82** - 'सूर्यास्त होने पर अंधकार छा गया।' वाक्य संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) सूर्यास्त हुआ और अंधकार छा गया।

(ख) सूर्यास्त होने पर हमेशा ही अंधकार छा जाता है।

(ग) सूर्यास्त होने पर अंधकार छा गया।

(घ) जैसे ही सूर्यास्त हुआ वैसे ही अंधकार छा गया।

प्रश्न **83** - 'वह भोजन करता है और विद्यालय जाता है।' वाक्य सरल वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) वह विद्यालय जाने से पहले भोजन करता है।

(ख) वह भोजन करता है और विद्यालय जाता है।

(ग) वह भोजन करके विद्यालय जाता है।

(घ) जैसे ही वह भोजन करता है वह विद्यालय चला जाता है।

प्रश्न **84** - 'सूर्यास्त हुआ और अंधकार छा गया।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से

(ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से

(घ) प्रश्न वाक्य से

प्रश्न **85** - 'बादल घिरकर भी न बरसे।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

(क) बदल घिरे तो सही वर्षा न हुई।

(ख) जैसे ही बदल घिरे वैसे ही वर्षा हुई।

(ग) बदल घिरे परन्तु वर्षा न हुई।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **86** - 'कक्षा में प्रथम आने वाले छात्र को मंच पर बुलाया गया।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) जो छात्र कक्षा में प्रथम आया था उसे मंच पर बुलाया गया।

(ख) कक्षा में प्रथम आने वाले छात्र को हमेशा मंच पर बुलाया जाता है ताकि उन्हें सम्मानित किया जाए।

(ग) छात्र को मंच पर बुलाया गया कक्षा में प्रथम आने पर।

(घ) जो कक्षा में प्रथम आता है उस छात्र को मंच पर बुलाया जाता है।

प्रश्न 87 - 'जब जादूगर ने खेल दिखाया तब पैसे माँगें।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) जादूगर ने खेल दिखाया और पैसे माँगें।

(ख) जब जादूगर ने खेल दिखाया तब पैसे माँगें।

(ग) जब जादूगर खेल दिखाता है तब वह पैसे माँगता है।

(घ) जैसे ही जादूगर ने खेल दिखाया वैसे ही सबसे पैसे माँगें।

प्रश्न 88 - 'जब-जब चुनाव होते हैं तब-तब महँगाई बढ़ जाती है।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही चुनाव होते हैं वैसे ही महँगाई बढ़ जाती है।

(ख) जब-जब चुनाव होते हैं तब-तब महँगाई बढ़ जाती है यह कटु सत्य है।

(ग) चुनाव आने पर महँगाई बढ़ जाती है।

(घ) जब-जब चुनाव होते हैं तब-तब महँगाई बढ़ जाती है।

प्रश्न 89 - 'यहाँ बाढ़ आई और बीमारियाँ बढ़ गई।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) यहाँ बाढ़ आई परन्तु साथ में बीमारियाँ भी लाई।

(ख) जब भी बाढ़ आती है अपने साथ बीमारियाँ भी लाती है।

(ग) यहाँ बाढ़ आई और बीमारियाँ बढ़ गई।

(घ) जब से यहाँ बाढ़ आई है तब से बीमारियाँ बढ़ गई।

प्रश्न 90 - 'जैसे ही शोर हुआ चोर भाग गए।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) जैसे ही शोर मचाया गया चोर भाग गए।

(ख) शोर हुआ और चोर भाग गए।

(ग) शोर होते ही चोर भाग गए।

(घ) शोर होते ही चोरों को भागना पड़ा।

प्रश्न 91 - 'जब से यहाँ बाढ़ आई है तब से बीमारियाँ बढ़ गई।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से

(ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से

(घ) प्रश्न वाक्य से

प्रश्न 92 - 'जैसे ही उसने पुलिस को देखा सीट-बेल्ट बाँध ली।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

(क) उसने पुलिस को देखा और सीट-बेल्ट बाँध ली।

(ख) जैसे ही उसने पुलिस को देखा उसने अपनी सीट-बेल्ट बाँध ली।

(ग) उसने सीट-बेल्ट बाँध ली पुलिस को देख कर।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **93** - 'झगड़ालू लोगों से सभी दूर रहना चाहते हैं।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) झगड़ालू लोगों से सभी दूर रहना चाहते हैं कोई बात नहीं करता।

(ख) जो झगड़ालू होते है सभी उनसे दूर रहना चाहते हैं।

(ग) सभी झगड़ालू लोगों से दूर रहते हैं।

(घ) झगड़ालू लोगों से सभी दूर रहते हैं क्योंकि वे सभी से झगड़ा करते हैं।

प्रश्न **94** - 'दरिद्र होने पर भी वह ईमानदार है।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) दरिद्र होने पर भी वह ईमानदार है, यह बहुत अनोखी बात है।

(ख) दरिद्र लोग ईमानदार होते है।

(ग) दरिद्र होने पर भी कई लोग ईमानदार होते है।

(घ) वह दरिद्र है, किन्तु ईमानदार है।

प्रश्न **95** - 'मैं चाहता था कि आज अंग्रेजी पढ़ूँ।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही मेरा मन किया कि आज अंग्रेजी पढ़ूँ लाइट चली गई।

(ख) मैं चाहता था कि मैं अंग्रेजी पढ़ूँ।

(ग) मैं आज अंग्रेजी पढ़ना चाहता था।

(घ) मेरा मन था कि आज अंग्रेजी पढ़ूँ।

प्रश्न **96** - 'आपकी तरह कोई और नहीं पढ़ाता।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) आपके पढ़ाने का अंदाज बहुत अच्छा हैं।

(ख) आप बहुत अच्छा पढ़ाते हैं।

(ग) आपकी तरह कोई और पढ़ा ही नहीं सकता ।

(घ) जैसा आप पढ़ाते हैं वैसा कोई और नहीं।

प्रश्न **97** -'बीमारी के कारण मैं विद्यालय नहीं जा सका।' वाक्य का संयुक्त रूप है-

(क) मैं विद्यालय नहीं जा सका, बीमारी के कारण।

(ख) मैं बीमार हो गया था, इसलिए विद्यालय नहीं जा सका।

(ग) बीमारी के कारण मैं कई दिनों तक विद्यालय नहीं जा सका था।

(घ) बीमारी के कारण मैं विद्यालय नहीं जा सका।

प्रश्न **98** - 'खिड़की का शीशा तोड़ने वाला खड़ा हो जाए।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) जैसे ही खिड़की का शीशा टुटा वह खड़ा हो गया।

(ख) जिसने खिड़की का शीशा तोड़ा है वह खड़ा हो जाए।

(ग) खिड़की का शीशा तोड़ने वाला लड़का खड़ा हो जाए।

(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

प्रश्न **99** - 'मैं बीमार हो गया था, इसलिए विद्यालय नहीं जा सका।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) देशज वाक्य

प्रश्न **100** - 'जो झगड़ालू होते है सभी उनसे दूर रहना चाहते हैं।' वाक्य किस भेद से संबंधित है?

(क) मिश्र वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) आश्रित वाक्य

प्रश्न	उत्तर	प्रश्न	उत्तर	प्रश्न	उत्तर	प्रश्न	उत्तर	प्रश्न	उत्तर
1	(क)	**21**	(क)	**41**	(ख)	**61**	(क)	**81**	(घ)
2	(क)	**22**	(क)	**42**	(ग)	**62**	(ख)	**82**	(क)
3	(क)	**23**	(ग)	**43**	(क)	**63**	(ग)	**83**	(ग)
4	(क)	**24**	(घ)	**44**	(घ)	**64**	(घ)	**84**	(क)
5	(ग)	**25**	(ख)	**45**	(ग)	**65**	(ख)	**85**	(ग)
6	(घ)	**26**	(ख)	**46**	(घ)	**66**	(ग)	**86**	(क)
7	(ख)	**27**	(क)	**47**	(ख)	**67**	(क)	**87**	(क)
8	(क)	**28**	(ख)	**48**	(क)	**68**	(ख)	**88**	(ग)
9	(ख)	**29**	(ग)	**49**	(ख)	**69**	(क)	**89**	(घ)
10	(क)	**30**	(क)	**50**	(क)	**70**	(ग)	**90**	(ख)
11	(ग)	**31**	(घ)	**51**	(ग)	**71**	(घ)	**91**	(ग)
12	(ग)	**32**	(क)	**52**	(ख)	**72**	(ग)	**92**	(क)
13	(ग)	**33**	(ग)	**53**	(ग)	**73**	(क)	**93**	(ख)
14	(ग)	**34**	(क)	**54**	(घ)	**74**	(ख)	**94**	(घ)

15	(घ)	**35**	(क)	**55**	(ख)	**75**	(क)	**95**	(ग)
16	(घ)	**36**	(ग)	**56**	(घ)	**76**	(ग)	**96**	(घ)
17	(क)	**37**	(ख)	**57**	(क)	**77**	(ख)	**97**	(ख)
18	(ग)	**38**	(ग)	**58**	(ग)	**78**	(ग)	**98**	(ख)
19	(क)	**39**	(क)	**59**	(क)	**79**	(ग)	**99**	(ग)
20	(क)	**40**	(घ)	**60**	(ख)	**80**	(घ)	**100**	(क)

वाच्य भेद

१ परिभाषा

२ भेद

३ वाच्य परिवर्तन

वाच्य की परिभाषा :- वाच्य का शाब्दिक अर्थ होता है 'बोलने का विषय' | अर्थात वाक्य में प्रयुक्त क्रिया रूप कर्ता , कर्म या भाव किसके अनुसार प्रयुक्त हुआ हैं ,इसका बोध करने वाले कारकों को वाच्य कहते हैं ।

जैसे:- राम पुस्तक पढ़ता है ।

राम - कर्ता

पुस्तक - कर्म

पढ़ता - क्रिया

वाच्य के प्रकार या भेद

वाच्य के तीन प्रकार होते हैं :-

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्म वाच्य

ग) भाव वाच्य

१. कर्तृवाच्य:-जब वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का सीधा और प्रधान सम्बन्ध कर्ता से होता हैं अर्थात क्रिया के लिंग,वचन कर्ता के अनुसार प्रयुक्त होते है ,उसे कर्तृवाच्य कहते हैं ।

जैसे: 1 राम दूध पीता हैं ।

यहाँ पीता हैं क्रिया , कर्ता राम के अनुसार पुल्लिंग,एकवचन की हैं ।

2 सीता अख़बार पढ़ती हैं ।

यहाँ पढ़ती है क्रिया , कर्ता सीता के अनुसार स्त्रीलिंग , एकवचन में हैं

3 बच्चे रोते हैं ।

यहाँ रोना क्रिया ,कर्ता बच्चे के अनुसार पुल्लिंग,बहुवचन में आई हैं ।

विशेष :- इस वाच्य में क्रिया सकर्मक और अकर्मक दोनों प्रकार की आती हैं **।**

२.कर्म वाच्य :- जब वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का सीधा सम्बन्ध वाक्य में प्रयुक्त कर्म से होता हैं अर्थात क्रिया के लिंग,वचन कर्ता के अनुसार न होकर कर्म के अनुसार होते हैं , उसे कर्म वाच्य कहते हैं ।

जैसे १ सीता के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती हैं ।

२ राम के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती हैं ।

दोनों ही वाक्यों में क्रिया कर्म के अनुसार आई हैं अर्थात स्त्रीलिंग एकवचन जबकि प्रथम वाक्य में कर्ता स्त्रीलिंग है और दूसरे वाक्य में कर्ता पुल्लिंग हैं ।

विशेष :- इस वाच्य में केवल सकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता हैं **।**

प्रायः कर्म वाच्य में कर्ता के बाद 'से' 'के द्वारा' या 'द्वारा' का प्रयोग किया जाता है **।**

३.भाव वाच्य :-जब वाक्य में प्रयुक्त क्रिया न तो कर्ता के अनुसार और न ही कर्म के अनुसार आए बल्कि भाव के अनुसार प्रयुक्त हो ,वहां भाव वाच्य होता हैं ।

जैसे :- गीता से चला नहीं जाता ।

मुझसे बैठा नहीं जाता ।

राम से अब भागा नहीं जाता ।

विशेष :- भाव वाच्य में सदैव अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता हैं **।**

इसमें क्रिया के भावों की प्रमुखता होती है **।**

इसमें प्रयुक्त क्रिया एकवचन,अकर्मक तथा पुल्लिंग होती है **।**

इन वाक्यों में विवशता प्रकट करने के लिए 'नहीं' का प्रयोग किया जाता हैं **।**

प्रायः भाव वाच्य में कर्ता के बाद 'से' 'के द्वारा' का प्रयोग किया जाता हैं **।**

वाक्य भेद पता करने के लिए हमें प्रायः चार चरणों को ध्यान में रखना चाहिये

1 कर्त्ता को छाँटना

2 कर्त्ता के साथ यदि 'से' 'द्वारा' या 'के द्वारा' का प्रयोग नहीं हुआ हैं तो वह कर्तृवाच्य ही होगा **।**

3 और यदि 'से' द्वारा' या 'के द्वारा' का प्रयोग हुआ है तो वह कर्म या भाव वाच्य ही होगा **।**

4 क्रिया की पहचान यदि सकर्मक क्रिया हैं तो कर्म वाच्य और अकर्मक क्रिया हैं तो भाव वाच्य होगा**|**

वाच्य - परिवर्तन

(1) कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में रूपान्तरण के लिए हमें निम्नलिखित कार्य करने चाहिए-

(i) कर्त्ता कारक में करण कारक के चिह्न 'से'/द्वारा' का प्रयोग करना चाहिए।

(ii) कर्म को चिह्न-रहित करना चाहिए।

(iii) क्रिया को कर्म के लिंग-वचन-पुरुष के अनुसार रखना चाहिए अर्थात कर्म प्रधान बनाना चाहिए।

नीचे कुछ उदाहरण दिया जा रहा है-

कर्तृवाच्य	कर्मवाच्य
(1) सचिन मैच खेलने चेन्नई जाएँगे।	सचिन के द्वारा मैच खेलने चेन्नई जाया जाएगा।
(2) राकेश पुस्तक पढ़ रहा है।	राकेश के द्वारा पुस्तक पढ़ी जा रही है।
(3) मित्र विपत्ति में मदद करते हैं।	मित्रों के द्वारा विपत्ति में मदद की जाती है।
(4) महेश पत्र लिखता है।	महेश के द्वारा पत्र लिखा जाता है।

(5) फैक्टरी बंद कर दी।	फैक्टरी बंद करा दी गई।
(6) बुढ़िया खाना नहीं खा सकती।	बुढ़िया के द्वारा खाना नहीं खाया जाता है।
(7) भारतवासी महात्मा गाँधी को नहीं भूल सकते है।	भारतवासियों के द्वारा महात्मा गाँधी नहीं भुलाए जा सकते।
(8) बच्चे शोर मचाएँगे।	बच्चों के द्वारा शोर मचाया जाएगा।
(9) माला ने खाना खाया।	माला के द्वारा खाना खाया गया।
(10) आप गाना गाइए।	आपके द्वारा गाना गया जाय।
(11) मुझपर भारी दबाव पड़ रहा था।	मुझपर भारी दबाव डाला जा रहा था।

(2) कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य

कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य में परिवर्तन के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना चाहिए-

(1) कर्त्ता के अपने चिह्न (ने) आवश्यकतानुसार लगाना चाहिए।

(2) यदि वाक्य की क्रिया वर्तमान एवं भविष्यत् की है तो कर्तानुसार क्रिया की रूप रचना रखनी चाहिए।

(3) भूतकाल की सकर्मक क्रिया रहने पर कर्म के लिंग, वचन के अनुसार क्रिया को रखना चाहिए।

नीचे कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं-

कर्तृवाच्य	कर्मवाच्य
(1) गोपाल पत्र लिखता है।	गोपाल से पत्र लिखा जाता है।
(2) मैं अख़बार नहीं पढ़ सकता।	मुझसे अख़बार पढ़ा नहीं जाता।
(3) लड़कियाँ गीत गा रही हैं।	लड़कियों द्वारा गीत गाए जा रहे हैं।
(4) मैं यह वजन उठा नहीं पाऊँगा।	मुझसे यह वजन नहीं उठाया जाएगा।
(5) मैं यह दृश्य नहीं देख सका।	मुझसे यह दृश्य नहीं देखा गया।
(6) मजदूर पत्थर नहीं तोड़ रहे।	मजदूरों से पत्थर नहीं तोड़े जा रहे।
(7) यह छात्रा भावभीनी श्रद्धांजलि दे रही है।	इस छात्रा द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि दी जा रही है।

(3) कर्तृवाच्य से भाववाच्य

कर्तृवाच्य से भाववाच्य में परिवर्तन करने के लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए-

(1) कर्त्ता के साथ से/द्वारा चिह्न लगाकर उसे गौण किया जाता है।

(2) मुख्य क्रिया को सामान्य क्रिया एवं अन्य पुरुष पुल्लिंग एकवचन में स्वतंत्र रूप में रखा जाता है।

(3) भाववाच्य में प्रायः अकर्मक क्रियाओं का ही प्रयोग होता है।

नीचे कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं-

कर्तृवाच्य (1) गरमियों में लोग खूब नहाते हैं।	भाववाच्य गरमियों में लोगों से खूब नहाया जाता है।
(2) पक्षी रात में सोते हैं।	पक्षियों से रात में सोया जाता है।
(3) वह तख्त पर सोता है।	उससे तख्त पर सोया जाता है।
(4) सलोनी नहीं हँसती।	सलोनी से हँसा नहीं जाता।
(5) बच्चे शांत नहीं रह सकते।	बच्चों से शांत नहीं रहा जाता।
(6) हम नहीं हँस सकते।	हमसे हँसा नहीं जाता।
(7) वे गा नहीं सकते।	उनसे गाया नहीं जाता।
(8) आइए, चलें।	आए, चला जाय।
(9) वह बेचारी रो भी नहीं सकती।	उस बेचारी से रोया भी नहीं जाता।
(10) चलो, अब सोते हैं।	चलो, अब सोया जाय।

(11) अब चलते हैं।	अब चला जाय।

वाच्य के प्रयोग-

वाक्य में क्रिया के लिंग, वचन तथा पुरुष का अध्ययन 'प्रयोग' कहलाता है।

ऐसा देखा जाता है कि वाक्य की क्रिया का लिंग, वचन एवं पुरुष कभी कर्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होता है, तो कभी कर्म के लिंग-वचन-पुरुष के अनुसार, लेकिन कभी-कभी वाक्य की क्रिया कर्ता तथा कर्म के अनुसार न होकर एकवचन, पुंलिंग तथा अन्यपुरुष होती है; ये ही प्रयोग है।

प्रयोग के प्रकार-

'प्रयोग' तीन प्रकार के होते हैं-

(क) कर्तरि प्रयोग

(ख) कर्मणि प्रयोग

(ग) भावे प्रयोग

(क) कर्तरि प्रयोग- जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार हों, तो उसे कर्तरि प्रयोग कहते हैं।

सरल शब्दों में- क्रिया के जिस रूप में पुरुष, लिंग और वचन कर्ता के अनुसार हों, उसे कर्तरि प्रयोग कहते हैं।

जैसे- रोहन खाना खाता है।

लड़कियाँ पुस्तकें पढ़ेंगी।

पहले वाक्य में 'खाता' क्रिया कर्ता 'पवन' के अनुकूल अन्य पुरुष, पुल्लिंग और एकवचन है। दूसरे वाक्य में 'पढ़ेंगी' क्रिया कर्ता 'लड़कियों' के अनुसार अन्य पुरुष, स्त्रीलिंग और बहुवचन है। ये दोनों कर्तरि प्रयोग के उदाहरण हैं।

(ख) कर्मणि प्रयोग- जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार हों, तो उसे कर्मणि प्रयोग कहते हैं।

सरल शब्दों में- क्रिया के जिस रूप में पुरुष, लिंग और वचन कर्म के अनुसार हों, उसे कर्मणि प्रयोग कहते हैं।

जैसे- सौरभ ने पुस्तक लिखी।

गौरव ने कई पत्र लिखे।

इन वाक्यों में क्रियाएँ 'लिखी' तथा 'लिखे' क्रमशः कर्म 'पुस्तक' तथा 'कई पत्र' के अनुसार हैं, अतः ये कर्मणि प्रयोग हैं।

(ग) भावे प्रयोग- जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता अथवा कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार न होकर एकवचन, पुंलिंग तथा अन्य पुरुष हों तब भावे प्रयोग होता हैं।

इसमें क्रिया का रूप सदैव अन्य पुरुष, पुल्लिंग और एकवचन में रहता है, वह कर्ता या कर्म के अनुसार नहीं होता। ध्यान रखिए कि तीनों वाच्यों में भावे प्रयोग देखे जा सकते हैं। जैसे-

कर्तृवाच्य में- हरीश ने लड़के को पीटा।

हरीश ने लड़कों को पीटा।

हरीश ने लड़कों को पीटा।

कर्मवाच्य में-

माँ द्वारा पुत्र के लिए खाना परोसा गया।

माँ द्वारा पुत्री के लिए खाना परोसा गया।

माँ द्वारा सबके लिए खाना परोसा गया।

भाववाच्य में- उससे खड़ा नहीं हुआ गया।

उनसे खड़ा नहीं हुआ गया।

हमसे खड़ा नहीं हुआ गया।

वाच्य-संबंधी कुछ विशिष्ट बातें :

कर्तृवाच्य के सकरात्मक वाक्यों में इसी सामर्थ्य को सूचित करने के लिए क्रिया के साथ 'सकना' का प्रयोग किया जाता है। जैसे-

हम पुस्तक पढ़ सकते हैं।

वे गीत गा सकते हैं।

असमर्थता सूचक में भी 'सकना' का प्रयोग किया जाता है। जैसे-

वह काम नहीं कर सकता।

अंशु गाना नहीं गा सकती।

कर्मवाच्य के वाक्यों में प्रायः क्रिया में + 'जा' रूप लगाया जाता है। जैसे-

किया जाता है। किया गया। किया जाएगा।

खाया जाता है। खाया गया। खाया जाएगा।

कुछ व्युत्पन्न अकर्मक क्रियाओं का प्रयोग भी देखा जाता है। जैसे-

बढ़ई पेड़ नहीं काट रहे।

बढ़ई से पेड़ काटा नहीं जाता।

बढ़ई से पेड़ कट नहीं रहा।

अकर्तृवाच्य (कर्मवाच्य और भाववाच्य) के वाक्यों में कहीं-कहीं कर्त्ता का लोप कर दिया जाता है। जैसे-

पेड़ नहीं काटा जा रहा।

पेड़ नहीं कट रहा।

हिन्दी में क्रिया का एक ऐसा रूप भी है, जो कर्मवाच्य की तरह प्रयुक्त होता है। जैसे-

कुर्सी टूट गई। ('तोड़ना' से 'टूटना')

दरवाजा खुल गया। ('खोलना' से 'खुलना')

क्रिया के अचानक तथा स्वतः होने की स्थिति में कर्मवाच्य का प्रयोग होता है। जैसे-

बस पलट गई और कई यात्री मारे गए।

कई लाशें बहा दी गई।

कार्यालयी भाषा प्रायः कर्मवाच्य में देखी जाती है। जैसे-

आप पर क्यों नहीं अनुशासनात्मक कार्यवाई की जाए ?

आपको इस साल का बोनस दिया जाता है।

आपको सूचित किया जाता है।

अधिकार, अभिमान और अहंभाव प्रकट करने के लिए कर्मवाच्य की क्रिया का प्रयोग होता है। जैसे-

नर्तकियों को नचाया जाय।

कर्मचारियों से सफाई कराई जाए।

सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्त्ता निश्चित हो वहाँ कर्मवाच्य की क्रिया देखी जाती है। जैसे-

बैरियर के गिरे रहने पर रेलवे लाईन को पार करनेवालों को सजा दी जाएगी।

कन्या-भ्रूण हत्या करनेवालों को जेल दी जाए।

भाववाच्य में जब 'नहीं' का प्रयोग न हो तो मूल कर्त्ता जन सामान्य होता है। जैसे-

गर्मियों में छत पर सोया जाता है।

अनुमति या आदेश प्राप्त करने की स्थिति में भाववाच्य की क्रिया का प्रयोग होता है। जैसे-

अब यहाँ से चला जाय।

यात्रा पर निकला जाय।

भाववाच्य की क्रिया सदैव पुल्लिंग, एकवचन , अन्य पुरुष में ही रहती है, उसपर कर्त्ता के लिंग वचन-पुरुष का कोई असर नहीं पड़ता।

वाच्य पाठ से महत्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्न- उतर

1. वाच्य के कितने भेद होते है?

क)4

ख)5

ग)3

घ)6

2. कर्तृवाच्य में प्रधानता किसकी रहती है?

क) कर्म की

ख) भाव की

ग) क्रिया की

घ) कर्ता की

3. कर्तृवाच्य में हमेशा ..... क्रिया होती है ।

क) सकर्मक

ख) अकर्मक

ग) सकर्मक और अकर्मक

घ) कोई भी नही

4. कर्म वाच्य में क्रिया हमेशा ..... होती हैं

क) सकर्मक

ख) अकर्मक

ग) सकर्मक और अकर्मक दोनों

घ) कोई नहीं।

5. भाव वाच्य में क्रिया हमेशा ..... होती हैं।

क) अकर्मक

ख) सकर्मक

ग) उपर्युक्त दोनों

घ) दोनों में कोई नहीं।

6. लड़का चित्र बनाता हैं। किस वाच्य में संबंधित है?

क) कर्मवाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) करनवाच्य ।

7. उपेंद्र से चला नहीं जाता । वाक्य किस वाच्य से सम्बन्धित है?

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्मवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) करनवाच्य ।

8. क्रिया के जिस रूप से ..... की प्रधानता होती है,उसे कर्म वाच्य कहते है ।

क) कर्ता

ख) कर्म

ग) भाव

घ) क्रिया ।

9. जिस वाक्य में ..... की प्रधानता होती है,उसे भाव वाच्य कहते है।

क) कर्ता

ख) क्रिया

ग) कर्म

घ) भाव।

10. जिस वाक्य में ..... की प्रधानता होती है उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

क) भाव

ख) कर्ता

ग) कर्म

घ) क्रिया ।

11. यशवीर सेब खाता है,वाक्य में किस वाच्य का प्रयोग हुआ है?

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्मवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) कोई नहीं।

12. पुलिस द्वारा चोर पकड़ा गया । वाक्य में वाच्य भेद है:

क) भाववाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

13. निम्नलिखित में भाव वाच्य का एक उदहारण है

क) थोड़ी देर सो लिया जाए

ख) मैं पत्र लिखता हूं

ग) मुझसे पत्र लिखा जाता है

घ) लड़का चित्र बनाता है

14. आपका काम कर दिया गया है,वाक्य किस वाच्य से सम्बन्धित है**?**

क) कर्मवाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) उपर्युक्त में कोई नहीं।

15. मुझसे खाया नहीं जाता।वाक्य का कर्तृवाच्य में रूपांतरण करें।

क) मैं नहीं खा सकता

ख) मुझसे नहीं खाया जाता

ग) मैंने खा लिया

घ) मैं नहीं खाता

16. पानवाले द्वारा साफ बता दिया गया था । वाच्य का प्रकार बताए।

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्मवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) करणवाच्य ।

17. सुरेश से चला नहीं जाता । वाच्य भेद हैं

क) कर्मवाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) करणवाच्य

18. राम नहीं खायेगा । वाक्य का भाव वाच्य में रूपांतरण करें।

क) राम खायेगा।

ख) राम खा नहीं सकता।

ग) राम से खाया नहीं जाएगा।

घ) राम द्वारा खाया जाएगा।

19. राम के द्वारा निबंध पढ़ा जाता हैं। वाच्य भेद होगा

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्मवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) संप्रदान वाच्य।

20. चोट लगने के बाद उससे खड़ा नहीं हुआ जाता। वाच्य भेद हैं

क) भाववाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) करणवाच्य।

21. गायक ने मधुर गीत गाए। वाक्य को कर्म वाच्य में बदलिए।

क) गायक मधुर गीता गाता है।

ख) गायक से मधुर गीत गाए नहीं जाते।

ग) गायक के द्वारा मधुर गीता गाए जाते है।

घ) गायक मधुर गीत गाएगा।

22. राधा रो भी नहीं सकती। वाक्य को भाव वाच्य में बदलिए।

क) राधा द्वारा रोया गया।

ख) राधा से रोया भी नहीं जाता।

ग) राधा ने रोया।

घ) राधा ने नहीं रोया।

23. निम्नलिखित में से कर्म वाच्य वाला वाक्य छांटिए।

क) किसान खेत में खाद डालते हैं।

ख) किसान द्वारा खेत में खाद डाली जाती है।

ग) क्या, रमन पेड़ पर चढ़ पाएगा।

घ) मुझसे रोया नहीं जाता।

24. निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छांटिए।

क) ड्राइवर बस चलता है।

ख) ड्राइवर द्वारा बस चलाया गया।

ग) ड्राइवर से बस नहीं चलाया जाता।

घ) ड्राइवर द्वारा बस घुमाया गया।

25. निम्नलिखित में से भाव वाच्य वाला वाक्य छांटिए।

क) अमित द्वारा दौड़ा गया।

ख) अमित दौड़ रहा है।

ग) अमित दौड़ेगा ।

घ) अमित से दौड़ा नहीं जाता।

26. निम्लिखित में से कौन सा कर्तृवाच्य का सही उदाहरण नहीं है

क) किसान खेत में सोता है।

ख) श्याम विद्यालय जाता है।

ग) सोहन घर के लिए रवाना हुआ।

घ) रमन द्वारा पत्र लिखा गया।

27. निम्नलिखित में से कौन सा कर्म वाच्य का सही उदाहरण नहीं हैं

क) दिव्या के द्वारा लिखा नहीं जाता।

ख) कवि ने एक कविता सुनाई।

ग) कवि के द्वारा एक कविता सुनाई गई।

घ) विवेक के द्वारा अपना खाना खाया गया।

28. निम्नलिखित में से कौन सा भाव वाच्य का सही उदाहरण नहीं हैं।

क) पिताजी से बैठा नहीं जाता।

ख) अभी दिनेश से टहला नहीं जाता।

ग) हिरण से अब दौड़ा नहीं जाता।

घ) रेखा रस्सी नहीं कूदती।

29. वाच्य क्या कहलाते है**?**

क) संज्ञा के भेद

ख) सर्वनाम के भेद

ग) विशेषण के भेद

घ) क्रियाओं के विधान

30. रोहन ने दिनेश को डंडे से मारा। वाक्य में कौन सा वाच्य हैं?

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्म वाच्य

ग) भाव वाच्य

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31. चलो अब खाया जाए। वाक्य किस वाच्य भेद का उदाहरण है?

क) कर्मवाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) करणवाच्य

32. राहुल ने कपड़े बांटे । वाक्य को कर्म वाच्य में बदलिए।

क) राहुल कपड़े बटवाता हैं

ख) राहुल द्वारा कपड़े बटवाए गए

ग) राहुल कपड़े बांटने गया

घ) उपर्युक्त कोई नहीं

33. उसने भोजन कर लिया, वाक्य को कर्म वाच्य में बदलिए।

क) उसने भोजन किया

ख) उसके द्वारा भोजन नहीं किया गया।

ग) उसके द्वारा भोजन कर लिया गया।

घ) उपर्युक्त कोई नहीं

34. प्रेमचंद द्वारा गबन लिखा गया। वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।

क) प्रेमचंद ने गबन लिखा

ख) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखी गई

ग) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखित उपन्यास है

घ) प्रेमचंद से गबन लिखा गया

35. इनमें से कौन से वाच्य के भेद हैं

क) संज्ञा, सर्वनाम

ख) कारक,वचन

ग) कर्ता का काल,क्रिया का फल

घ) कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य,भाव वाच्य

उत्तरमाला

1.ग	11.क	21.ग	31.ग
2.घ	12.ग	22.ख	32.ख
3.ग	13.क	23.ख	33.ग
4.क	14.क	24.क	34.क
5.क	15.घ	25.घ	35.घ
6.ख	16.ख	26.घ	
7.ग	17.ग	27.ख	
8.ख	18.ग	28.घ	
9.घ	19.ख	29.घ	
10.ख	20.क	30.क	

पद परिचय

वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'पद' कहलाते हैं। पदों का व्याकरण परिचय देना ही 'परिचय' कहलाता है।

परिभाषा:-वाक्य के हर एक पद को पृथक पृथक कर उसका प्रकार और भेद उपभेद, वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ संबंध तथा व्याकरणिक कार्य दर्शाना ही 'पद परिचय' कहलाता है।

किसी पद का परिचय देने के लिए उस शब्द अथवा पद का भेद उपभेद, लिंग, वचन, कारक, कर्ता आदि से संबंध का परिचय दिया जाता है। इसमें अन्य शब्दों के साथ वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, संबंध बोधक समुच्चय बोधक अथवा विस्मयादिबोधक आदि शब्दों का जिस रुप में प्रयोग हुआ है, उन्हें स्पष्ट करना ही पद परिचय है।

पद परिचय के लिए आवश्यक संकेत:-

क) संज्ञा:-संज्ञा के प्रकार (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक आदि), लिंग (पुल्लिंग, स्त्रीलिंग), वचन (एकवचन, बहुवचन), कारक (कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान आदि) कारकीय संबंध, वाक्य के अन्य पदों के साथ संबंध। उदाहरण- अनुकृति दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, पढ़ती है क्रिया का कर्त्ता।

ख) सर्वनाम:- सर्वनाम के प्रकार, वचन, लिंग, कारक, वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ संबंध, किस संज्ञा के लिए प्रयुक्त किया गया (यदि पता हो तो।) उदाहरण- जब मैं वहां पहुंचा तो रमेश सो रहा था।

पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, पहुंचा क्रिया का कर्त्ता।

ग) विशेषण:- विशेषण के प्रकार, विशेष्य, लिंग, वचन(विशेष्य के अनुसार), अवस्था आदि।

उदाहरण: मेरे बगीचे में दो लाल फूल है।

निश्चित संख्यावाचक विशेषण, फूल विशेष्य, नीला गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग।

घ):- क्रिया का प्रकार (सकर्मक या अकर्मक), वाच्य (प्रकार), काल (काल के प्रकार), अवस्था, अर्थ, पक्ष, लिंग, पुरुष, वचन, कर्ता आदि से संबंध।

उदाहरण: कल हमने ताजमहल देखा।

कालवाचक क्रिया विशेषण, 'देखा' क्रिया विशेष्य।

घ) क्रिया विशेषण:- क्रिया विशेषण के प्रकार, विशेष्य क्रिया (जिस क्रिया की विशेषता बतलाता है), विकार (हो तो), संबंध।

उदाहरण:-जब खाओ अथवा कम बोलो।

जब कालवाचक क्रिया विशेषण, खाओ क्रिया का विशेषण।

कम परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, बोलो क्रिया का विशेषण।

ङ) संबंधबोधक अव्यय:- संबंधबोधक अव्यय के प्रकार, किन पदों का प्रयोग किया गया है, पदबंधों और उपवाक्य आदि का संबंध दर्शाता है।

उदाहरण: वह खुशी के मारे चीख पड़ा।

'के मारे' कारण वाचक संबंधबोधक अव्यय।

च) समुच्चयबोधक अव्यय:- समुच्चयबोधक अव्यय का प्रकार, अन्वित शब्द, लिंग, किन वाक्यांश आदि को जोड़ता है।

उदाहरण: वह आया और मैं चला गया।

और समुच्चयबोधक शब्द, समानाधिकरण।

छ) विस्मयादिबोधक:- विस्मयादिबोधक का प्रकार (हर्ष, शोक, घृणा, भय, विस्मय, क्रोध आदि), कौन सा भाव प्रकट कर रहा है।

उदाहरण: अहा! कितना सुंदर दृश्य है।

अहा! विस्मय बोधक हर्ष सूचक शब्द है।

ज) निपात: (स्वीकृति बोधक, नकार बोधक, निषेधात्मक, प्रश्न बोधक, विस्मयादिबोधक, तुलना बोधक, अवधारणा बोधक, आदर बोधक, बल प्रदायक) इनके प्रयोग से वाक्य का समग्र अर्थ प्रभावित होता है।

उदाहरण: सुरेश ने ही मुझे मारा।

ही निपात बल प्रदायक शब्द है।

उदाहरणः-

1. राकेश यहाँ दसवीं कक्षा में पढ़ता है।

राकेश - संज्ञा ; व्यक्ति वाचक , पुलिंग, एक वचन,कर्ता- कारक, पढ़ता था क्रिया का कर्ता।

यहां - स्थान वाचक क्रिया विशेषण, पढ़ता था क्रिया का स्थान निर्देश।

दसवीं - विशेषण, क्रम सूचक ; संख्या वाचक , स्त्रीलिंग, एक एचन।

कक्षा में - जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग,एकवचन,अधिकरण कारक।

पढ़ता था - अकर्मक क्रिया, पद, धातु, अन्य पुरूष , पुलिंग, एक वचन, भूतकाल, निश्चयार्थ, कर्तृ प्रयोग ; कर्ता राकेश है।

2. हम बाग में गए परन्तु वहाँ कुछ नहीं था।

हम - पुरूष वाचक सर्वनाम ; उत्तम पुरूष, पुलिंग, बहुवचन कर्ताकारक गए क्रिया का कर्ता ।

परन्तु - समुच्य बोधक ; व्यधिकरण

3. आजकल नरेश सफेद पैंट पहनता है।

नरेश - व्यक्ति वाचक संज्ञा, पुलिंग, एक वचन, कर्ता- कारक, पहनता है क्रिया का कर्ता।

सफेद- गुणवाचक विशेषण, एक वचन, स्त्रीलिंग, पैंट विशेष्य का विशेषण।

4. मैं नहा कर पुस्तक पढ़ूंगा।

मैं- पुरूष वाचक सर्वनाम, उत्तम पुरूष, एक वचन, पुलिंग, कर्ता कारक, पढ़ूगा क्रिया का कर्ता।

नहा कर - पूर्व कालिक क्रिया नहा धातु कर्तृवाच्य भविष्य काल, पुस्तक पढ़ूगा की पूर्व कालिक क्रिया।

5. मैं धीरे-धीरे चलता हूँ |

धीरे-धीरे- क्रिया विशेषण, रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'चलता हूँ' विशेष्य |

6. यह किताब मेरी है |

यह- विशेषण, सर्वनामिक विशेषण, एकवचन , स्त्रीलिंग |

अभ्यास प्रश्न (बहुविकल्पीय)

1. शब्द और पद में क्या अंतर है?

क) शब्द स्वतंत्र होता है और पद व्याकरण के नियमों से बंधा होता है।

ख) शब्द शब्दकोश में पाए जाते हैं। वाक्य तथा भाषा पद में।

ग) वाक्य शब्दों से नहीं, पदों से मिलकर बनता है।

घ) उपर्युक्त सभी।

2. वाक्यों में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को:

क) पदबंध कहते हैं।

ख) शब्दांश कहते हैं।

ग) पद कहते हैं।

घ) वाक्यांश कहते हैं।

3. पद परिचय से क्या अभिप्राय है:

क) पदों का व्याकरणिक परिचय पद परिचय कहलाता है।

ख) पदों का वाक्य से संबंध बताना पद परिचय कहलाता है।

ग) शब्द और पद का अंतर बताना पद परिचय कहलाता है।

घ) पद का कर्ता से संबंध बताना पद परिचय कहलाता है।

4. राहुल चौथी कक्षा में पढ़ता है: 'चौथी' शब्द का पद परिचय दीजिए।

क) विशेषण संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन कक्षा का विशेष्य।

ख) विशेषण निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन कक्षा का विशेष्य।

ग) विशेषण गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन कक्षा का विशेष्य।

घ) विशेषण निश्चित परिमाणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन कक्षा का विशेष्य।

5. एवरेस्ट संसार का सबसे ऊंचा शिखर है: एवरेस्ट का पद परिचय दीजिए

क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

ख) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग

ग) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुलिंग

घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग

6. ईमानदारी बहुत दुर्लभ वस्तु है: ईमानदारी शब्द का पद परिचय दीजिए

क)गुणवाचक विशेषण, सकर्मक क्रिया, एकवचन

ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग

घ) संज्ञा, एकवचन, सर्वनाम

7. 'ठंडी' शब्द का पद परिचय दीजिए:

क) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

ख) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन

ग) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन

घ) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन

8. नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति बुरी लगती है: नेताजी का पद परिचय दीजिए

क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग

घ) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

9. चपरासी को हुक्म हुआ और कमरे के सब दरवाजे बंद कर दिए गए। और शब्द का पद परिचय दीजिए।

क) समुच्चयबोधक, एकवचन

ख) निपात, समानाधिकरण

ग) विस्मयादिबोधक, समुच्चयबोधक

घ) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण

10. निरंतर कार्य करने से सफलता मिलती है। निरंतर का पद परिचय दीजिए

क) निपात, क्रिया, विशेषण

ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, कार्य करने की क्रिया की विशेषता बताना

ग) भाववाचक संज्ञा, क्रिया विशेषण

घ) सकर्मक क्रिया, कार्य करने की विशेषता बताना, पुल्लिंग

11. बुरे काम मत करो | रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

क. समास |

ख. संज्ञा |

ग. विशेषण |

घ. पूरक शब्द |

12. यथाशीघ्र करके दिखाओ | रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

क. अव्ययीभाव समास |

ख. रीतिवाचक क्रियाविशेषण अव्यय |

ग. कालवाचक क्रियाविशेषण अव्यय|

घ. क्रिया पद |

13. नवाब साहब सीट पर पालथी मार कर बैठे थे | रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

क. मुहावरा |

ख. वाक्यांश |

ग. संयुक्त क्रिया |

घ. क्रिया |

14. उसने जेब से चाकू निकाला | रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

क. सामासिक पद |

ख. क्रिया पद|

ग. सकर्मक क्रिया |

घ. क्रिया |

15. धन की लालसा उसे परेशान कर रही है |रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

(क)व्यक्तिवाचक संज्ञा , एकवचन (ख)भाव वाचक संज्ञा

(ख)संज्ञा, स्त्रीलिंग , एकवचन (घ)विशेषण ,स्त्रीलिंग , एकवचन

16. शहर पूरी तरह डूब गया है |रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

(क)परिमाण वाचक क्रिया विशेषण (ख)कालवाचक क्रिया विशेषण

(ग)पुरुष वाचक सर्वनाम (घ)गुणवाचक विशेषण

17. बिस्मिल्ला खां इस मंगल ध्वनि के नायक थे |रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

(क)जातिवाचक संज्ञा ,बहुवचन, पुल्लिंग कर्ताकारक

(ख)व्यक्तिवाचक संज्ञा ,एकवचन,पुल्लिंग ,कर्ताकारक

(ग)द्रव्यवाचकसंज्ञा,एकवचन,पुल्लिंग,करनकारक

(घ)भाव वाचक संज्ञा,एकवचन,पुल्लिंग ,कर्ताकारक

18. मैं जयपुर सवेरे पहुंचूंगा |रेखांकित शब्द का पद परिचय बताने के लिए उपयुक्त विकल्प का चुनाव करें -

(क)रीतिवाचक क्रियाविशेष्ण (ख)परिमाण वाचक क्रियाविशेषण

(ग)सार्वनामिक विशेषण (घ)कालवाचक क्रियाविशेषण

उत्तर कुंजी

1.क

2.ग

3.क

4.ख

5.क

6.ख

7.ख

8.क

9.घ

10.ख

11. ग

12. ग

13. ग

14. ग

15. ख

16. क

17. ख

18. घ

रस के भेद

रस – साहित्य का नाम आते ही रस का नाम स्वतः आ जाता है। इसके बिना साहित्य की कल्पना नहीं की जा सकती है। भारतीय साहित्य शास्त्रियों ने साहित्य के लिए रस की अनिवार्यता समझा और इसे साहित्य के लिए आवश्यक बताया। वास्तव में रस काव्य की आत्मा है।

परिभाषा-कविता-कहानी को पढने, सुनने और नाटक को देखने से पाठक, श्रोता और दर्शक को जो आनंद प्राप्त होता है, उसे रस कहते हैं।
आचार्य भरतमुनि द्वारा रस की परिभाषा - "विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः।" अर्थात् विभाव, अनुभाव तथा व्यभिचारी भाव के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है।
रस के अंग-रस के चार अंग माने गए हैं –

1. स्थायीभाव
2. विभाव
3. अनुभाव
4. संचारीभाव

1 स्थायी भाव
मानव ह्रदय मे स्थायी रूप मे विद्यमान रहने वाले भाव को स्थायी भाव कहते हैं।
स्थायी भाव का मतलब है प्रधान भाव। प्रधान भाव वही हो सकता है जो रस की अवस्था तक पहुँचता है। स्थायी भावों की संख्या 9 मानी गई है। स्थायी भाव ही रस का आधार है। एक रस के मूल में एक स्थायी भाव रहता है। अतएव रसों की संख्या भी 9 हैं, जिन्हें नवरस कहा जाता है। मूलतः नवरस ही माने जाते हैं। बाद के आचार्यों ने वात्सल्य और भगवद विषयक रति को स्थायी भाव की मान्यता दी है। इस प्रकार स्थायी भावों की संख्या 11 तक पहुँच जाती है और तदनुरूप रसों की संख्या भी 11 तक पहुँच जाती है।
शृंगार रस में ही वात्सल्य और भक्ति रस भी शामिल हैं |
रस और उनके स्थायी भाव

	रस	स्थायी भाव
1	शृंगार	रति
2	हास्य	हास

3	वीर	उत्साह
4	रौद्र	क्रोध
5	भयानक	भय
6	करुण	शोक
7	वीभत्स	जुगुप्सा
8	अद्भुत	विस्मय
9	शांत	निर्वेद
10	वात्सल्य	वत्सल
11	भक्ति रस	भक्ति

2 विभाव

क आलंबन विभाव- वे वस्तुएँ और विषय, जिनके सहारे भाव उत्पन्न होते हैं, उन्हें आलंबन विभाव कहते हैं।

आलंबन विभाव के दो भेद होते हैं

i आश्रय – जिस व्यक्ति या पात्र के हृदय में भावों की उत्पत्ति होती है, उसे आश्रय कहते हैं।

ii विषय – जिस विषय-वस्तु के प्रति मन में भावों की उत्पत्ति होती है, उसे विषय कहते हैं।

एक उदाहरण देखिए –

अपने भाइयों और साथी राजाओं के एक-एक कर मारे जाने से दुर्योधन विलाप करने लगा। यहाँ 'दुर्योधन' आश्रय तथा 'भाइयों और राजाओं का एक-एक कर मारा जाना' विषय है। दोनों के मेल से आलंबन विभाव बन रहा है।

ख उद्दीपन विभाव-वे बाह्य वातावरण, चेष्टाएँ और अन्य वस्तुएँ जो मन के भावों को उद्दीप्त अर्थात तेज़ करते हैं, उन्हें उद्दीपन विभाव कहते हैं।

इसे उपर्युक्त उदाहरण के माध्यम से समझते हैं –

भाइयों एवं साथी राजाओं की मृत्यु से दुखी एवं विलाप करने वाला दुर्योधन 'आश्रय' है। यहाँ युद्ध के भयानक दृश्य, भाइयों के कटे सिर, घायल साथी राजाओं की चीख-पुकार, हाथ-पैर पटकना आदि क्रियाएँ दुख के भाव को उद्दीप्त कर रही हैं। अतः ये सभी उद्दीपन विभाव हैं।

3. अनुभाव

अनुभाव दो शब्दों 'अनु' और भाव के मेल से बना है। 'अनु' अर्थात् पीछे या बाद में अर्थात् आश्रय के मन में पनपे भाव और उसकी वाह्य चेष्टाएँ अनुभाव कहलाती हैं।

जैसे-चुटकुला सुनकर हँस पड़ना, तालियाँ बजाना आदि चेष्टाएँ अनुभाव हैं।

4 संचारी या व्यभिचारी भाव

मन में संचरण करने वाले (आने-जाने वाले) भावों को संचारी या व्यभिचारी भाव कहते हैं, ये भाव पानी के बुलबुलों के सामान उठते और विलीन हो जाने वाले भाव होते हैं।

संचारी भावों की कुल संख्या 33 मानी गई है-

(1) हर्ष (2) विषाद (3) त्रास (भय/व्यग्रता) (4) लज्जा (5) ग्लानि (6) चिंता (7) शंका (8) असूया (दूसरे के उत्कर्ष के प्रति असहिष्णुता) (9) अमर्ष (विरोधी का अपकार करने की अक्षमता से उत्पत्र दुःख) (10) मोह (11) गर्व (12) उत्सुकता (13) उग्रता (14) चपलता (15) दीनता (16) जड़ता (17) आवेग (18) निर्वेद (अपने को कोसना या धिक्कारना) (19) घृति (इच्छाओं की पूर्ति, चित्त की चंचलता का अभाव) (20) मति (21) बिबोध (चैतन्य लाभ) (22) वितर्क (23) श्रम (24) आलस्य (25) निद्रा (26) स्वप्न (27) स्मृति (28) मद (29) उन्माद 30) अवहित्था (हर्ष आदि भावों को छिपाना) (31) अपस्मार (मूर्च्छा) (32) व्याधि (रोग) (33) मरण

रस के भेद और उनके उदाहरण निम्नलिखित हैं –

1 शृंगार रस

नायक और नायिका के मन में संस्कार रूप में स्थित रति या प्रेम जब रस की अवस्था को पहुँचकर आस्वादन के योग्य हो जाता है तो वह 'शृंगार रस' कहलाता है।

शृंगार रस को 'रसों का राजा' माना गया है। इसकी उत्पत्ति के लिए स्थाई भाव 'रति' जिम्मेदार है। यह रस दो प्रकार का होता है- संयोग और वियोग ।

सरल शब्दों में कहें तो संयोग शृंगार में नायक-नायिका के परस्पर मिलन की अनुभूति होती है जबकि वियोग में नायक- नायिका एक दूसरे से प्रेम करते हैं लेकिन उनके मिलन का अभाव होता है। संक्षेप में कहें तो संयोग में मिलन की अनुभूति होती है तो वियोग में विरह की। संयोग रस का उदाहरण-

बसाते हैं चलो बस्तियाँ फिर से गाँव में,

बैठेगें हम साथ नीम की छाँव में,

बसाते हैं चलो बस्तियाँ फिर से गाँव में।

मैं तोड़ कर लाऊँगा पेड़ों से आम,

तुम कुएँ से लाना पानी,

बसाते हैं चलो बस्तियाँ फिर से गाँव में।

वियोग रस का उदाहरण-

वो मेरी छत टूटी चौपाल, डालते थे सर्दियों में पुआल।

हम सब सोते थे एक साथ फिर भी रहते थे खूब निहाल।

मैं उसको खोज रहा हूँ , मैं उसको ढूँढ रहा हूँ ।

2. हास्य रस

किसी विचित्र व्यक्ति, वस्तु, आकृति, वेशभूषा, असंगत क्रिया विचार, व्यवहार आदि को देखकर जिस विनोद भाव का संचार होता है, उसे हास कहते हैं। हास के परिपुष्ट होने पर हास्य रस की उत्पत्ति होती है। हास्य रस का स्थायी भाव हास है ।
हास्य रस के उदाहरण-

1 अँग्रेजी से प्यार है, हिंदी से परहेज,

ऊपर से हैं इंडियन, भीतर से अँगरेज।

2 कर्ज़ा देता मित्र को वह मूर्ख कहलाए।

महामूर्ख वह यार है जो पैसे लौटाए

3. वीर रस

युद्ध में वीरों की वीरता के वर्णन में वीर रस परिपुष्ट होता है। जब हृदय में उत्साह नामक स्थायी भाव का विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से संयोग होता है, तब वीर रस की उत्पत्ति होती है।
वीर रस के उदाहरण –
1 मैं सच कहता हूं सखे ,सुकुमार मत जानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध को प्रस्तुत सदा जानो मुझे ,

है और उनकी बात क्या गर्व मैं करता नहीं ,
मामा और निजी ताज से भी समर में डरता नहीं।।

2 सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढे भारत में आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी॥

4 रौद्र रस

क्रोध की अधिकता से उत्पन्न इंद्रियों की प्रबलता को रौद्र कहते हैं। जब इस क्रोध का मेल विभाव, अनुभाव और संचारीभाव से होता है, तब रौद्र रस की निष्पत्ति होती है। रौद्र रस का स्थायी भाव क्रोध है ।
रौद्र रस के उदाहरण-

1 खर कुठार मैं अकरुन कोही। आगे अपराधी गुरुद्रोही
उत्तर देत छोडौं बिनु मारे। केवल कौशिक सील तुम्हारे
न त येहि काटि कुठार कठोरे। गुरहि उरिन होतेउँ भ्रम थोरे
2 उस काल मरे क्रोध के तन काँपने उसका लगा ।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ॥

5 भयानक रस

डरावने दृश्य देखकर मन में भय उत्पन्न होता है। जब भय नामक स्थायीभाव का मेल विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से होता है, तब भयानक रस उत्पन्न होता है।इस रस का स्थायी भाव भय है ।
भयानक रस के उदाहरण

1 एक ओर अजगरहि लखि एक ओर मृगराय
बिकल बटोही बीच ही परयो मूर्छा खाय॥
2 सुनसान सड़क पर सन्नाटा था , चारो ओर अँधेरा था।
लग रहा था डर , भोर भी दूर थी।।

6 करुण रस

प्रिय जन की पीड़ा, मृत्यु, वांछित वस्तु का न मिलना, अनिष्ट होना आदि से शोकभाव परिपुष्ट होता है तब वहाँ करुण रस होता है।करुणरस का स्थायी भाव शोक है ।

करुण रस के उदाहरण-

1 पर दुनिया की हजारों सड़कों से
गुजरते हुए बच्चे,
बहुत छोटे-छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

2 देख सुदामा की दीन दशा, करुणा करके करुणानिधि रोए।
पानी परात को हाथ छुए नहि नैनन के जल से पग धोए।।

7 वीभत्स रस

किसी वस्तु अथवा जीव को देखकर जहाँ घृणा का भाव उत्पन्न हो वहाँ वीभत्स रस होता है। वीभत्स घृणा के भाव को प्रकट करने वाला रस है। वीभत्स का स्थायी भाव जुगुप्सा है। अत्यंत गंदे और घृणित दृश्य वीभत्स रस की उत्पत्ति करते हैं। गंदी और घृणित वस्तुओं के वर्णन से जब घृणा भाव पुष्ट होता है तब यह रस उत्पन्न होता है।

वीभत्स रस के उदाहरण –

1 हाथ में घाव थे चार
थी उनमें मवाद भरमार
मक्खी उन पर भिनक रही थी,
कुछ पाने को टूट पड़ी थी
उसी हाथ से कौर उठाता
घृणा से मेरा मन भर जाता।

2 माताओं पर, बहिनों पर, घोड़े दौड़ाए जाते हैं
बच्चे, बूढ़े-बाप तक न छूटते, सताए जाते हैं
मार-पीट है, लूट-पाट है, तहस-नहस बरबादी है,
ज़ोर-जुलम है, जेल-सेल है। वाह खूब आज़ादी है।।

8 अद्भुत रस

जब किसी वस्तु का वर्णन आश्चर्य उत्पन्न करता है, तब अद्भुत रस उत्पन्न होता है। अद्भुत रस का स्थायी भाव विस्मय है ।

अद्भुत रस के उदाहरण

1 लक्ष्मी थी या दुर्गा वह स्वयं वीरता की अवतार
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार ।।

2 देख यशोदा शिशु के मुख में, सकल विश्व की माया ।
क्षण भर को वह बनी अचेतन,हिल न सकी कोमल काया।।

9. शांत रस

जब चित्त शांत दशा में होता है तब शांत रस उत्पन्न होता है। इसका स्थायी भाव निर्वेद है। शांत रस के उदाहरण

1 जब मैं था तब हरि नाहिं अब हरि है मैं नाहिं।
सब अँधियारा मिट गया जब दीपक देख्या माहिं।। 2 जल में
कुम्भ कुम्भ में जल है बाहर भीतर पानी।
फूटा कुम्भ जल जलहिं समाना यह तथ कह्यो गियानी।।

10 वात्सल्य रस

छोटे बच्चों के प्रति स्नेह के चित्रण में वात्सल्य रस उत्पन्न होता है। हृदय में 'वत्सल' नामक स्थायी भाव का मेल विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से होता है, तब वात्सल्य रस परिपुष्ट होता है। वात्सल्य रस के उदाहरण –

1 मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो।
भोर भयो गैयन के पाछे मधुवन मोहि पठायो।।
2 जसोदा हरि पालने झुलावै
हलरावै दुलराय मल्हावै जोइ सोई कछु गावै।।

11 भक्ति रस

जहाँ पर ईश्वर के प्रति श्रद्धा और प्रेम का भाव हो वहां पर भक्ति रस होता है। इसका स्थाई भाव ईश्वर प्रेम होता है। भक्ति रस का स्थायी भावअनुराग (देव रति) होता है ।
भक्ति रस के उदाहरण
1 भोली-भाली राधिका, भोले कृष्ण कुमार,
कुंज गलिन खेलत फिरें, ब्रज रज चरण पखार।।
2 रघुपति राघव राजा राम । पतित पावन सीताराम ॥
अभ्यास प्रश्न-:
निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में निहित रस का नाम बताइए-
1. दूलह श्री रघुनाथ बने, दुलही सिय सुंदर मंदिर माही। ।
गावत गीत सबै मिलि सुंदरि वेद जुआ जुरि विप्र पढ़ाही। |
राम को रूप निहारति जानकी कंगन के नग की परछाहीं॥
याते सबै सुधि भूलि गई कर टेकि रही पल टारति नाहीं॥
2. बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौहिं करै भौहन हँसै, देन कहे नरिजाय ॥

3. कहत, नटत रीझत खिझत हँसत मिलत लजियात।
भरे भौन में करत हैं नयनन ही सो बात॥
4. खद्दर कुरता भकभकौ, नेता जैसी चाल।
येहि बानक मो मन बसौ, सदा बिहारी लाल॥
5. तन मन सेजि जरै अगि दाहू। सब कहँ चंद भयउ मोहिराहू॥
चहूँ खंड लागे अँधियारा। जो घर नाही कंत पियारा॥
6. भाषे लखन कुटिल भई भौंहें।
रद फुट फरकट नैन रिसौंहें ।
7. जाके प्रिय न राम बैदेही।
तजिए उसे कोटि बैरी सम जद्यपि परम सनेही।
तज्योपिता प्रहलाद, विभीषण बंधु, भरत महतारी।
बलि गुरु तज्यो कंत ब्रज बनितनि, भय मुद-मंगलकारी।
नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहाँ लौं।
अंजन कहा आँखि जेहि फूटै बहुतक कहौ कहाँ लौं।
तुलसी सो सब भाँति परम हित पूज्य प्रान ते प्यारो।
जासो होत सनेह राम पद ऐतो मतो हमारे ॥
8. पौरि के किंवार देत धरै सबै गारिदेत
साधुन को दोष देत प्राति न चहत हैं।
माँगते को ज्वाब देत, बात कहै रोयदेत,
लेत-देत भाज देत ऐसे निबहत है।
मागेहुँ के बंद देत बारन की गाँठ देत
धोती की काँछ देत देतई रहत है।
ऐसे पै सबैई कहै, दाऊ, कछू देत नाहि,
दाऊ जो आठो याम देतई रहत है।
9. राम नाम मणि दीप धरि, जीह देहरी द्वार।
तुलसी बाहर भीतरेहु जो चाहत उजियार ॥
10. ‘ यशोदा हरि पालने झुलावे।
हलरावै दुलराइ मल्हावै, जोइ सोइ कछु गावै।
मेरे लाल को आउ निदरिया काहे न आनि सोवावै।
तू काहे ना बेगि सो आवै तोको कान्ह बुलावै।
11. सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला। हरियल भूमि कुसुंभी चोला॥
हिय हिंडोल अस डोले मोरा। विरह झुलाइ देत झकझोरा ॥
12. मेरी भवबाधा हरो, राधा नागरि सोय।
जा तन की झांई परे, स्याम हरित दुति होय॥
13. बाने फहराने घहराने घंटा गजन के,
नाही ठहराने, राव राने देश-देश के।

नग भहराने, ग्राम नगर पराने सुनि,
बाजत निसाने शिवराज जू नरेश के।
हाथिन के हौदा उकसाने कुंभ कुंजर के
मौन की भजाने अलि छूटे लट केश के।
दल के दरारन ते कमठ करारे फूटे,
केरा कैसे पात विहराने फन सेस के॥
14. चूरन खावै एडीटर जात,
जिनके पेट पचै नहिं बात।
चूरन पुलिस वाले खाते,
सब कानून हज़म कर जाते।
साँच कहै ते पनही खावै,
झूठे बहुविधि पदवी पावै।
15. निज दरेर सौ पौन पटल फारति फहरावति।
सुर-पुरते अति सघन घोर घन धसि धवरावति॥
चली धार धुधकार धरादिशि काटत कावा।
सगर सुतन के पाप ताप पर बोलति धावा।
16. स्वानों को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं।
माँ की हड्डी से चिपक ठिठुर, जाड़े की रात बिताते हैं।
युवती की लज्जा वसन बेच जब ब्याज चुकाए जाते हैं।
मालिक तब तेल फुलेलों पर पानी सा द्रव्य बहाते हैं।
17. बिनु गोपाल बैरिन भई कुंजै।
तब ये लता लगति अति शीतल जबभई विषम ज्वाल की पुंजै।
वृथा बहति जमुना खग बोलत वृथा कमल फूलैं अलि गुंजै।
पवन पानि धनसारि संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजै।
हे ऊधव कहिए माधव सो विरह विरद कर मारत लुंजै।
सूरदास प्रभु को मग जोहत अखियाँ भई बरनि ज्यों गुंजै।
18. चरन कमल बंदौ हरि राई।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, आंधर कों सब कछु दरसाई॥
बहिरो सुनै, मूक पुनि बोलै, रंक चले सिर छत्र धराई।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बंदौं तेहि पाई॥
19. हे खग, हे मृग मधुकर श्रेनी
तुम्ह देखी सीता मृग नैनी॥
20. लता ओट तब सखिन्ह लखाए। स्यामल गौर किसोर सुहाए।
देख रूप लोचन ललचाने । हरसे जनुनिज निधि पहचाने।
थके नयन रघुपति छबि देखी। पलकनि हूँ परिहरी निमेषी।
अधिक सनेह देहभइ भोरी। सरद ससिहिं जनु चितव चकोरी।

लोचन मग रामहि उर आनी। दीन्हें पलक कपाट सयानी॥

उत्तर कुंजी

1. शृंगार रस
2. शृंगार रस
3. शृंगार रस
4. हास्य रस
5. वियोग शृंगार रस
6. रौद्र रस
7. शांत रस
8. हास्य रस
9. शांत रस
10. वात्सल्य रस
11. वियोग शृंगार रस
12. शांत रस
13. वीर रस
14. हास्य रस
15. वीर रस
16. करुण रस
17. वियोग शृंगार रस
18. शांत रस
19. वियोग शृंगार रस
20. संयोग शृंगार रस

रस बहुविकल्पीय प्रश्न-:

1. शांत रस का स्थाई भाव है-

क निर्वेद

ख अद्भुत

ग वीर

घ श्रृंगार

2. "एक और अजगर ही लखि, एक और मृगराज, विकल बटोही बीच ही परयों मूर्छा खाय।"- इन पंक्तियों में कौन-सा रस है?

क अद्भुत

ख भयानक

ग रौद्र

घ हास्य

3. प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है, दुःख-जलनिधि-डूबी सहारा कहाँ है ? इन पंक्तियों में कौन- सा स्थायी भाव है-

क विस्मय

ख रति

ग शोक

घ क्रोध

4. रसराज किसे माना जाता है ?

क रौद्र रस

ख श्रृंगार रस

ग करुण रस

ग वीर रस

5. मेरे तो गिरिधर गोपाल दुसरो न कोई | जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई || इन पंक्तियों में कौन -सा रस है ?

क शांत

ख शृंगार रस

ग करुण रस

घ हास्य

6. हिन्दी साहित्य का नौवाँ रस कौन-सा है ?

क भक्ति

ख वत्सल

ग शांत

घ करुण रस

7 उस काल कारे क्रोध के, तन कांपने उसका लगा | मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा || प्रस्तुत पंक्तियों में कौन -सा रस है ?

क वीर रस

ख रौद्र रस

ग अद्भुत रस

घ करुण रस

8. वीर रस का स्थायी भाव क्या होता है ?

क रति

ख उत्साह

ग हास्य

घ क्रोध

9. संचारी भावों की संख्या है -

क 9

ख 33

ग 16

घ 99

10. वीभत्स रस का स्थायी भाव है -

क भय

ख निर्वेद

ग शोक

घ जुगुप्सा/घृणा

11. क्रोध किस रस का स्थायी भाव है -

क वीभत्स

ख भयानक

ग रौद्र

घ वीर रस

12. किलक अरे मैं नेह निहारूँ | इन दाँतो पर मोती वारूँ । इन पंक्तियों में कौन-सा रस है-

क वीर

ख शांत

ग वात्सल्य

घ हास

13. भाव जिसके हृदय में रहते है' उसे कहते है ?

क आश्रय

ख आलंबन

ग उद्दीपन

घ आलंबन जन्य उद्दीपन

रस पहचानों

14. मैं सत्य कहता हूँ सखे, सुकुमार मत जानो मुझे |

यमराज से भी युद्ध में प्रस्तुत सदा मानो मुझे ||

क वीर रस

ख संयोग रस

ग शांत रस

घ करुण रस

15. हाँ रघुनंदन प्रेम परीते | तुम विन जिअत बहुत दिन बीते ||

क वीर रस

ख संयोग रस

ग शांत रस

घ करुण रस

16. रे नृप बालक काल बस बोलत तेहि न संभार ।

धनु ही सम त्रिपुरारि |धनु विदित सकल संसार ॥

क वियोग रस
ख रौद्र रस
ग संयोग रस
घ करुण रस
17 पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।
पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।।
क वात्सल्य रस
ख शांत रस
ग भक्ति रस
घ अद्भुत रस
18. देखी यशोदा शिशु के मुख में सकल विश्व की माया |
क्षण भर को वह बनी अचेतन हित न सकी कोमल काया ||
क वात्सल्य रस
ख शांत रस
ग भक्ति रस
घ अद्भुत रस
19. उठो लाल अब आँखें खोलो पानी लाइ हूँ मुँह धो लो |
क शांत रस
ख वात्सल्य रस
ग भक्ति रस
घ अद्भुत रस
20 दुलहिन गावहु मंगलचार हम घर आये राजा राम भरतार ||
क वीभत्स रस
ख वात्सल्य रस
ग संयोग रस
घ वियोग रस
21 'मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों|'
क वीभत्स रस
ख वात्सल्य रस
ग संयोग रस
घ वियोग रस
22. जब मै था तब हरि नाहिं अब हरि है मै नाहिं
सब अँधियारा मिट गया जब दीपक देख्या माहिं
क शांत रस
ख वात्सल्य रस
ग भक्ति रस

घ अद्भुत रस

23. बुंदेले हर बोलो के मुख हमने सुनी कहानी थी।

खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी।।

क वीर रस

ख संयोग रस

ग शांत रस

घ करुण रस

24. बुरे समय को देख कर गंजे तू क्यों रोय।

किसी भी हालत में तेरा बाल न बाँका होय

क वीर रस

ख संयोग रस

ग शांत रस

घ हास्य

25. पड़ी थी बिजली-सी विकराल, लपेटे थे घन जैसे बाल।

कौन छेड़े ये काले साँप, अवनिपति उठे अचानक काँप।

क शांत रस

ख वात्सल्य रस

ग भक्ति रस

घ अद्भुत रस

उत्तर कुंजी

1 क 2 ख 3 ग 4 ख 5 क 6 ग 7 ख 8 ख 9 ख 10 घ 11 ग 12 ग 13 क 14 क 15 घ 16 ख 17 ग 18 घ 19 ख 20 ग 21 ख 22 क 23 क 24 घ 25 घ

पाठ - सूरदास (पद)

{पाठ का सार}

कवि परिचय – सूरदास जी का जन्म सन् 1478 ई॰ में मथुरा के निकट रुनकता या रेणुका क्षेत्र में माना जाता है| सूरदास जी महाप्रभु वल्लभाचार्य के शिष्य तथा अष्टछाप के कवियों में सबसे अधिक प्रसिद्ध कवि थे| सूरदास जी 'वात्सल्य' और 'श्रृंगार' के कवि माने जाते हैं|

सूरदास जी की प्रमाणिक रचनायें तीन हैं- सूरसागर, सूर सारावली व साहित्य-लहरी| 'सूरसागर' उनकी कीर्ति का मुख्य आधार है| इनके काव्य में रचित कृष्ण और गोपियों का प्रेम सहज मानवीय प्रेम को प्रतिष्ठित करता है| इनके काव्य में ब्रजभाषा का निखरा रूप दृष्टिगोचर होता है| इनका काव्य चली आ रही लोकगीतों की परम्परा की ही श्रेष्ठ कड़ी है| उनके पदों में अद्भुत मिठास, मधुरता और कोमलता है|

काव्य का सार – सूरदास के द्वारा रचित 'सूरसागर' में संकलित 'भ्रमरगीत' से लिए गये चार पदों में गोपियों के विरह –भाव को प्रकट किया गया है| ब्रज से मथुरा जाने के बाद श्रीकृष्ण ने गोपियों को कोई सन्देश नहीं भेजा और न ही स्वयं वहां लौटकर आए जिस कारण गोपियाँ दिन रात विरह की अग्नि में जल रहीं थीं| कृष्ण ने ज्ञान-मार्ग पर चलने वाले उद्धव को ब्रज भेजा ताकि वह गोपियों को संदेश देकर उनकी वियोग की पीड़ा को कम कर सकें| परन्तु उद्धव के संदेश ने गोपियों की विराहग्नि को घटाने के स्थान पर बढ़ा दिया था| गोपियों को उद्धव के द्वारा दिया जाने वाला निर्गुण ब्रहम का उपदेश उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं आया| उस समय वहां पर एक भंवरा आ जाता है गोपियाँ भँवरे को लक्षित करके उद्धव पर व्यंग्य बाण छोडती हैं| तभी इसका नाम भ्रमरगीत रखा गया| सूरदास ने इन भ्रमरगीतों के द्वारा निर्गुण भक्ति की पराजय और सगुन भक्ति की विजय दिखने का सफल प्रयत्न किया है|

पहले पद में गोपियाँ उद्धव को भाग्यशाली बताकर वास्तव में भाग्यहीन कहना चाहती हैं जो कृष्ण के इतना करीब रहकर भी उनके प्रेम के बंधन में नहीं बंधा है| उद्धव की नीरसता व कृष्ण के प्रति प्रेम की एकनिष्ठता को गोपियों ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से उजागर किया है|

दूसरे पद में गोपियों ने कृष्ण पर प्रेम की मर्यादा न रखने का आरोप लगाया है| कृष्ण के आने की उम्मीद में ही तो गोपियों दिन रात विरहाग्नि में जल रहीं थीं परन्तु उद्धव से निर्गुण ब्रहम का उपदेश पाकर गोपियों का धैर्य टूट जाता है| वे निराश हो जाती हैं|

तीसरे पद में गोपियाँ ने श्रीकृष्ण को हारिल पक्षी की लकड़ी के समान बताया है जिसे उन्होंने दृढ़ता से पकड़ा हुआ है| योग संदेश उन्हें कड़वी ककड़ी के समान प्रतीत होता है| जो उन्हीं लोगों के लिए उचित है जिनके मन चकरी के समान इधर उधर भटकते रहते हैं|

चौथे पद में श्रीकृष्ण को राजनीतिज्ञ बताकर गोपियाँ उन्हें स्वार्थी सिद्ध करना चाहती हैं जो अब कुटिलता और छलकपट से काम लेने लग गये हैं| गोपियाँ उन्हें राजधर्म याद दिलाती हैं|

बहुविकल्पी प्रश्न

{भाग – 1}

कवि पर आधारित सामान्य प्रश्न

प्रश्न1. सूरदास का जन्म कब हुआ?

उत्तर (क) सन् 1478 (ख) सन् 1468

(ग) सन् 1458 (घ) सन् 1488

प्रश्न2. सूरदास जी की भाषा कौन-सी है?

उत्तर (क) अवधी (ख) ब्रज

(ग)साहित्यिक खड़ी बोली (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न3. सूरदास जी की सबसे प्रसिद्ध रचना कौन-सी है?

उत्तर (क) सूर-सारावली (ख) साहित्य-लहरी

(ग) सूरसागर (घ) तीनों में से कोई नहीं

प्रश्न4. सूरदास जी के काव्य में किस रस की प्रधानता है?

उत्तर (क) वीर (ख) भक्ति

(ग) वात्सल्य (घ) करुण

प्रश्न5. सूरसागर में लगभग कितने पद हैं?

उत्तर (क) लगभग सवा सौ (ख) लगभग पांच सौ

(ग) लगभग सात सौ (घ) लगभग ग्यारह सौ

प्रश्न6. सूरदास जी ने अपने साहित्य में किसे प्रमुखता दी है?

उत्तर (क) राम को (ख) कृष्ण को

(ग) निराकार ब्रहम को (घ) राजाओं की प्रशंसा को

प्रश्न7. सूरदास के साहित्य में किस गुण की प्रमुखता है?

उत्तर (क) माधुर्य गुण (ख) प्रसाद गुण

(ग) ओज गुण (घ) निर्गुण

प्रश्न8. 'भ्रमरगीत' किस रचना से उदधृत है?

उत्तर (क) सूर-सारंग (ख) सूरदास-अमृत

(ग) सूरसारावली (घ) सूरसागर

प्रश्न9. अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि कौन हैं?

उत्तर (क) तुलसीदास (ख) मीराबाई

(ग) सूरदास (घ) बिहारीलाल

प्रश्न10. सूरदास जी का निधन कब हुआ?

उत्तर (क) सन् 1583 (ख) सन् 1556

(ग) सन् 1563 (घ) सन् 1589

{भाग – 2}

पदों पर आधारित प्रश्न –

पद-**1**

उधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी में पाँव न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

प्रश्न1. गोपियाँ किसे बड़भागी कह रही हैं?
उत्तर (क) भौरे को (ख) कृष्ण को
(ग) उद्धव को (घ) स्वयं को
प्रश्न2. गोपियों ने ऊधौ के अनासक्त रहने की तुलना किससे की है?
उत्तर (क) कमल के पत्ते से (ख) तेल की मटकी से
(ग) कमल के पत्ते से और तेल की मटकी दोनों से (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 3. प्रीति-नदी में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर (क) यमक (ख) रूपक

(ग) अनुप्रास (घ) उपमा

प्रश्न4. 'अपरस' शब्द का यहाँ क्या अर्थ है?

उत्तर (क) सूखा (ख) दुर्भाग्यशाली

(ग) निर्विकार (घ) अनासक्त

प्रश्न5. 'गुर चांटी ज्यौं पागी' में गुर (गुड़) से किसकी तुलना हुई है?

उत्तर (क) ऊधौ की (ख) कृष्ण की

(ग) ब्रजवासियों की (घ) गोपियों की

प्रश्न6. 'गुर चांटी ज्यौं पागी' में चांटी (चींटी) से किसकी तुलना हुई है?

उत्तर (क) गोपियों की (ख) कृष्ण की

(ग) ऊधौ की (घ) ब्रजवासियों की

प्रश्न7. उद्धव कृष्ण का कौन-सा संदेश लाये हैं?

उत्तर (क) योग संदेश (ख) अनुराग संदेश

(ग) प्रेम संदेश (घ) कोई नहीं

प्रश्न8. गोपियों को छोड़कर कृष्ण कहाँ चले गए थे?

उत्तर (क) ब्रज (ख) वृन्दावन

(ग) द्वारका (घ) मथुरा

प्रश्न9. गोपियों को कृष्ण का व्यवहार कैसा लगता है?

उत्तर (क) उदार (ख) प्रेमपूर्वक

(ग) निष्ठुर (घ) छलपूर्ण

प्रश्न10. गोपियाँ कृष्ण के प्रति कैसी भावना रखती हैं?

उत्तर (क) प्रेम की (ख) क्रोध की

(ग) घृणा की (घ) कोई भी नहीं

प्रश्न11. गोपियाँ कृष्ण प्रेम में किस प्रकार लिपट गई हैं?

उत्तर (क) गुड़ में मक्खी के समान (ख) गुड़ में कीड़े के समान

(ग) गुड़ में शक्कर के समान (घ) गुड़ में चींटी के समान

प्रश्न12. कवि के अनुसार गोपियों का स्वभाव कैसा है ?

उत्तर (क) चतुर (ख) निर्दयी

(ग) भोली भाली (घ) घमंडी

प्रश्न13. प्रीति-नदी में किसने पैर नहीं डुबाए?

उत्तर (क) श्रीकृष्ण ने (ख) गोपियों ने

(ग) सूरदास ने (घ) उद्धव ने

पद-2

मन की मन ही माँझ रही।

कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।

अवधि असार आस आवन की,तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि,बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही ।
'सूरदास'अब धीर धरहिं क्यौं,मरजादा न लही।।

प्रश्न1. किसके मन की बात मन में ही रह गई?
उत्तर (क) श्रीकृष्ण के (ख) उद्धव के
(ग) गोपियों के (घ) भ्रमर के
प्रश्न2. योग के संदेश का गोपियों पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर (क) वे विराहग्नि में और भी अधिक जलने लगीं (ख) कोई प्रभाव नहीं पड़ा
(ग) वे ज़ोर ज़ोर से रोने लगीं (घ) अत्यधिक प्रसन्न हुईं
प्रश्न3. गोपियाँ किससे गुहार लगाना चाहती थीं?
उत्तर (क) उद्धव से (ख) सखियों से
(ग) यशोदा से (घ) कृष्ण से
प्रश्न4. गोपियों के जीवन का आधार क्या था?
उत्तर (क) कृष्ण के लौट आने की अवधि (ख) उद्धव द्वारा लाया गया संदेश
(ग) गोपियाँ की मथुरा जाने की अवधि (घ) गोपियों की कृष्ण से मिलने की अवधि
प्रश्न5. गोपियों की कौनसी बात उनके मन में रह गई?
उत्तर (क) उद्धव को फटकार लगाने की (ख) श्रीकृष्ण को अपनी व्यथा सुनाने की
(ग)मथुरा जाने की (घ) घोर तप करने की
प्रश्न6. गोपियाँ धैर्य धारण क्यों नहीं कर पा रहीं थीं?
उत्तर (क) श्रीकृष्ण का प्रेम देखकर (ख) उद्धव की शालीनता देखकर
(ग) प्रेम की बजाए योग संदेश पाकर (घ) सभी विकल्प सही हैं
प्रश्न7. कौनसी धारा बहने की बात की जा रही है?
उत्तर (क) योग की (ख) प्रेम की
(ग) संदेश की (घ) मिलन की
प्रश्न8. 'धार बही' का क्या भाव है?
उत्तर (क) ब्रज से पानी की धारा बह चली है (ख) ब्रज में बाढ़ आ गई है
(ग) योग रुपी संदेश की धारा (घ) प्रेम की धारा
प्रश्न9. किस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग हुआ है?
उत्तर (क) जितहिं तै (ख) धार बही
(ग) धीर धरहिं (घ) मरजादा
प्रश्न10. 'बिथा' शब्द का तत्सम रूप लिखिए?
उत्तर (क) व्यर्थ (ख) व्यथा
(ग) बिना (घ) मंथन

प्रश्न11. 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौनसी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है?

उत्तर (क) प्रेम की (ख) योग की

(ग) संदेश की (घ) कोई नहीं

प्रश्न 12. 'बिरहिनी बिरह' में कौनसा अलंकार है?

उत्तर (क) यमक (ख) अनुप्रास

(ग) रूपक (घ) उपमा

प्रश्न13. 'बिरहिनी बिरह दही' में दही का क्या अर्थ है?

उत्तर (क) दही (ख) देना

(ग) दाग (घ) जलना

पद**–3**

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद -नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह- कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौं, जिनके मन चकरी ।।

प्रश्न1. 'हारिल' पक्षी की लकड़ी किसे कहा गया है?

उत्तर (क) उद्धव को (ख) कृष्ण को

(ग) भँवरे को (घ) ब्रजवासियों को

प्रश्न2. हारिल पक्षी की क्या विशेषता होती है?

उत्तर (क) वह लकड़ी चूसता है (ख) वह लकड़ी काटता है

(ग) वह लकड़ी पंजों में दबाये रखता है (घ) वह लकड़ी चबाता रहता है

प्रश्न3. श्रीकृष्ण गोपियों के लिए किसकी लकड़ी के समान हैं?

उत्तर (क) हारिल (ख) मयूर

(ग) कबूतर (घ) कौआ

प्रश्न4. योग को किसके समान बताया गया है?

उत्तर (क) मिष्ठान के समान (ख) नमक के समान

(ग) मिर्ची के समान (घ) कड़वी ककड़ी के समान

प्रश्न5. गोपियों ने कृष्ण को किस प्रकार से धारण किया था?

उत्तर (क) कर्म से (ख) वचन से

(ग) मन से (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न6. 'जकरी' शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर (क) व्यर्थ होना (ख) रटना

(ग) दुखी होना (घ) खुश होना

प्रश्न7. 'ब्याधि' शब्द का तत्सम रूप बताईये|

उत्तर (क) ब्यादी (ख) वृद्धि

(ग) व्यादी (घ) व्याधि

प्रश्न8. गोपियों ने योग रुपी व्याधि किसे देने की बात कही है?

उत्तर (क) जो बीमार हो (ख) जिसका मन चकरी के समान है

(ग) जो ईश्वर भक्त हो (घ) जो कृष्ण भक्त हो

प्रश्न9. गोपियाँ की भाषा में किस भाव की अधिकता है?

उत्तर (क) ममत्व (ख) प्रशंसा

(ग) व्यंग्य (घ) जिज्ञासा

प्रश्न10. गोपियों ने योग रुपी व्याधि को कैसा बताया है?

उत्तर (क) जिसे बहुत बार भोगा है (ख) जिसे देखा, सुना न भोगा

(ग) अनोखी व्याधि (घ) उपरोक्त कोई नहीं

प्रश्न11. सुनत ..... लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककड़ी | वाक्य को पूर्ण करें|

उत्तर (क) जोग (ख) प्रेम

(ग) संदेश (घ) सभी सही है

प्रश्न12. 'कान्ह–कान्ह' का क्या अर्थ है?

उत्तर (क) कृष्ण-कृष्ण (ख) कौन कौन

(ग) कण–कण (घ) कोई नहीं

प्रश्न13. गोपियाँ सोते-जागते क्या जपती रहती हैं?

उत्तर (क) कान्ह-कान्ह (ख) दिवस-निसि

(ग) नन्द-नंदन (घ) पान्ह–पान्ह

पद -4

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलैं हीं , अब गुरु ग्रंथ पढाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी , जोग-सँदेस पठाए।

ऊधौ भले लोग आगे के , पर हित डोलत धाए।

अब अपने मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।

ते क्यौं अनीति करैं आपुन ,जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तौ यहै ' सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।।

प्रश्न1. गोपियों के अनुसार कृष्ण ने क्या पढ़ लिया है?

उत्तर (क) काव्य (ख) साहित्य

(ग) राजनीती (घ) संगीत

प्रश्न2. 'मधुकर' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

उत्तर (क) उद्धव के लिए (ख) भौरे के लिए

(ग) कृष्ण के लिए (घ) गोपियों के लिए

प्रश्न3. गोपियों के अनुसार किसने राजनीती पढ़ ली है?

उत्तर (क) बलराम ने (ख) कृष्ण ने

(ग) उद्धव ने (घ) ब्रजवासियों ने

प्रश्न4. गोपियों के अनुसार पहले से ही चतुर कौन था ?

उत्तर (क) उद्धव (ख) भंवरा

(ग) कृष्ण (घ) नंद

प्रश्न5. कृष्ण ब्रज से जाते समय अपने साथ क्या चुरा ले गये थे?

उत्तर (क) माखन (ख) दही

(ग) शहद (घ) गोपियों का मन

प्रश्न6. सच्चा राजधर्म क्या है?

उत्तर (क) प्रजा को बिलकुल न सताना (ख) प्रजा के सुखों का ध्यान रखना

(ग) प्रजा का पालन (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न7. "हरि हैं राजनीति पढ़ि आए .....जाहि सताए" पद में किस शब्द शक्ति का प्रयोग हुआ है ?

उत्तर (क)अभिधा (ख) लक्षणा

(ग) व्यंजना (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न8. पुराने जमाने के लोगों को भला क्यों कहा गया है?

उत्तर (क) स्वार्थ के कारण (ख) चालाकी के कारण

(ग) दान-धर्म के कारण (घ) दूसरों की भलाई के कारण

प्रश्न9. गोपियाँ क्या वापस पाना चाहती हैं?

उत्तर (क) अपना मन (ख) बांसुरी

(ग) ऊधौ का योग (घ) कृष्ण का प्रेम

प्रश्न10. समुझी बात कहत.....के,समाचार सब पाए| उचित शब्द से पंक्ति को पूरा करें|

उत्तर (क) दिनकर (ख) ऊधौ

(ग) मधुकर (घ) कृष्ण

प्रश्न11. 'अनीति' कौन कर रहा है?

उत्तर (क) श्रीकृष्ण (ख) उद्धव

(ग) ब्रजवासी (घ) बलराम

प्रश्न12. गोपियों ने कृष्ण की बढ़ी बुद्धि को कैसे जाना है?

उत्तर (क) प्रेम संदेश से (ख) अपने अनुभव से

(ग) स्वप्न से (घ) योग संदेश से

प्रश्न13. 'और अनीति' में कौनसा अलंकार है?

उत्तर (क) अनुप्रास (ख) यमक

(ग) उपमा (घ) रूपक

उत्तर कुंजी

{भाग 1}

1. (क)सन् 1478 2 (ख)ब्रज 3. (ग)सूरसागर 4 (ग)वात्सल्य

5. (ख)लगभग पांच सौ 6 .(ख)कृष्ण को 7. (क) माधुर्य गुण 8. (घ)सूरसागर

9. (ग)सूरदास 10. (ग)सन् 1563

{भाग 2}

पद**–1**

1. (ग)उद्धव को 2 (ग)कमल के पत्ते से और तेल की मटकी दोनों से 3 (ख)रूपक 4 (घ)अनासक्त 5 (ख)कृष्ण की 6 (क)गोपियों की 7 (क)योग संदेश 8 (घ)मथुरा 9 (घ)छलपूर्ण 10 (क)प्रेम की 11 (घ)गुड़ में चींटी के समान 12 (ग)भोली भाली 13 (घ)उद्धव ने

पद**–2**

1 (ग)गोपियों के 2 (क)वे विराहग्नि में और भी अधिक जलने लगीं 3 (घ)कृष्ण से 4 (क)कृष्ण के लौट आने की अवधि 5 (ख)श्रीकृष्ण को अपनी व्यथा सुनाने की 6 (ग)प्रेम की बजाए योग संदेश पाकर 7 (क)योग की 8 (ग)योग रुपी संदेश की धारा 9 (ख)धार बही 10 (ख)व्यथा 11 (क)प्रेम की 12 (ख)अनुप्रास 13 (घ)जलना

पद-**3**

1 (ख)कृष्ण को 2. (ग)वह लकड़ी पंजों में दबाये रखता है 3 (क)हारिल 4 (घ)कड़वी ककड़ी के समान 5 (घ)उपरोक्त सभी 6 (ख)रटना 7 (घ)व्याधि 8 (ख)जिसका मन चकरी के समान है 9 (ग)व्यंग्य 10 (ख)जिसे देखा, सुना न भोगा 11 (क)योग

12 (क)कृष्ण-कृष्ण 13 (क)कान्ह-कान्ह

पद–4

1 (ग)राजनीती 2 (ख)भौरे के लिए 3 (ख)कृष्ण ने 4 (ग)कृष्ण 5 (घ)गोपियों का मन 6 (क)प्रजा को बिलकुल न सताना 7 (ग)व्यंजना 8 (घ)दूसरों की भलाई के कारण 9 (क)अपना मन 10 (ग)मधुकर 11 (क)श्रीकृष्ण 12 (घ)योग संदेश से 13 (क)अनुप्रास

पाठ- राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद (तुलसीदास जी)

पाठ का सार

इस संवाद के कवि तुलसीदास जी है: यह प्रसंग राम के धनुष तोड़ने और मिथिलेश कुमारी सीता से विवाह करने के समय की परिस्थितियों का वर्णन करता है। परशुराम लक्ष्मण संवाद में जो भी दोहे और चौपाईया ली गयी है, व तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस के कई सारे कांड में से जो बालकाण्ड नामक कांड है, वहां से लिया गया है। इस कांड में राम के जन्म से लेकर उनके विवाह तक का प्रसंग इसमें वर्णित है।

यह उस समय का दृश्य है जब मिथिला के राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के विवाह हेतु स्वयंवर आयोजित किया था

इस स्वयंवर के लिए एक चुनौती रखी गयी थी कि जो भी राजा भगवान शिव के दिव्य धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी से राजकुमारी सीता का विवाह होगा।

इस स्वयंवर में मुनि विश्वामित्र भी अयोध्या के दो सुंदर राजकुमारों श्री राम और लक्ष्मण के साथ पधारे। अंत में जब कोई राजा धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाना तो दूर कोई उसे हिला भी न सका तब राम ने धनुष उठाया और उनके धनुष उठाते ही उसका खंडन हो गया।

भगवान परशुराम शिव जी के अनन्य सेवक थे, जब उन्हें पता चला कि उनके आराध्य भगवान शिव का धनुष किसी ने तोड़ दिया है तो परशुराम अति क्रोधित हुए। वहां पर परशुराम और लक्ष्मण के बीच कुछ तीखे संवाद हुए, पाठ में उन्हीं का वर्णन है

1. परशुराम जी के क्रोध को देखकर राम, परशुराम से कहते है कि हे नाथ! शिवजी के धनुष को तोड़ने वाला आपका ही कोई दास ही होगा। आप क्रोधित ना हो मुझे आज्ञा दे, मुझसे कहे यह सुनकर परशुराम और ज्यादा नाराज हो जाते है और कहते है कि सुनो राम! सेवक का कार्य तो सेवा करना होता है किन्तु जो सेवक शत्रु के समान कार्य करे तो युद्ध तो सुनिश्चित है और जिसने यह धनुष तोड़ा वह तो सहस्रबाहु के समान मेरा शत्रु हो चुकाहै

फिर वे सभा में बैठे सभी राजाओं की ओर देखते है और कहते है कि जिस किसी ने भी इस शिव धनुष को तोड़ा है, वह स्वयं ही इस समाज से बिलग बैठ जाये नहीं तो यहाँ उपस्थित सभी राजाओं का अंत मेरे हाथों निश्चित है। परशुराम जी के ऐसे चेतावनी भरे वचन सुनकर लक्ष्मण जी हंसने लगे, उनके मुख पर मुस्कान खेल गयी। वे परशुराम जी से ऊँचे स्वर में बोले हे मुनिश्रेष्ठ! बालपन में हमने बहुत सारे धनुष खेल-खेल में ही तोड़ डाले लेकिन तब तो आपको कोई क्रोध नहीं आया लेकिन इस धनुष से इतना मोह क्यों? यह सुनकर परशुराम जी बोले

अरे राजा के बालक! तुम जरा संभल कर क्यों नहीं बात करते, ऐसा प्रतीत होता है कि तुम्हारे सिर पर काल मंडरा रहा है। भगवान त्रिपुरारी के विश्व प्रसिद्ध धनुष की तुलना तुम अपने बालपन के धनुष से कैसे कर सकते हो?

2. तब राजकुमार लक्ष्मण ने हँसते हुए कहा हे मुनिराज! मेरे लिए तो सभी धनुष की शक्ति एक समान है एक पुराने से धनुष के टूटने से भला किसी को क्या लाभ अथवा क्या

हानि प्राप्त हो सकती है। मेरे भईया राम ने तो इसे नया समझकर उठाया और प्रत्यंचा चढाने की कोशिश की

लेकिन यह तो भईया राम के छूने मात्र से खंडित हो गया। इसमें श्रीराम का कोई दोष नहीं, इसीलिए हे मुनि श्रेष्ठ! आप अकारण क्रोधित ना हो। इसके बाद श्री परशुराम ने अपने फरसा उठाया और फरसे की तरफ देखते हुए बोले हे दुष्ट बालक! लगता है तुम मेरे स्वभाव से अपरिचित नहीं हो

मैं तो तुम्हें नन्हा बालक जानकर तुम पर प्रहार नहीं कर पा रहा हूँ और तुम मुझे साधारण जानकर मेरा उपहास कर रहे हो। मैं बाल ब्रह्मचारी, अत्यंत क्रोधी और क्षत्रिय कुल नाशक के रूप में समस्त विश्व में विख्यात मेरे भुजबल के प्रताप से एक नहीं बल्कि कई बार यह पृथ्वी क्षत्रिय विहीन हुई है। मैंने क्षत्रियों का संहार कर सारी पृथ्वी ब्राह्मणों को दान में दे दी । । मेरे इसी फरसे से मैंने सहस्रबाहु की भुजाये काट डाली थी, इसीलिए राजा के लड़के! तुम ये फरसा ध्यान से देख लो

तुम्हारा व्यवहार तुम्हें दुर्गति की ओर ले जा रहा है। तुम्हारी दशा से तुम्हारे माता-पिता को अत्यंत दुःख भोगना पड़ सकता है। मेरे फरसे की भयंकर गर्जना से गर्भ में पल रहा बालक भी नष्ट हो जाता है

3. परशुराम जी की बाते सुनकर छोटे राजकुमार लक्ष्मण ने मीठी वाणी का प्रयोग किया और कहा, हे भगवन! आप स्वयं की अति श्रेष्ठ मानते है और बार बार मुझे फरसा दिखाकर डराना चाहते है। मुझे तो ऐसा प्रतीत होता है कि आप केवल फूंक मारकर ही पहाड़ उडाना चाहते हो यहाँ कोई कुम्हड़े का बतिया नहीं है जो मात्र तर्जनी अंगुली दिखाने से ही मर (कुम्हला) जाता है, मैंने तो सिर्फ आपके कठोर वचनों और धनुषबाण ही देखे और तब जाकर यह बात पूरे अभिमान से कही है आपके जनेऊ से जान पड़ता है कि आप भृगुवंशी ब्राह्मण है, इसीलिए मै ब्राह्मण- सम्मान में अभी तक शांत बैठा हूँ, हमारे कुल की नीति अनुसार हम देवताओं, ब्राह्मणों, हरिजन तथा गायों पर अपनी शक्ति नहीं दिखाते क्योंकि इनकी हत्या करने से मनुष्य पाप का भागीदार होता है और यदि युद्ध में इनसे हार हो जाये तो अपयश होता है आपके मुख से निकले हुए वचन करोड़ों बज्रो के समान आघात पहुचाते है, आपने तो ये फरसा और ये धनुष नाहक ही धारण कर रखा है।

हे मुनिवर! यदि आपके शस्त्रों को देखकर मेरे मुख से कुछ अनुचित निकल गया हो तो मुझे क्षमा करें। लक्ष्मण के वचन सुन कर परशुराम जी थोड़े गंभीर हो गये और कहने लग

4. हे मुनि विश्वामित्र! यह राजा का लड़का बहुत चतुर , कुटिल ,कुबुद्धि जान पड़ता है, यह काल से शत्रुता कर अपने ही वंश का घातक सिद्ध हो रहा है। यह चन्द्र के समान सूर्य कुल में कलंक है।

ऐसे मुर्ख और उद्दंड राजकुमार को अपने भविष्य की कोई चिंता नहीं है

यह बालक कुछ क्षणों में ही काल को प्रिय हो जायेगा। मैं अभी कहता हूँ बाद में कोई मुझे दोष ना देना, यदि तुम इस लड़के की रक्षा चाहते हो तो इसे बताओ कि मैं अति क्रोधी हूँ इसे मेरे बल और प्रताप का ज्ञान करा दो

इतना सुनते ही राजकुमार बोले हे ऋषि श्रेष्ठ! आपके प्रताप और बल का बखान आपकी उपस्थिति में कोई और कैसे कर सकता है। आप अपनी कीर्ति का बखान स्वयं ही किये जा रहे है। यदि इतना बखान से भी आप संतुष्ट नही है तो जो बाकी हो कह डालिए। अपने क्रोध और अपनी भावनाओ को दबाकर पीड़ा मत सहिये। आप तो स्वयं वीर है, वीरता आपका आभूषण है, इसीलिए अपशब्दों या गारी देते हुए आपकी शोभा कदापि नहीं बढती

वीर पुरुष व्यर्थ ही अपनी बड़ाई स्वयं नहीं करते, रण में ही अपनी वीरता का परिचय देते है और खुद को वीर सिद्ध करते है।वीरता का बखान करना तो कायर पुरुषों का कार्य है।

5. हमें तो ऐसा लग रहा है कि आप बार-बार यमराज को मेरे लिए ही आमंत्रित कर रहे है। राजकुमार लक्ष्मण के कडवे वचनों ने परशुराम जी को और क्रोधित कर दिया। उन्होंने अपना फरसा उठा लिया।और तेज स्वर में कहा अब मेरा कोई दोष नहीं यदि इस कुटिल बालक को मैं यमराज के पास पहुंचा दू तो मैं तो इसके वचनों को बालपन की भूल समझ कर क्षमा किये जा रहा था। लेकिन यह क्षमा योग्य नहीं है।

परशुराम का क्रोध और उनकी गर्जना देखकर विश्वामित्र बोले, हे भगवन! आप तो साधू है और साधू बालक के अवगुणों और उनके दोषों की गणना नही करते, आप अबोध बालक जानकर इसे क्षमा कर दे। विश्वामित्र की बातें सुन परशुराम बोले मै अत्यंत क्रोध में हूँ और मै दयारहित भी हूँ। यह उद्दंड और गुरुद्रोही बालक अपराध करके भी मेरे समक्ष खड़ा है।और उत्तर पे उतर दिए जा रहा है फिर भी मै आपके प्रेम के कारण इसे बिना मारे छोड़ देता हूँ,। अन्यथा मैं इसी क्षण अपने फरसे से इसका अंत कर देता और बिना किसी श्रम के ही अपने गुरु का ऋण चुकाने का अवसर मुझे प्राप्त हो जाता

परशुराम जी की बातें सुन विश्वामित्र ह्रदय में ही मुस्कुराने लगे और मन ही मन विचार करने लगे। अभी तक मुनि जी ने सभी क्षत्रियो को परास्त किया है, इसी कारण ये अयोध्या कुमारों को साधारण क्षत्रिय ही मान रहे है। ये छोटा राजकुमार फौलादी जिगर वाला है। किसी गन्ने की खांड का नहीं है, लगता है परशुराम जी इन बालकों की क्षमता और वीरता से परिचित नहीं है

6. तभी लक्ष्मण जी बोल पड़े, भगवान! आपके पराक्रम से सारा संसार परिचित है, विश्व भर में आपकी ख्याति फैली हुई है कि किस प्रकार आपने अपने माता-पिता का ऋण चुकाया है और और अब गुरु ऋण चुकाने का कार्य मेरे माथे मढना चाहते है। दिन तो बहुत बीत चुके है। ऋण में ब्याज भी जुड़ गया होगा । यह एक बेहतरीन अवसर है। आप किसी हिसाब करने वाले को क्यों नहीं बुला लेते। मैं तो तुरंत अपनी थैली खोलकर आपका ऋण चुकता कर दूंगा ।

लक्ष्मण के मुख से कडवे वचनों को सुनकर भगवान परशुराम अपना नियंत्रण खो बैठे और फरसा उठा कर लक्ष्मण की तरफ आघात करने के लिए दौड़े, सारी सभा में हाहाकार मच गया। लक्ष्मण जी फिर बोले, हे मुनिराज आप तो बार-बार मुझे फरसा दिखाते है और डराने का प्रयास करते है। हे क्षत्रिय कुलनाशक मैं भी आपको ब्राह्मण जान बार-बार क्षमा किये जा रहा हूँ

हे मुनिराज! लगता है इससे पहले आपकी कभी सच्चे वीर, सच्चे बलवान से आपकी भेंट नहीं हुई है। आप तो सिर्फ घर में ही श्रेष्ठ है, इतना सुन कर सभा में बैठे सभी राजा ऊँचे स्वर में अनुचित- अनुचित कहने लगे। तब श्री राम आगे आये और लक्ष्मण को इशारा कर उन्हें बोलने से रोक लिया

पद्यांश के आधार पर बहुविकल्पीय प्रश्न :-

भाग-1

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस किन्हि गोसाईँ॥
येही धनु पर ममता केहि हेतू। सुनी रिसाइ कह भृगुकुलकेतू॥
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार्।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार॥

प्रश्न (क)राम लक्ष्मण परशुराम संवाद के लेखक कौन है ?

- तुलसीदास
- कबीरदास
- रहीमदास
- सूरदास

(ख)राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद किस रचनाका अंश है?

- रामचरितमानस
- कबीर-ग्रंथावली
- सूरसागर
- सूरसारावली

(ग)रामचरितमानस के किस काण्ड से राम लक्ष्मण परशुराम संवाद लिया गया है?

- अयोध्याकाण्ड
- उत्तरकाण्ड
- बालकाण्ड
- किष्किन्धाकाण्ड

(घ)परशुराम क्यों क्रोधित होते हैं? *

- विष्णु धनुष के टूटने के कारण
- शिव धनुष के टूटने के कारण

○ उपर्युक्त दोनों

○ कोई नहीं

(ङ०) शिव धनुष तोड़ने वाले को परशुराम ने किसके समान अपना शत्रु बताया है?

○ सहस्रबाहु के समान

○ लक्ष्मण के समान

○ उपरोक्त दोनों

○ इनमें से कोई नहीं

2.

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना॥
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू॥
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा॥
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्म्चारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही॥
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही॥
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा॥
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर॥

(क) उपर्युक्त पद्यांश की भाषा क्या है?

○ ब्रजभाषा

○ अवधी

○ भोजपुरी

○ बुन्देली

(ख)परशुराम पृथ्वी जीतकर किसे दान कर चुके हैं?

○ माता-पिता को

○ गुरू को

○ राजाओं को

○ ब्राह्मणों को

(ग)परशुराम किस कुल के घोर शत्रु हैं?

○ ब्राह्मण

○ वैश्य

○ क्षत्रिय

○ इनमें से कोई नहीं

(घ)परशुराम का स्वभाव कैसा है?

○ उदार

○ शील

○ क्रोधी

○ चंचल

(ड०)“मेरे फरसे की गर्जना गर्भ में पल रहे बालक को भी नष्ट कर देती है”यह वाक्य किसने कहा ?

○ राम ने

○ लक्ष्मण ने

○ परशुराम ने

○ किसी ने नही

3

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतिया कोऊ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं॥
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी॥
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥
जो बिलोकि अनुचित कहेउँ छमहु महामुनि धीर।
सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर।

प्रश्न (क)तुलसीदास की किस काव्य धारा के कवि हैं?

○ राम भक्ति काव्य धारा

○ कृष्ण भक्ति काव्य धारा

○ निर्गुण भक्ति काव्य धारा के

○ उपरोक्त में से कोई नहीं

(ख)'इहां कुम्हड़बतिया कोउ नाही' यह उक्ति पाठ में किसने कही है ?

○ राम ने

○ परशुराम ने

○ लक्ष्मण ने

○ विश्वामित्र ने

○ (ग) लक्ष्मण का यह कथन ‘एक फूँक से पहाड़ उड़ाना’ परशुराम के किस गुण को दर्शाता है?

योद्धा

कायर

साहसी

मूर्खता

(घ)क्या धारण किये हुए देख कर लक्ष्मण ने परशुराम को भृगुसुत समझा ?

- ○ धनुष
- ○ फरसा
- ○ जनेऊ
- ○ उपर्युक्त सभी

(ड०)उपरोक्त पद्यांश में किन रसों का प्रयोग किया गया है ?

○ शांति एवं करुण रस

○ वीर एवं रौद्र रस

○ श्रृंगार एवं भक्ति रस

○ इनमें से कोई नहीं

4

कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु। कुटिलु कालबस निज कुल घालकु॥
भानुबंस राकेस कलंकू। निपट निरंकुसु अबुधु असंकू॥
कालकवलु होइहि छन माहीं। कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं॥
तुम्ह हटकहु जौ चाहु उबारा। कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा॥
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा॥
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी॥
नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू॥
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा॥
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
विधमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु॥

प्रश्न (क)परशुराम ने कौसिक शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है?

○ राम के लिए

○ लक्ष्मण के लिए

○ जनक के लिए

○ विश्वामित्र के लिए

(ख)शूरवीर अपनी वीरता कहाँ दिखाते हैं?

○ घर में

○ युद्ध में

○ बातों में

○ इनमें से कोई नहीं

(ग)उपरोक्त पद्यांश में परशुराम के स्वभावकीकिस विशेषताका पता चलता है?

○ चाटुकारिता

○ आलसीपन

○ मधुर

○ बड़बोलापन

(घ)लक्षमणने शूरवीर की क्या विशेषताएँ बताई है ?

○ शूरवीर अपनी बड़ाई स्वयं नही करते

○ युद्धभूमि में ही वीरता का परिचय देते हैं

○ दोनों सही हैं

○ दोनों गलत हैं

(ड०)उपर्युक्त पद्यांश में कौन से अलंकारों का प्रयोग हुआ है ?

○ रूपक

○ उपमा

○ अनुप्रास

○ उपर्युक्त सभी

5

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार बार मोहि लागि बोलावा॥
सुनत लखन के बचन कठोरा। परसु सुधारि धरेउ कर घोरा॥
अब जनि दै दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालकु बधजोगू॥
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा। अब येहु मरनिहार भा साँचा॥
कौसिक कहा छमिअ अपराधू। बाल दोष गुन गनहिं न साधू॥
खर कुठार मैं अकरुन कोही। आगे अपराधी गुरुद्रोही॥
उतर देत छोड़ौं बिनु मारे। केवल कौसिक सील तुम्हारे॥
न त येहि काटि कुठार कठोरे। गुरहि उरिन होतेउँ श्रम थोरे॥
गाधिसूनु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ।
अयमय खाँड़ न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ॥

प्रश्न (क)उपर्युक्त पद्यांश में किन रसों का प्रयोग किया गया है ?

○ शांति एवं करुण रस

○ वीर एवं रौद्र रस

○ श्रृंगार एवं भक्ति रस

○ इनमें से कोई नहीं

(ख)परशुराम ने किसके प्रेम के कारण लक्ष्मण का वध नहीं किया?

○ शिव के

○ राम के

○ पिता के

○ विश्वामित्र के

(ग)"तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा" पंक्ति में निहित अलंकार .....है

○ उपमा

○ उत्प्रेक्षा

○ रूपक

○ श्लेष

(घ)गाधिसूनु किसे कहा गया है?

○ विश्वामित्र को

○ परशुराम को

○ राम को

○ लक्षमण को

(ड०) उपरोक्त पद्यांश में किस छन्द का प्रयोग किया गया है ?

○ सवैया

○ चौपाई

○ दोहा

○ चौपाई और दोहा

काव्य बोध पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न :-----

1.सीता स्वयंवर की शर्त क्या थी ?

○ शिव धनुष को भंग करना

○ विष्णु धनुष को भंग करना

○ घुमती मछली की आँख में बाण मारना

○ उपर्युक्त सभी

2. परशुराम जनक के दरबार में किस भाव से प्रकट होते हैं?

○ हास्य के भाव से

○ घृणा के भाव से

○ क्रोध के भाव से

○ दया के भाव से

3.तुलसीदास का जन्म किस जिले में हुआ था?

○ वाराणसी

○ बांदा जिला

○ लखनऊ

○ गोरखपुर

4.लक्ष्मण परशुराम से संघर्ष क्यों नहीं करना चाहते थे?

○ . परशुराम बड़े थे

. लक्ष्मण डरता था

परशुराम बीमार थे

. परशुराम ब्राह्मण थे

5.लक्ष्मण के अनुसार परशुराम के वचन किसके समान कठोर हैं

○ वज्र के समान

○ पत्थर के समान

○ लोहे की सामान

○ किसी के समान नहीं

6 .परसु का अर्थ है?

○ फरसा

○ चाकू

○ तलवार

○ उपर्युक्तमें कोई नहीं

7 .शिवजी का धनुष तोड़ने वाले को परशुराम अपना क्या समझते हैं?

(क) मित्र

(ख) शत्रु

(ग) भाई

8 .सहस्रबाहु की भुजाओं को किसने काट डाला था?

○ लक्ष्मण ने

○ परशुराम ने

○ विष्णु ने

○ शिव ने

9. परशुराम शिव को क्या मानते हैं?

○ पिता

○ ईश्वर

○ गुरू

○ सेवक

10.रिपु का अर्थ होता है?

○ राजा

○ प्रजा

○ मित्र

○ शत्रु

11.श्रीराम परशुराम के क्रोध के सामने विनम्र क्यों रहे

?

○ क्योंकि क्रोधी को क्रोध से जीतना बुद्धिमता नही है

○ संत से विनम्र होना मजबूरी थी

○ राम का स्वभाव ही ऐसा था

○ परशुराम के भय से

12.लक्ष्मण के अनुसार परशुराम के लिए क्या अशोभनीय था ?

○ फरसा उठाना

○ गालियाँ देना

○ राजसभा में चिल्लाना

○ राम को भला- बुरा कहना

उत्तर कुंजी :-प्रश्न 1 से 5

1. तुलसीदास, रामचरितमानस,बालकाण्ड, विष्णु धनुष के टूटने के कारण,सहस्रबाहु के समान
2. अवधी,ब्राह्मणों को,क्षत्रिय ,क्रोधी ,परशुराम ने
3. राम भक्ति काव्य धारा,लक्ष्मण ने, कायर ,जनेऊ, वीर एवं रौद्र रस
4. विश्वामित्र के लिए,युद्ध में ,बड़बोलापन ,दोनों सही हैं

5.वीर एवं रौद्र रस, विश्वामित्र के, उत्प्रेक्षा ,परशुराम ,चौपाई और दोहा

काव्य बोध पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर **:-----**

1.शिव धनुष को भंग करना 2.क्रोध के भाव से3.बांदा जिला4. परशुराम ब्राह्मण थे5.वज्र के समान 6.फरसा 7.शत्रु 8.परशुराम ने 9.गुरू10.शत्रु 11.क्योंकि क्रोधी को क्रोध से जीतना बुद्धिमता नही है12.गालियाँ देना

पाठ का नाम - नेताजी का चश्मा

पाठ का नाम – स्वयंप्रकाश

पाठ का सार

'नेताजी का चश्मा' पाठ के लेखक स्वयंप्रकाश है | इस पाठ के माध्यम से लेखक ने उन गुमनाम देश के नागरिकों के योगदान के महत्त्व का वर्णन किया है | जिन्होंने देश के निर्माण में अपने -अपने ढंग से योगदान दिया है | कैप्टन चश्मे वाले की देशभक्ति भी उसके कस्बे तक ही सीमित थी |

हालदार साहब कंपनी के काम से हर पंद्रह दिन बाद इस कस्बे से गुजरते थे जहां पर कस्बे के चौराहे पर नेता सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा नगरपालिका के द्वारा बनवाई गई थी | जो संगमरमर की बनी हुई थी | मूर्ति बनवाने का कार्य कस्बे के स्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल को दिया गया | हालदार साहब हर बार चौराहे पर रुकते पान खाते और नेताजी की मूर्ति को निहारते रहते | हालदार साहब को हर बार नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा बदला हुआ मिलता था | यह देखकर हालदार साहब आश्चर्यचकित थे | उन्होंने अपनी जिज्ञासा कम करने के लिए चौराहे पर बैठे पान वाले से पूछा कि हर बार मूर्ति का चश्मा कैसे बदल जाता है | पान वाले ने बताया कि नेताजी का चश्मा कैप्टन बदल देता है | पान वाले ने हालदार साहब को यह भी बताया कि मूर्तिकार मूर्ति का चश्मा बनाना भूल गया था | हालदार साहब को पान वाले की यह बात बहुत बुरी लगी थी |

हालदार साहब कैप्टन चश्मे वाले से बहुत प्रभावित हुए थे जिसने अपनी देश भक्ति से मूर्ति के अधूरेपन को पूरा किया था | हालदार साहब दो वर्ष तक कस्बे से गुजरते रहे और नेता जी की मूर्ति पर चश्मे देखते रहे | एक बार हालदार साहब को मूर्ति पर चश्मा दिखाई नहीं दिया | हालदार साहब ने पान वाले से पूछा कि नेता जी का चश्मा कहाँ गया | पानवाले ने उदास होकर बताया कि चश्मे वाला कैप्टन मर गया | हालदार साहब यह सुनकर चले गए | हालदार साहब फिर पंद्रह दिन बाद कस्बे से गुजरे तो उन्होंने देखा कि नेता जी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा हुआ था | यह देखकर हालदार साहब भावुक हो गए | उन्होंने बच्चों की भावना का सम्मान करने के लिए मूर्ति के सामने अटेंशन खड़े होकर उनकी भावनाओं तथा नेता जी को प्रणाम किया |

(1) पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न :-

"अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समज में आई | एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है | उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है | बल्कि आहत करती है,मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो | इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ़्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है | लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम कि दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन

चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम संभवत: नेताजी से क्षमा माँगते हुए -लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेता जी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है | वाह ! भई खूब ! क्या आइडिया है |"

प्रश्न **1.** प्रस्तुत पद के आधार पर कैप्टन की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है |

(क) स्वतंत्रता सेनानियों का आदर सम्मान करना

(ख) कुशल व्यवसायी

(ग) लालची

(घ) क और ख दोनों

प्रश्न **2.** हालदार साहब को किस के बारे में बात समझ आई **?**

(क) नेता जी

(ख) कैप्टन

(ग) मूर्ति

(घ) ग्राहक

प्रश्न **3.** दरकार शब्द का क्या अर्थ है **?**

(क) अनावश्यक

(ख) अविश्वास

(ग) आवश्यकता

(घ) अविश्वसनीय

प्रश्न **4.** कैप्टन मूर्ति का चश्मा क्यों बदल देता था **?**

(क) उसे नेता जी की बिना चश्मे के मूर्ति बुरी लगती थी

(ख) उसे मूर्ति का चश्मा बदलने का शौक था

(ग) हालदार साहब के कहने पर

(घ) ग्राहक बदलने के लिए कहते थे

प्रश्न **5** चश्मे वाले को कैप्टन क्यों कहा जाता था **?**

(क) सेना मे भर्ती था

(ख) वेश-भूषा सैनिकों जैसी थी

(ग) चश्मे बेचने का शोकीन था

(घ) सच्चा देशभक्त था

(2) पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न :-

"हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा | मुड़कर देखा तो अवाक रह गए | एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बांस पर टंगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बांस टिका रहा था | तो इस बेचारे कि दुकान भी नहीं ! फेरी लगाता है !

प्रश्न **1.** पाठ और लेखक का नाम क्या है **?**

(क) पाठ- बाल गोबिन बगत , लेखक – स्वयंप्रकाश

(ख) पाठ- नेताजी कि मूर्ति , लेखक- स्वयंप्रकाश

(ग) पाठ- नेताजी का चश्मा , लेखक – स्वयंप्रकाश

(घ) पाठ- नेताजी की प्रतिमा , लेखक- रामवृक्ष बेनीपुरी

प्रश्न **2.** हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा था **?**

क) चश्मे वाले के सिर पर गांधी टोपी

ख) एक छोटी-सी संदूकची

ग) क और ख दोनों

घ) पानवाले का एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाना

प्रश्न **3.** कैप्टन का व्यक्तित्व कैसा है **?**

(क) कैप्टन एक बहुत बूढ़ा,कमजोर-सा अपाहिज व्यक्ति है
(ख) उसके हाथ मे एक छोटी-सी संदूकची है

(ग) उसने सिर पर गांधी टोपी पहनी है

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न **4.** कैप्टन क्या काम करता है **?**

(क) चश्मे बनाता है

(ख) सिर पर गांधी टोपी पहनकर लोगों को अहिंसा का पाठ देता है

(ग) फेरी लगाकर अपनी जीविका के लिए चश्मे बेचता है

(घ) चौराहों पर लगी मूर्तियों पर चश्मे लगाता है

प्रश्न **5.** हालदार साहब क्या देखकर अवाक रह गए **?**

(क) एक बेहद बूढा मरियल-सा लंगड़ा आदमी

(ख) एक बंद दुकान के आगे रखा बांस

(ग) देशभक्तों का मजाक उड़ता देख

(घ) पान वाले का मोटा पेट

बहुविकल्पी प्रश्न :-

प्रश्न 1. नेताजी की प्रतिमा की वेशभूषा कैसी थी ?

(क) धोती-कुर्ता

(ख) पजामा-कुर्ता

(ग) पैंट-शर्ट

(घ) फ़ौजी

प्रश्न 2. नेताजी की प्रतिमा पर कैसा चश्मा था ?

(क) संगमरमर का

(ख) सामान्य काले फ्रेम का

(ग) सोने के फ्रेम का

(घ) लकड़ी का

प्रश्न 3. हालदार साहब ने चश्मे के बदलते रहने के बारे में किस से पूछा ?

(क) पान वाले से

(ख) चाय वाले से

(ग) फल वाले से

(घ) करियाने वाले से

प्रश्न 4 नेताजी की प्रतिमा को चश्मे कौन सा चश्मे वाला पहनाता और बदलता है ?

(क) हवलदार

(ख) कैप्टन

(ग) थानेदार

(घ) मेजर

प्रश्न 5. नेताजी की मूर्ति किस मास्टर जी ने बनाई थी ?

(क) मोती लाल

(ख) मोती चन्द्र

(ग) मोती राम

(घ) मोती प्रसाद

प्रश्न 6. हालदार साहब किस में बैठकर चले गए ?

(क) कार

(ख) बस

(ग) जहाज

(घ) जीप

प्रश्न 7. कस्बे में ओपनएयर सिनेमाघर कितने थे ?

(क) एक

(ख) चार

(ग) दो

(घ) तीन

प्रश्न 8. नेताजी की प्रतिमा को देखते ही क्या याद या जाता था ?

(क) दिल्ली चलो

(ख) तुम मुझे खून दो..

(ग) क और ख दोनों

(घ) डांडी यात्रा

प्रश्न 9. कैप्टन द्वारा नेताजी की प्रतिमा पर बार-बार चश्मा लगाना उनकी किस भावना का प्रतीक है ?

(क) चश्मे का विज्ञापन करना

(ख) देश प्रेम

(ग) स्वतंत्रता सेनानियों का आदर- सम्मान

(घ) ख एवं ग दोनों

प्रश्न 10. आखिरी बार नेताजी की प्रतिमा पर हालदार साहब ने किस का बना चश्मा देखा ?

(क) संगमरमर का

(ख) सरकंडे का

(ग) सोने के फ्रेम का

(घ) तार का

प्रश्न 11. हालदार साहब जी के अनुसार आजकल देशभक्ति क्या चीज होती जा रही है ?

(क) मजाक की

(ख) भावना की

(ग) मन की

(घ) संवेदना की

प्रश्न 12. पानवाला किस मिजाज का आदमी था ?

(क) तनुक

(ख) अकड़ू

(ग) क्रोधी

(घ) खुश

प्रश्न 13. कैप्टन के सिर पर क्या था ?

(क) हैट

(ख) पगड़ी

(ग) गांधी टोपी

(घ) संदूकची

प्रश्न 14. हालदार साहब चौराहे पर क्या खाने के लिए रुकते थे ?

(क) फल

(ख) पान

(ग) चाट

(घ) चाय-बिस्कुट

प्रश्न 15. नेताजी की प्रतिमा टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कितने फुट ऊँची थी ?

(क) दो

(ख) तीन

(ग) एक

(घ) आधा

प्रश्न 16. 'साहब ! कैप्टन मर गया'-नेताजी का चश्मा पाठ में ये शब्द किसने कहे ?

(क) हालदार साहब ने

(ख) मास्टर जी ने

(ग) किसी राहगीर ने

(घ) पानवाले ने

प्रश्न 17. 'नेताजी का चश्मा' पाठ में पान वाला कैसा आदमी था ?

(क) मोटा

(ख) काला

(ग) खुशमिजाज

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 18 नेताजी की मूर्ति बनाने वाला मोतीलाल पेशे से क्या था ?

(क) पूर्व सैनिक

(ख) मूर्तिकार

(ग) अध्यापक

(घ) दुकानदार

प्रश्न 19. हालदार साहब जिस कस्बे से गुजरते थे उसमें क्या था?

(क) सीमेंट का कारखाना

(ख) नगरपालिका

(ग) ओपन एयर सिनेमाघर

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 20. पान वाले के उदास होने का क्या कारण था ?

(क) मूर्ति का चश्मा न होना

(ख) कैप्टन चश्मे वाले की मृत्यु

(ग) सच्चे देश भक्तों की कमी

(घ) पान की बिक्री न होना

प्रश्न 21. नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा देखकर हालदार साहब कैसे खड़े हो गए ?

(क) झुककर

(ख) हतप्रभ

(ग) अटेंशन

(घ) हाथ जोड़कर

प्रश्न 22. 'नेताजी का चश्मा' पाठ में कैप्टन कौन है ?

(क) हालदार साहब

(ख) चश्मे वाला

(ग) पान वाला

(घ) जीप ड्राइवर

प्रश्न 23. 'वो लंगड़ा क्या जाएगा फौज में ! पागल है पागल !'-नेताजी का चश्मा पाठ में ये शब्द किसने कहे ?

(क) कैप्टन ने

(ख) चश्मे वाले ने

(ग) हालदार साहब ने

(घ) पानवाले ने

प्रश्न 24. कैप्टन कैसा दिखाई देता था ?

(क) मरियल

(ख) जवान

(ग) तगड़ा

(घ) बलवान

प्रश्न 25. लाल-काली बत्तीसी किसकी थी ?

(क) हालदार साहब की

(ख) चश्मे वाले की

(ग पान वाले की

(घ) जीप ड्राइवर की

प्रश्न 26. 'वो लंगड़ा क्या जाएगा फौज में ! पागल है पागल !'-नेता जी का चश्मा पाठ में ये शब्द किसके बारे में कहे गए ?

(क) ड्राइवर के

(ख) कैप्टन के

(ग) हालदार साहब के

(घ) पानवाले के

प्रश्न 27. नेताजी का चश्मा पाठ के लेखक कौन है ?

(क) राम प्रकाश

(ख) प्रकाश चंद्र

(ग) स्वयंप्रकाश

(घ) श्री प्रकाश

प्रश्न 28. हालदार साहब किसके काम से कस्बे से गुजरते थे ?

(क) सरकार

(ख) कंपनी

(ग) मालिक

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 29. शहर के मुख्य बाजार के चौराहे पर किस नेताजी की प्रतिमा लगी हुई थी ?

(क) गांधी जी की

(ख) सरदार पटेल की

(ग) राजेन्द्र प्रसाद की

(घ) सुभाष चन्द्र बोस की

प्रश्न 30. कस्बे में किस चीज का छोटा-सा कारखाना था ?

(क) सीमेंट का

(ख) लोहे का

(ग) पेंट का

(घ) कपड़े का

प्रश्न 31. हालदार साहब कंपनी के काम से उस कस्बे से कितने दिनों बाद निकलते थे ?

(क) दस

(ख) बीस

(ग) पंद्रह

(घ) पाँच

प्रश्न 32. हालदार साहब को कस्बे से गुजरते हुए क्या नहीं करते थे ?

(क) पान खाते थे

(ख) नेताजी की मूर्ति को निहारते थे

(ग) चौराहे पर रुकते थे

(घ) सिगरेट पीते थे

प्रश्न 33. कस्बे मे नगरपालिका क्या करती थी ?

(क) कबूतरों की छतरी बनवाना

(ख) पेशाब घर बनवाना

(ग) कवि सम्मेलन करवाना

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 34. नेताजी की मूर्ति टोपी कि नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची थी जिसे क्या कहा जाता है ?

(क) मस्ट

(ख) बस्ट

(ग) कस्ट

(घ) रस्ट

प्रश्न 35. मास्टर मोतीलाल ने मूर्ति कितने समय में बनाकर देने का वादा किया था ?

(क) साल-भर में

(ख) दस दिन में

(ग) महीने-भर में

(घ) बीस दिन में

प्रश्न 36. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मूर्ति में कैसे लग रहे थे ?

(क) सुन्दर

(ख) कमसिन

(ग) मासूम

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 37. नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया था ?

(क) चोरी कर लिया गया

(ख) टूट गया

(ग) मास्टर बनाना भूल गया

(घ) तूफ़ान मे उड़ गया

प्रश्न 38. नेताजी की मूर्ति किसकी बनी हुई थी ?

(क) लोहे की

(ख) संगमरमर की

(ग) मिट्टी की

(घ) तांबे की

प्रश्न 39. नेताजी की मूर्ति कहाँ लगाई गई थी?

(क) मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे के दायें

(ख) मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे के बाएं

(ग) मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर

(घ) बाज़ार के बाहर

प्रश्न 40. चश्मेवाले को पानवाला क्या समझता था?

(क) कैप्टन

(ख) पागल

(ग) ईमानदार

(घ) गरीब

प्रश्न 41. कैप्टन को देखकर हालदार साहब अवाक् क्यों रह गए?

(क) कैप्टन का व्यक्तित्व आकर्षित करने वाला था।

(ख) कैप्टन बूढ़ा, मरियल तथा लंगड़ा आदमी था।

(ग) कैप्टन बहुत बहादुर था।

(घ) कैप्टन सचमुच का कैप्टन था।

प्रश्न 42. 'नेताजी का चश्मा' कहानी हममें किस भावना को जगाती है?

(क) व्यक्ति पूजा

(ख) देशभक्ति की भावना

(ग) परिश्रम की भावना

(घ) परोपकार की भावना

प्रश्न 43. 'नेताजी का चश्मा' पाठ में किस बात को उठाया गया है?

(क) विलुप्त होती देश-भक्ति की भावना को

(ख) बढ़ती महँगाई

(ग) राजनीति में बढ़ता भ्रष्टाचार

(घ) भ्रष्ट राजतंत्र

प्रश्न 44. हालदार साहब को पान वाले की क्या बात अच्छी नहीं लगी?

(क) नेताजी का मज़ाक उड़ाना

(ख) चश्मे वाले कैप्टन को पागल कहना

(ग) तोंद हिलाकर हँसना

(घ) बिना वजह बोलना

प्रश्न 45. 'मूर्ति कपड़े तो नहीं लेकिन चश्मे तो बदल सकती है' यह बात किसने सोची थी ?

(क) कैप्टन

(ख) पानवाला

(ग) मोतीलाल

(घ) हालदार साहब

उत्तर कुंजी

पठित गद्यांश न. 1

1. घ 2.ख 3. ग 4. क 5.घ

पठित गद्यांश न. 2

1. ग 2.घ 3. घ 4. ग 5.क

बहुविकल्पी प्रश्न -

1. घ 2.ख 3. क 4. ख 5.क

6. घ 7. ग 8. ग 9. घ 10. ख

11. क 12.घ 13. ग 14. ख 15. क

16. घ 17. घ 18. ग 19. घ 20. ख

21. ग 22. ख 23. घ 24. क 25. ग

26. ख 27. ग 28. ख 29. घ 30. क

31. ग 32. घ 33. घ 34. ख 35. ग

36. घ 37. ग 38. ख 39. ग 40. ख

41. ख 42. ख 43. क 44. ख 45. घ

बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

पाठ का सार

बालगोबिन भगत गृहस्थ थे | कबीर को अपना साहब मानते थे | उन्ही के गीतों को गाते और उनके आदेशों पर चलते | स्पष्टवादी थे, किन्तु झगड़ालू नहीं थे | खेती की उपज से जो भी मिलता ,सिर पर लादकर साहब के दरबार में ले जाते | प्रसाद स्वरूप जो कुछ उन्हें मिलता, उसी से गुजारा करते | बालगोबिन भगत का गायन सुनने वाले मस्त होकर थिरकने लगते थे | लेखक को बालगोबिन भगत के संगीत का चरम –उत्कर्ष उस दिन देखने को मिला ,जिस दिन उनका इकलौता बेटा मर गया था | बेटे की लाश को सफेद कपड़े से ढककर सिरहाने एक दीपक जला दिया | उनका मानना था कि पुत्र की मौत पर रोने की अपेक्षा उत्सव मनाना चाहिए | क्योंकि आत्मा परमात्मा के पास चली गई,विरहिणी अपने प्रेमी से जा मिली | बालगोबिन भगत ने अपनी पुत्रवधू के हाथों अपने पुत्र की चिता को अग्नि दिलवाकर सामाजिक कुप्रथा पर प्रहार किया है | पुत्र के क्रिया-कर्म के बाद पतोहू को उसके भाई के साथ उसके घर दूसरी शादी के लिए भेज दिया |

1. गद्यांश को पढ़ कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे ।साठ के उपर के ही होंगे | बाल पक गए थे ।लम्बी दाड़ी या जटाजूट तो नहीं रखते थे,किन्तु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता | कपड़े बिलकुल कम पहनते थे । कमर में एक लंगोटी मात्र और सिर में कबीरपंथियों की सी कनफटी टोपी।

जब जाड़ा आता एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते । मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन,जो नाक के एक छोर से ही ,औरतों के टीके की तरह, शुरू होता | गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते । ऊपर की तस्वीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधू थे | नहीं बिलकुल गृहस्थ |उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं ,उनके बेटे और पतोहू को मैंने देखा था | थोड़ी खेतीबाड़ी भी थी,एक अच्छा साफ सुथरा मकान भी था |

(1) बालगोबिन भगत सिर पर क्या पहने रहते थे ?

(अ) कबीर पंथियों जैसी कनपटी टोपी (ब) काली टोपी

(स) रामानंदी टोपी (द) इनमें से कोई भी नहीं।

(**2**) बालगोबिन भगत की उम्र कितनी थी ?

(अ) तीस वर्ष (ब) चालीस वर्ष

(स) साठ वर्ष के ऊपर (द) साठ वर्ष

(3) बालगोबिन भगत जाड़ो में क्या ओढ़ लेते थे ?

(अ) चादर (ब) नीला कंबल

(स) काली कमली (द) शाल

(4) रामानंदी चंदन का टीका कौन लगाता था ?

(अ) कबीरदास (ब) तुलसीदास

(स) रामानंद (द) बालगोबिन भगत

(5) बालगोबिन भगत गले में किसकी माला पहनते थे ?

(अ) मोतियों की (ब) तुलसी की जड़ो की

(स) हीरों की (द) इनमें से कोई नहीं

2. इस गद्यांश को पढ़ कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

बालगोबिन भगत खेती-बाड़ी करते थे । उनके पास एक साफ-सुथरा मकान भी था जिसमें वह अपने बेटे और बहू के साथ रहते थे । लेकिन वो आचार, विचार, व्यवहार व स्वभाव से साधु थे । वो संत कबीर को अपना आदर्श मानते थे । कबीर के उपदेशों को उन्होंने पूरी तरह से अपने जीवन में उतार लिया था । वो कबीर को "साहब" कहते थे और उन्हीं के गीतों को गाया करते थे ।

वो कभी झूठ नहीं बोलते थे । सबसे खरा व्यवहार रखते थे । दो टूक बात कहने में संकोच नहीं करते थे लेकिन किसी से खामखाह झगड़ा मोल भी नहीं लेते थे । किसी की चीज को कभी नहीं छूते थे और ना ही बिना पूछे व्यवहार में लाते ।

(1)बालगोबिन भगत अपने घर में किसके साथ रहते थे?

(अ) बेटे और बहू के साथ (ब) पत्नी के साथ

(स) अपने भाई के साथ (द) अकेले रहते थे

(2) बालगोबिन भगत किसे अपना आदर्श मानते थे?

(अ) कबीर को (ब) अपने पिता को

(स) रामानंद को (द) किसी को भी नहीं

(3) बालगोबिन भगत साहब किसे कहते थे ?

(अ) कबीरपंथी अनुयायियों को (ब) कबीर को

(स) भगवान को (द) रामानुजाचार्य को

(4) भगत किसके गीतों को गाया करते थे ?

(अ) मीरा के (ब) नरसी के

(स) कबीर के (द) इन सभी के

(5) भगत लोगों के साथ कैसा व्यवहार रखते थे ?

(अ) खरा व्यवहार (ब) बुरा व्यवहार

(स) उपर्युक्त दोनों (द) इनमें से कोई भी नहीं

3. इस गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

बेटे के क्रिया-कर्म को तूल नहीं दिया ; पतोहू से ही आग दिलाई | किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना | इधर पतोहू रो-रोकर कहती – मैं चली जाऊँगी तो कौन बुढापे में आपके लिए भोजन बनाएगा; बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए ! लेकिन भगत का निर्णय अटल था | तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा – यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती |

(1) भगत ने अपने बेटे के मृत शरीर को किससे आग दिलाई ?

(क) स्वयं

(ख) गाँव वालों से

(ग) अपनी पतोहू से

(घ) मठ के पुजारियों से

(2) पतोहू को घर भेजते समय उन्होंने क्या आदेश दिया ?

(क) इसकी दूसरी शादी करा देना

(ख) इसे अपने घर ले जा के रखो

(ग) इसे जल्दी वापस ले आना

(घ) उपर्युक्त सभी

(3) भगत की पतोहू अपने घर क्यों नहीं जाना चहाती थी ?

(क) अपना हिस्सा खोना नहीं चाहती थी

(ख) उसके भाई का घर बड़ा नहीं था

(ग) भगत के बुढापे के कारण

(घ) इनमें से कोई नहीं

(4) पतोहू को उसके भाई के घर भेजने के लिए क्या दलील दी ?

(क) मैं खाना खाना छोड़ दूँगा

(ख) मैं समाधि ले लूँगा

(ग) मैं ये घर छोड़ दूँगा

(घ) मैं ये संसार छोड़ दूँगा

(5) गद्यांश में भगत का कौन सा रूप सामने आता है ?

(क) संत का

(ख) निर्दयी का

(ग) गरीब का

(घ) सेठ का

विकल्पी प्रश्नोत्तर -

1. बालगोबिन किस किसके व्यक्तित्व से प्रभावित थे ?

(अ) कबीरदास

(ब) तुलसीदास

(स) मीराबाई

(द) उपर्युक्त सभी

2. बालगोबिन भगत की शारीरिक बनावट कैसी थी ?

(अ) लम्बे कद के गोर चिट्टे (ब) मँझले कद के गोरे चिट्टे

(स) मंझोले कद के काले (द) गोरे-चिट्टे कद के काले

3. बालगोबिन के व्यक्तित्व की क्या विशेषता है ?

(अ) दो टूक बात करते थे

(ब) दूसरों के खेत में शौच नहीं करते थे।

(स) सबसे खरा व्यवहार रखते थे।

(द) उपर्युक्त सभी

4. बालगोबिन भगत किस नदी में स्नान करने जाते थे?

(अ) यमुना

(ब) गंगा

(स) नर्मदा

(द) सोन

5. बालगोबिन पुत्र की चिता को मुखाग्नि किससे दिलवाते हैं?

(अ) भाई से

(ब) पुत्रवधू से

(स) पोती से

(द) पत्नी से

6. भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा का क्या कारण था?

(अ) कबीर ईश्वर के निर्गुण निराकार रूप के उपासक थे।

(ब) कबीर ने गृहस्थ जीवन जीया था।

(स) कबीर ने सामाजिक बुराइयों का विरोध किया था।

(द) उपर्युक्त सभी

7. भगत की पुत्र वधू जिन्हें अकेले नहीं छोड़ना चाहती थी?

(अ) पति को

(ब) पुत्र को

(स) ससुर को

(द) उपर्युक्त सभी

8. क्या कारण था कि बालगोबिन भगत इकलौते बेटे की मौत पर शोक नहीं मना रहे थे?

(अ) क्योंकि उनके अंदर ममता का अभाव था।

(ब) क्योंकि वह उनका वास्तविक पुत्र नहीं था।

(स) क्योंकि वे कबीर की तरह निर्गुण निराकार ब्रह्म पर आस्था रखते थे।

(द) क्योंकि वे मृत्यु को एक शोकाकुल मंजर मानते थे।

9. बालगोबिन की कौन सी चीज लोगों को अचरज में डालती थी?

(अ) यौगिक क्रिया

(ब) पठन-पाठन

(स) भ्रमण

(द) दिनचर्या

10. बालगोबिन भगत पतोहू के पुनर्विवाह के रूप में समाज की किस समस्या का समाधान प्रस्तुत करना चाहते हैं?

(अ) बाल विवाह

(ब) विधवा विवाह

(स) परदा प्रथा

(द) सती प्रथा

11. लोगों को बालगोबिन भगत की मृत्यु का कब पता चला?

(अ) जब सांय भगत जी का गायन स्वर सुनाई नहीं दिया।

(ब) भोर में जब भगत जी का गायन स्वर सुनाई नहीं दिया।

(स) दोपहर में जब भगत जी का गायन स्वर सुनाई नहीं दिया।

(द) इनमें से कोई नहीं

12. बालगोबिन भगत की आजीविका का साधन क्या था?

(अ) भिक्षा

(ब) खेतीबाड़ी

(स) गायन

(द) शिक्षण

13. साधु की पहचान किस आधार पर की जानी चाहिए?

(अ) गले में पहनी माला

(ब) माथे पर लगा तिलक

(स) वेशभूषा

(द) सुंदर आचार विचार से

14. बालगोबिन भगत अपना गुजर-बसर किससे करते थे ?

(अ) खेतों में जो अनाज होता उससे

(ब) कबीर के मठ से प्रसाद के रूप में जो अनाज मिलता उससे

(स) भिक्षा माँगकर

(द) इनमें से कोई नहीं

15. धान की रोपाई कब की जाती थी ?

(अ) आषाढ़ माह में (ब) सावन माह में

(स) भादों माह में (द) क्वार माह में

16. बालगोबिन भगत के खेतों में जो अनाज होता उसे सबसे पहले कहाँ ले कर जाते थे ?

(अ) अपने घर (ब) बाजार बेचने के लिए

(स) कबीर के मठ (द) इनमें से कोई भी नहीं

17. कबीर का मठ बालगोबिन के घर से कितना दूर था ?

(अ) दो कोस (ब) तीन कोस

(स) चार कोस (द) पाँच कोस

18. बालगोबिन भगत अपने खेत से कबीर के मठ तक अनाज किसमें लाद कर ले जाते थे ?

(अ) गाड़ी में (ब) सिर पर

(स) कंधों पर (द) पीठ पर

19. बालगोबिन भगत पाठ के लेखक का नाम चुनिए?

(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ब) रामवृक्ष बेनीपुरी

(स) रामचंद्र शुक्ल

(द) कबीर

20. मृत्यु पर कौन विजयी होता है?

(अ) इंसानियत से प्यार

(ब) मृत्यु पर चरम विश्वास

(स) रिश्तों से अलगाव

(द) उपर्युक्त सभी

उत्तर कुंजी-

पठित गद्यांश न. 1

1. अ 2.स 3. स 4. द 5.ब

पठित गद्यांश न. 2

1. अ 2.अ 3. ब 4. स 5.अ

पठित गद्यांश न. 3

1. ग 2.क 3. ग 4. ग 5.क

बहुविकल्पी प्रश्न -

1. अ 2.ब 3. द 4. ब 5.ब

6. द 7. स 8. स 9. द 10. ब

11. ब 12.ब 13. द 14. ब 15. अ

16. स 17. स 18. ब 19. ब 20. ब